शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शनिवार 04 अक्टूबर 2025 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 175 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	25.2	22.5
डालटनगंज	29.0	23.7
धनबाद	29.0	24.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

पीओके में मुनीर की सेना के जुल्मों पर भारत ने सुनाई खरी-खरी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में शहबाज शरीफ सरकार और आसिम मुनीर की सेना की ज्यादतियों पर भारत की प्रतिक्रिया सामने आई है. भारत ने कहा है कि वो पीओके के हालात से वाकिफ है और पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों की वजह से ही पीओके की ऐसी हालत है. प्रदर्शन कर रहे लोगों पर आसिम मुनीर की सेना के अत्याचारों पर भी भारत ने प्रतिक्रिया दी है.

करूर भगदड़ की जांच करेगी एसआईटी

चेन्नई। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच के लिए मद्रास हाईकोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है. हाईकोर्ट ने कहा कि घटना की जांच के लिए आईजी (उत्तर) असरा गर्ग के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है. करूर पुलिस को सभी दस्तावेज़ एसआईटी को सौंपने का निर्देश दिया गया है. सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी. याचिकाकर्ता को मदुरै पीठ जाने का निर्देश दिया है.

चैतन्यानंद को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत

नयी दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने स्वामी चैतन्यानंद को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया. दिल्ली पुलिस 5 दिन की पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद उसे पटियाला हाउस कोर्ट लेकर पहुंची. आरोपी बाबा के वकील ने ज्यूडिशियल कस्टडी में कपड़े, दवाइयां और संन्यासी खाने की मांग की है. इस याचिका पर कोर्ट शनिवार सुनवाई करेगा. आरोपी बाबा के वकील ने सीजर मेमो और केस डायरी पर जज साइन की मांग की. सीजर मेमो की अर्जी पर पुलिस से जवाब मांगा है.

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन रही रौनक

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन यानी शुक्रवार को शेयर बाजार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुआ. वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में बढ़त दर्ज की गई. बीएसई का सेंसेक्स 223.86 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,207.17 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान इसमें 602 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया और यह 81,251.99 के ऊपरी स्तर और 80,649.57 के निचले स्तर तक गया.

मखाना महोत्सव में आज आएंगे शिवराज

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को को पटना के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे. इस दौरान शिवराज पटना में मखाना महोत्सव में शामिल होंगे, वहीं रबी कार्यशाला एवं कृषि सलाहकार संवाद कार्यक्रम में भी सहभागिता करेंगे. यह जानकारी शुक्रवार को कृषि मंत्रालय ने मीडिया को दी. शिवराज का पटना प्रवास, बिहार राज्य में कृषि विकास और नवाचार की दिशा में एक और अहम कदम है.

अच्छी खबर: डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा फीस ने दुनिया में बढ़ाई भारतीय हुनरमंदों की डिमांड

अमेरिका को छोड़ो, हमारे यहां आओ...स्वागत को बेकरार कई देश

एजेंसियां। वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा फीस को बढ़ाकर भारतीय टैलेंट को बड़ा झटका दिया है. अब अमेरिका के लिए एच-1बी वीजा का आवेदन करने पर 100000 डॉलर की भारी भरकम फीस चुकानी होगी.

आशंका है कि ट्रंप के इस फैसले से 1 लाख कुशल भारतीय कामगार प्रभावित हो सकते हैं. इसमें विज्ञान, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी और गणित के क्षेत्रों में काम करने वालों के सबसे ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है. पिछले साल 80000 से ज्यादा भारतीयों ने एच-1बी वीजा के लिए नए आवेदन जमा किए थे. यह वीजा दूसरे देश के नागरिकों के लिए अमेरिका में विशिष्ट व्यवसायों में रोजगार प्राप्त करने का एक जरिया है. ट्रंप के एच-1बी वीजा की फीस में बढ़ोत्तरी ने कई

देशों को फायदा उठाने का मौका दे दिया है. इन देशों ने भारत के प्रतिभावान लोगों के स्वागत के लिए पलक-पांवड़े बिछाने शुरू कर दिए हैं. इसके लिए उन देशों ने विशेष वीजा नीतियों को लागू करने के संकेत भी दिए हैं. इससे भारतीय स्किल वर्कफोर्स के लिए नए रास्ते खुलेंगे और लोगों को किसी एक देश पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा. इसका असर अमेरिकी कंपनियों पर भी पड़ेगा, जो स्किल को आउटसोर्स कर अमेरिका में उनसे काम करवाती हैं.

कनाडा

नई वीजा नीति से स्किल वर्कफोर्स को अपने देश में आकर्षित करने वालों में कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और चीन शामिल हैं. हाल ही में, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने कहा कि उनका देश जल्द ही विदेशी कर्मचारियों को प्रवेश देने के कुछ प्रस्तावों की घोषणा करेगा. उन्होंने कहा, अमेरिका में उतने एच1बी वीज़ा धारकों को वीज़ा नहीं मिलेगा. ये लोग कुशल हैं, और यह कनाडा के लिए एक अवसर है; हम जल्द ही इस पर एक प्रस्ताव लाएंगे.

ब्रिटेन

ब्रिटिश पीएम स्टारमर भी कुशल विदेशी कामगारों के लिए वीजा शुल्क समाप्त करने के प्रस्तावों पर विचार कर रहे हैं. फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया है ब्रिटिश वित्त मंत्रालय इस पर गहनता से चर्चा कर रहा है. स्टारमर का वैश्विक प्रतिभा कार्यबल आर्थिक विकास को गति देने के लिए शिक्षाविदों और तकनीकी विशेषज्ञों सहित शीर्ष वैश्विक वैज्ञानिकों को ब्रिटेन में आकर्षित करने के विचारों पर काम कर रहा है.

जर्मनी

भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन ने भी कुशल भारतीय कामगारों को निमंत्रण दिया है. उन्होंने जर्मनी को अमेरिका के एक स्थिर विकल्प के रूप में पेश किया. एकरमैन ने सितंबर के अंत में एक्स पर पोस्ट किया, उच्च कुशल भारतीयों से मेरा यह आह्वान है. आईटी, मैनेजमेंट, तकनीक में भारतीयों के लिए रोजगार के अवसरों के साथ विशिष्ट स्थान रखता है. जर्मन अर्थव्यवस्था को 2040 तक सालाना 288,000 प्रवासियों की आवश्यकता होगी.

चीन

चीन ने भी कुशल श्रमिकों को आकर्षित करने के लिए नए के वीजा की घोषणा की है. के वीजा चीन की कैबिनेट स्टेट काउंसिल से मंजूरी मिलने के बाद 1 अक्टूबर से प्रभावी है. चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार (30 सितंबर) को कहा कि वीजा का उद्देश्य चीन और अन्य देशों की एसटीईएम प्रतिभाओं के बीच आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है. हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि के-वीजा पर कोई सीमा होगी या नहीं.

दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया ने भी अपने मंत्रालयों को वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को आकर्षित करने के लिए अमेरिकी वीजा फीस में वृद्धि का लाभ उठाने के तरीके खोज रहा है. हालांकि अभी तक विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन देश अगले साल के बजट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और प्रौद्योगिकी-आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए अन्य क्षेत्रों से जुड़ी पहलों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहा है.

आईएएफ प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर किया बड़ा खुलासा, कहा

पाक के एफ-16, जेएफ-17 समेत 10 फाइटर जेट हमने मार गिराए

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) अपने 93वें वायुसेना दिवस पर जोरदार उत्सव की तैयारी कर रही है. इस मौके पर शुक्रवार को एयर चीफ मार्शलन एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स ने 9 से 10 पाकिस्तानी एफ-16, जेएफ-17 को मार गिराया था. विंग कमांडर जयदीप सिंह, जो वायुसेना के पीआरओ हैं ने प्रेस ब्रीफिंग में इसकी पूरी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 8 अक्टूबर को हिंडन एयर फोर्स बेस पर एक भव्य परेड होगी. 6 अक्टूबर को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी. इस समारोह में वायुसेना प्रमुख, नौसेना प्रमुख और थलसेना प्रमुख भी शामिल होंगे. यह दिवस वायुसेना की ताकत, आत्मनिर्भरता और देश सेवा को दर्शाएगा.

ऑपरेशन सिंदूर में पाक का नुकसान जमीन पर: चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, दो जगहों पर रनवे, तीन जगहों पर हैंगर और 4-5 एफ-16 (क्योंकि हैंगर एफ-16 का था) तथा एक एसएएम सिस्टम नष्ट.

हवा में: एक लंबी दूरी के स्ट्राइक के सबूत हैं. एडब्ल्यूएसीएस या सिगइंट एयरक्राफ्ट के और 4-5 फाइटर एफ-16 या जे-10 क्लास के. इससे पाकिस्तान को जमीन और हवा में कुल फाइटर विमानों का नुकसान करीब 9 से 10 हो गया.

परेड और आकर्षण: विंग कमांडर सिंह ने कहा कि परेड में कई रोमांचक चीजें होंगी. सबसे खास होगा ध्वज फ्लाइपास्ट. इसमें एमआई-17 हेलीकॉप्टर ऑपरेशन सिंदूर का झंडा लेकर उड़ेगा. यह ऑपरेशन इस साल का सबसे बड़ा अभियान था. स्टेटिक डिस्प्ले में राफेल, एसयू-30एमकेआई, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल दिखाए जाएंगे. रडार और हथियार भी प्रदर्शित होंगे. वायुसेना ने कुल 18 नई इनोवेशन भी पेश की हैं. ये इनोवेशन वायुसेना की आत्मनिर्भरता, समस्या समाधान क्षमता और भविष्य की सोच को दिखाते हैं. विंग कमांडर ने कहा कि ये दिखाते हैं कि हम खुद पर भरोसा करते हैं. नई चुनौतियों के लिए तैयार हैं.

ऑपरेशन सिंदूर: इतिहास का नया अध्याय

ब्रीफिंग का मुख्य फोकस था ऑपरेशन सिंदूर. यह पहलगाम हमले के बाद का सबसे महत्वपूर्ण अभियान था. विंग कमांडर ने बताया कि सरकार ने सेनाओं को पूरी आजादी दी थी. यह युद्ध इतिहास में दर्ज होगा, क्योंकि यह एक लक्ष्य के साथ शुरू हुआ और राष्ट्र ने सीजफायर का फैसला लिया. हमारी मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने खेल पलट दिया. लॉन्ग रेंज एसएएम मिसाइलों ने दुश्मन को पीछे धकेल दिया. सबसे लंबा टारगेट किल 300 किलोमीटर से ज्यादा का था. विंग कमांडर ने गर्व से कहा कि यह इतिहास में दर्ज होगा. हमने सटीक हमले किए, न्यूनतम नुकसान के साथ. सिर्फ एक रात में दुश्मन को घुटनों पर ला दिया. 1971 के बाद पहली बार इतना विनाशकारी अभियान ऑपरेशन सिंदूर में दिखा. वायुसेना ने साबित किया कि वह अचूक, अभेद्य और सटीक है. सभी सेनाओं-वायु, थल और नौ-ने मिलकर योजना बनाई और अमल किया. विंग कमांडर ने कहा कि गलत सूचनाओं की भरमार थी, लेकिन हमारे मीडिया ने सेनाओं की बहुत मदद की. जनता का मनोबल न गिरे, इसके लिए चैनलों ने योगदान दिया. वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के हमलों का वीडियो भी जारी किया है. जरूरत पड़ने पर कैमरा फीड से और जानकारी ली जा सकती है.

दुनिया को हमसे सीखने की जरूरत

ऑपरेशन सिंदूर पर, भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा, 'भारतीय सशस्त्र बलों को संघर्ष को लेकर साफ निर्देश थे. यह एक सबक है जो इतिहास में दर्ज होगा कि यह एक ऐसा युद्ध था जो एक बहुत ही स्पष्ट उद्देश्य से लड़ा गया था और लक्ष्य हासिल होने के बाद इसे बिना आगे बढ़ाए हुए तेजी से समाप्त कर दिया गया. हम देख रहे हैं कि दुनिया में क्या हो रहा है, दो युद्ध चल रहे हैं और फिलहाल उनके खत्म होने की कोई बात नहीं चल रही है. लेकिन हमने लड़ाई को उस स्थिति में पहुंचाया, जहां वे हमसे युद्धविराम की मांग करें. इसके बाद हमने एक राष्ट्र के रूप में संघर्ष को समाप्त करने का फैसला लिया क्योंकि हमने जिन उद्देश्यों से लड़ाई शुरू की थी, वो पूरे हो चुके थे. मुझे लगता है कि ये कुछ ऐसा है, जिसे दुनिया को हमसे सीखने की जरूरत है.

भारत को हुए नुकसान पर दिया यह जवाब

भारतीय वायुसेना के विमानों को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे पर एपी सिंह ने कहा, यह उनकी 'मनोहर कहानियां' हैं. उन्हें खुश रहने दीजिए. आखिर, उन्हें भी अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अपने लोगों को कुछ बताना होगा. मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने मेरे 15 जेट मार गिराए हैं, तो उन्हें सोचने दीजिए. मुझे उम्मीद है कि उन्हें इस बात का यकीन हो गया होगा और जब वे दोबारा लड़ने आएंगे तो मेरे बेड़े में 15 कम विमान मानकर चलेंगे. एपी सिंह ने पूछा, क्या आपने एक भी तस्वीर देखी है जहां हमारे किसी एयरबेस पर कुछ गिरा हो, कोई हैंगर तबाह हुआ हो, या ऐसा कुछ? हमने उन्हें उनकी तबाह हुई जगहों की तस्वीरें जारी की हैं. लेकिन वे हमें एक भी तस्वीर नहीं दिखा पाए... उनकी कहानी 'मनोहर कहानियां' हैं.

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने की मोदी की तारीफ, कहा

भारत नहीं झुकेगा, नुकसान की भरपाई का भी किया वादा

एजेंसियां। मॉस्को

अमेरिकी टैरिफ के दबाव के बावजूद भारत के रूस के साथ तेल व्यापार जारी रखने के फैसले का रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जोरदार समर्थन किया है. पुतिन ने भारतीय पीएम मोदी की तारीफ की और जमकर अमेरिका पर निशाना साधा. पुतिन ने कहा कि भारत ऐसे दबावों के आगे कभी नहीं झुकेगा और न ही किसी के सामने खुद को अपमानित होने देगा. पुतिन ने दोनों देशों के बीच के मजबूत रिश्तों की सराहना करते हुए अपने दोस्त, पीएम मोदी को संतुलित और बुद्धिमान नेता बताया. साथ ही पुतिन ने यह भी दावा किया कि रूस भारत को इस फैसले से होने वाले नुकसान से उभरने में मदद करेगा. पुतिन दिसंबर की शुरुआत में भारत आने वाले हैं और उन्होंने कहा कि वह इस यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि वह अपने खास दोस्त और रूस के भरोसेमंद साथी, पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं. रूस से कच्चे तेल का आयात बंद करने को लेकर अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बना रहा है.

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी

49 बड़े इनामी नक्सलियों समेत 103 ने किया सरेंडर

एजेंसियां। बीजापुर

छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है. बीजापुर जिले में 103 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सरेंडर किया है. पुलिस के मुताबिक, इनमें 49 इनामी नक्सली शामिल हैं, जिन पर कुल 1.06 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था. बता दें कि इससे पहले, कांकेर में सुरक्षा बलों के साथ हुई एक मुठभेड़ में 14 लाख रुपये के इनामी तीन नक्सली मारे गए. यह मुठभेड़ कांकेर और गरियाबंद जिलों की सीमा पर छिंदखड़क गांव के पास एक पर्वतीय वन क्षेत्र में हुई. कांकेर के एसपी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम में कांकेर और गरियाबंद जिले की पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड और सीमा सुरक्षा बल के जवान शामिल थे. मुठभेड़ स्थल से एक महिला नक्सली समेत तीन नक्सलियों के शव बरामद किए गए. इसके अतिरिक्त, सुरक्षा बलों ने एक सेल्फ-लोडिंग राइफल, एक .303 राइफल, 12 बोर की एक बंदूक और अन्य नक्सली सामग्री भी बरामद की.

इधर, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की पाकिस्तान को खुली चेतावनी

नक्शे से मिटा देंगे, किसी कीमत पर छोड़ेगे नहीं

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को श्री गंगानगर के घडसाना के गांव 22 एमडी में सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने आर्मी और बीएसएफ के अधिकारियों से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ भारत की तैयारियों का जायजा लिया. भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि अगर वह आतंकवाद को समर्थन करना बंद नहीं करता है तो वो नक्शे से भी मिट सकता है. उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय सेना पहले जैसा संयम नहीं दिखाएगी. अगर पाकिस्तान आतंकवाद फैलाना बंद नहीं करता है तो 'ऑपरेशन सिंदूर' का दूसरा चरण जल्द शुरू किया जा सकता है.

9 आतंकी ठिकानों को किया गया नष्ट : जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के

दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया था. इस ऑपरेशन में करीब 100 पाकिस्तान सेना के जवान और कई आतंकियों को ढेर किया गया था. उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय सेना के जवानों और स्थानीय लोगों को जाता है. इस ऑपरेशन का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखा था और इसे महिलाओं को समर्पित किया गया था. अनूपगढ़ में एक सेना चौकी का दौरा करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, इस बार हम वही संयम नहीं दिखाएंगे जो हमने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में दिखाया था. हम ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़े कि क्या वह अपनी जगह बनाए रखना चाहता है या नहीं. अगर वह अपनी जगह बनाए रखना चाहता है तो राज्य-प्रायोजित आतंकवाद बंद करना होगा.

जल्द मिलेगा मौका : कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन अधिकारियों को विशेष सम्मानित किया गया. बीएसएफ की 140वीं बटालियन के कमांडेंट प्रभाकर सिंह, राजपूताना राइफल्स के मेजर रितेश कुमार और हवलदार मोहित गैरा को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया. जनरल द्विवेदी ने सैनिकों से कहा कि वे पूरी तैयारी रखें और अगर भगवान ने चाहा तो उन्हें जल्द ही ऑपरेशन में भाग लेने का मौका मिलेगा.

झारखंड : चुनाव आयोग ने चलाया कानून का डंडा

सात पंजीकृत दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया

शुभम संदेश। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने चुनाव आयोग द्वारा नामित 7 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है. जिसमें, झारखंड क्रांतिकारी पार्टी, झारखंड पार्टी(से.), लोक जन विकास मोर्चा, राष्ट्रीय देशज पार्टी एवं राष्ट्रीय संगाइल पार्टी, झारखंड पीपुल्स पार्टी एवं राष्ट्रीय जनक्रांति मोर्चा को नोटिस से सूचित किया गया कि उक्त दल अपने अस्तित्व एवं कामकाज के संबंध में ससमय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष शपथ पत्र एवं साक्ष्यों के साथ अपना पक्ष रखें. ससमय पक्ष अप्राप्त रहने की स्थिति में यह समझा जाएगा कि पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो चुका है एवं इस आशय की सूचना भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को भेज दी जाएगी. चुनाव आयोग द्वारा नामित इन 7 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों ने वित्त 03 वित्तीय वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24) का वार्षिक अंकेक्षित खाता संबंधी विवरणी इनके निर्धारित समयावधि में आयोग को समर्पित नहीं किया है.

न्याय की मांग : सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं गीतांजलि, कहा

मेरे पति की गिरफ्तारी अवैध, तत्काल रिहा किया जाए

- आंगमो ने आरोप लगाया कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की प्रति नहीं मिली है.

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो ने लद्दाख प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत की गई उनके पति की गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. 24 सितंबर को लद्दाख में हुई हिंसक झड़पों के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था. जिसके बाद से वह राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं. वांगचुक को लद्दाख में प्रदर्शनों के दो दिन बाद 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया था. लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर उस केंद्र शासित प्रदेश में हुए विरोध प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे. गीतांजलि आंगमो ने दो अक्तूबर को शीर्ष अदालत में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत अपनी याचिका दायर की है. आंगमो ने सोनम वांगचुक के खिलाफ एनएसए कानून के तहत कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं. लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प के बाद लेह में भड़की हिंसा के कुछ दिनों बाद सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था.

आंगमो ने वकील सर्वम रीतम खरे के माध्यम से दायर अपनी याचिका में वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई का अनुरोध किया है.

याचिका में वांगचुक पर रासुका लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाए गए हैं. आंगमो ने आरोप लगाया कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की प्रति नहीं मिली है, जो नियमों का उल्लंघन है. इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उनका अभी तक वांगचुक से कोई संपर्क नहीं हो पाया है.

गीतांजलि ने साजिश के लगाए थे आरोप : इससे पहले गीतांजलि जे. आंगमो ने लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के बयानों को झूठा और गढ़ी गई कहानी बताते हुए कहा था कि यह एक सोची-समझी साजिश है, जिसके जरिए किसी को फंसाकर मनमर्जी करने की कोशिश हो रही है. गीतांजलि ने कहा था, हम डीजीपी के बयान की कड़ी निंदा करते हैं. सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि पूरा लद्दाख इन आरोपों को खारिज करता है. ये एक बनावटी कहानी है, ताकि किसी को बलि का बकरा बनाया जा सके और वे जो चाहें वो कर सकें. उन्होंने सवाल उठाया था कि सीआरपीएफ को गोली चलाने का आदेश किसने दिया? अपने ही नागरिकों पर गोली कौन चलाता है? खासकर वहां, जहां कभी हिंसक प्रदर्शन नहीं हुए. गीतांजलि का कहना था कि सोनम वांगचुक का इस पूरी घटना से कोई लेना-देना नहीं था. वे तो उस समय किसी और जगह शांतिपूर्वक भूख हड़ताल पर बैठे थे. वे वहां मौजूद ही नहीं थे, तो वे किसी को कैसे उकसा सकते हैं?

लेह में अचानक ये हिंसा क्यों भड़की : अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू कश्मीर राज्य का पुनर्गठन किया गया. जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बांटा गया. इसमें जम्मू-कश्मीर को विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया. वहीं, लद्दाख को बिना विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया. इस बदलाव के तहत जम्मू कश्मीर में पिछले साल नई विधानसभा का भी गठन हो गया. वहीं, दूसरी ओर राज्य पुनर्गठन के साथ ही लद्दाख में इस केंद्र शासित प्रदेश को छठी अनुसूची में शामिल करने और इसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग उठने लगी. इसे लेकर अलग-अलग समय पर प्रदर्शन हुए. इन्हीं मांगों को लेकर चल रहे ताजा प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी.

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा

2029 तक देश की हर पंचायत में सहकारी समिति बनेगी

एजेंसियां। रोहतक

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को हरियाणा के रोहतक में साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन करते हुए कहा कि सहकारिता आंदोलन किसानों और ग्रामीण भारत के लिए नई क्रांति है. उन्होंने घोषणा की कि 2029 तक देश की हर पंचायत में सहकारी समिति का गठन किया जाएगा. शाह ने सहकारिता को आर्थिक व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बताया. अमित शाह ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में डेयरी सेक्टर में हुए बदलावों से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है. सहकारी समितियों की वजह से अब किसान सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ पा रहे हैं और उनका मुनाफा बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में यह मॉडल आने वाले समय में ग्रामीण विकास का आधार बनेगा. केंद्रीय गृहमंत्री ने सहकारिता आंदोलन को जनभागीदारी का सबसे सफल मॉडल बताया और उन्होंने कहा कि जब किसान, मजदूर और महिलाएं मिलकर समितियां चलाते हैं, तो उसका असर समाज की समृद्धि पर साफ दिखाई देता है.

एनआईए के गवाह और मोनिका इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर सुरेश यादव ने रामगढ़ उपायुक्त को लिखा पत्र, विधायक की शिकायत की

मांडू विधायक अपने लोगों के साथ हत्या की साजिश रच रहे, मेरी जान को खतरा, जान-माल की सुरक्षा की जाए

शुभम संदेश। रांची/रामगढ़

एनआईए के गवाह सुरेश यादव का आरोप

- एसडीओ कार्यालय में हो रही बैठक में सभी के सामने ही गाली-गलौज की, बर्बाद कर देने की धमकी दी, विधायक पर लगे आरोपों की जांत कर चित कार्रवाई की जाए.

एनआईए के गवाह और मोनिका इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर सुरेश यादव ने मांडू के विधायक पर दबंगई करते हुए गाली-गलौज करने और धमकी देने का आरोप लगाया लगाते हुए रामगढ़ के उपायुक्त ज्ञापन सौंपा है. सौंपे गए ज्ञापन में मांडू विधायक निर्मल महतो की कारगुजारियों की जांच करा कर उचित कार्रवाई की मांग की गयी है. ज्ञापन में बताया गया है कि अंचल अधिकारी मांडू द्वारा निर्गत पत्र के अनुसार अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में शुक्रवार को 11: 30 बजे बैठक प्रारंभ की गयी. लेकिन बैठक में विधायक ने दबंगई दिखाई और अधिकारियों के सामने ही गाली गलौज करते हुए बर्बाद कर देने की धमकी. विधायक से मेरी जान को खतरा है. अतः विधायक पर लगे आरोपी की जां. कराने के साथ ही मेरी जान-माल की रक्षा की जाए.

पत्र में सुरेश यादव ने बताया है कि बैठक में मांडू विधायक द्वारा एसडीओ कार्यालय में सभी की उपस्थिति में गाली-गलौज की गयी और धमकी दी गयी. यादव ने कहा कि हमारे करोड़ों रुपए सीसीएल सारूबेड़ा के वेस्ट ओसीबी, प्रपोज्ड पैच 03 में केडी करमुर द्वारा लगवाया गया है. हमारी कंपनी को केडी करमुर /कृष्णा इंफ्रास्ट्रक्चर (संचालक/पार्टनर है) द्वारा वर्क आर्डर दिया गया है. हमसे वर्क आर्डर के एवज में केडी करमुर /कृष्णा इंफ्रास्ट्रक्चर ने पैसे लिया था. सीसीएल के साथ कृष्णा इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा टेंडर का जो एग्रीमेंट किया गया, उसकी कॉपी हमें देने को कहा गया और नहीं दिया गया, बाकी-बकायों की जानकारी मांगी गयी, तो हमारे बिल का पैसा रखकर वर्क ऑर्डर दूसरे को दे दिया और अथोराइजेशन भी बदल दिया गया.

केडी करमुर द्वारा करोड़ों की ठगी, धोखाधड़ी और जालसाजी को सुनियोजित रूप से साजिश रचकर की गयी है. उनकी/ केडी करमुर द्वारा की उपस्थिति शुक्रवार की मीटिंग में अनिवार्य थी, लेकिन केडी करमुर अनुपस्थित रहे, जबकि उन्हें अंचल कार्यालय द्वारा निर्गत पत्र मिल चुका था. वीडियो कॉल में भी उपस्थित प्रतिनिधि अनिल कटारमल एसडीओ से उनकी बात नही करा पाये. पत्र में लिखा है कि कि केडी करमुर द्वारा बहुत बड़ा ठग और जालसाज किस्म का व्यक्ति है.

यादव ने शिकायती पत्र में कहा है कि मांडू विधायक उन्हें जहां भी देखते है,गाली-गलौज कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं. साथ ही जान मारने की धमकी देने के साथ ही साथ हत्या करने/कराने की

पहले भी जानलेवा हमले की कोशिश की गयी थी

की पत्र में सुरेश यादव ने लिखा है कि 29 .09 .25 को भी हम पर मांडू विधायक द्वारा एक्सकेवेटर मशीन चढ़ाने का प्रयास किया गया था . हमारे साथ अपने गुर्गों और अंगरक्षकों के साथ मिलकर हत्या करने के उद्देश्य से ठेल-धकेल किया गया, भीड़ को उकसाया गया था और हमारे कार्य पर हमला बोला गया और हमारे द्वारा लागत के करोड़ों के बिल का पैसा को केडी करमुर के साथ मिलीभगत करके हड़पने के उद्देश्य से हमे रास्ते से हटाने के लिये स्थानीय मांडू विधायक लगे हुए हैं .

कोशिश के साथ ही साथ हमारे काम को छीनने और करड़ों रुपये हड़पने के लिये हमारे काम पर कब्जा करने में लगे हैं. शुक्रवार की बैठक में अनिवार्य रूप से केडी करमुर की उपस्थिति के लिये हमलोग पिछली बैठकों (20.09.25 और 29.09.25) को अनुरोध कर चुके थे. लेकिन शुक्रवार की बैठक में भी केडी करमुर को स्थानीय विधायक ने बैठक में नहीं आने दिया, जबकि पूरा मामला और विवाद केडी करमुर से जुड़ा हुआ है. दोनों मिलकर व उदित नारायण हमारी हत्या की साजिश रचने में लगे हुए हैं. हम अपनी जान-माल का सुरक्षा चाहते हैं. बैठक में विधायक के बर्ताव से हम बहुत भयभीत हैं. हम अपने कार्य के लिए सारूबेडा सीसीएल आते-जाते हैं. उस कार्य मे स्थानीय मांडू विधायक नजर रखते हैं और उक्त कार्य को दिन -प्रतिदिन विवादित और खतरनाक रूप से गंभीर बनाने में केडी करमुर, मांडू विधायक और उदित नारायण लगे हुए हैं.

यादव ने शिका.यत पत्र में लिका है कि हमारे द्वारा किये गये कार्य का बिल का भुगतान रोक कर और भी बाकी बकायों को हड़पने की साजिश हो रही है. हमें कार्य को आगे सुचारू रूप से करने के लिए रोका गया. पैसा का भुगतान कराने से हम कर्जदारों आदि को (गाड़ी- मशीन का बाकी बकाया) भुगतान कर काम शुरू कर लेंगे. इसलिए आग्रह है कि मांडू विधायक पर कानूनी करवाई कराने की कृपा करें. यादव ने बताया कि हमने थाने में भी लिखित शिकायत की है.

यदाव ने रामगढ़ उपायुक्त से अनुरोध किया है कि केडी कुरमुर द्वारा विवादों में फंसाये गये मामले का निष्पादन जिला प्रशासन संज्ञान में लेकर कराने की कृपा करे. साथ ही मामले में विधायक का हस्तक्षेप बंद कराने की कृपा करें. विधायक द्वारा की जा रही हत्या की साजिश के मामले सहित पूरे मामले की जांच करा कर प्रशासनिक रूप से करवाई करने/कराने की कृपा की जाए.

संविधान में हर समस्या का है समाधान भाईचारगी बनाएं रखें झारखंडवासी : बेसरा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड आंदोलनकारी नेता सह पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा ने कहा कि संविधान में हर समस्या का समाधान है. इसलिए झारखंडवासियों से विनती करता हूं कि स ाम ाजिक समरसता और भाईचारा बनाए रखें. और यही झारखंड की असली पहचान है जो सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारा और झारखंडी एकता में निहित है. उन्होंने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि झारखंड में हिन्दू, मुस्लिम, सरना, सिख और ईसाई सभी भाई-भाई हैं. उसी प्रकार आदिवासी और मूलवासी की एकता ही झारखंडी अस्मिता की प्रतीक है. अखंड झारखंड का संबंध सर्वधर्म समभाव से है, जो संविधान के अनुच्छेद 25 में निहित है. अधिकांश आदिवासी सरना धर्म के अनुयायी और प्रकृति पूजक हैं. हम वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को मानने वाले हैं. बेसरा ने कहा कि भाषा, संस्कृति और सामाजिक परंपरा के आधार पर ही हमारी जातीय पहचान झारखंडी है, जबकि खतियान के आधार पर मूलवासी की पहचान तय होती है. उन्होंने कहा कि हमारी एकता सदियों से कायम है और यह एकता हिमालय पर्वत की तरह अटूट है. कहा कि झारखंडियों के भाईचारे को तोड़कर आपस में लड़ाने की साजिशें हो रही हैं, जो राज्य की एकता के लिए घातक है. झारखंड बने 25 साल होने को हैं, लेकिन न राज्य की तस्वीर बदली और न यहां के लोगों की.

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने लोगों की समस्याएं सुनीं

रांची/नयी दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में शुक्रवार को देश भर से आए कार्यकर्ताओं-नागरिकों से केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुलाकात और संवाद किया. विभिन्न विषयों पर उन्होंने सुझाव और आग्रह पत्र सौंपा. भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में सुबह से लेकर शाम तक देश भर के आए कार्यकर्ताओं की समस्याओं से अवगत हुए और उनकी समस्याओं का समाधान किया. ज्ञात हो रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ हर महीने भाजपा राष्ट्र कार्यालय में लोगों की समस्याओं से अवगत होते हैं और उसे हर दूर करने का प्रयास करते हैं

झारखंड पुलिस मुख्यालय और एडीजी जैप आमने-सामने

राज्य के कई थानों में मुंशी की पदस्थापना पर हुआ विवाद

शुभम संदेश। रांची

एडीजी जैप की आपत्ति

प्रिया दुबे ने डीआईजी (कार्मिक) को पत्र लिख कर कहा है कि थानों में मुंशी का पदस्थापन जिलों के एसपी स्तर पर किया जाना तय है, लेकिन इस प्रक्रिया को दरकिनार कर मुख्यालय ने सीधे आदेश जारी कर दिया. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आईआरबी और जैप के जवान मुख्य रूप से आर्म्स ड्यूटी और नक्सल विरोधी अभियानों के लिए प्रशिक्षित होते हैं. ऐसे में उन्हें थानों में मुंशी की जिम्मेदारी देना न केवल उनके प्रशिक्षण के विपरीत है, बल्कि पुलिसिंग की प्रभावशीलता पर भी असर डालेगा.

विवाद के राजनीतिक और प्रशासनिक संकेत

यह विवाद महज आंतरिक आदेश का टकराव नहीं है, बल्कि इससे राज्य की पुलिस व्यवस्था में समन्वय की कमी भी उजागर होती है . जहां पुलिस मुख्यालय थानों में प्रशासनिक कामकाज के लिए आर्म्ड पुलिसकर्मियों की तैनाती कर रहा है, वहीं जैप एडीजी इसे अपने अधिकार क्षेत्र और नियमों का अतिक्रमण मान रही हैं.

झारखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा हाल ही में जारी आदेश ने राज्य की पुलिस व्यवस्था में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है. मुख्यालय ने 25 सितंबर को एक आदेश जारी करते हुए आईआरबी (इंडियन रिजर्व बटालियन), जैप (झारखंड आर्म्ड पुलिस) और एसआईआरबी के कुल 212 पुलिसकर्मियों की पोस्टिंग राज्य के विभिन्न थानों में मुंशी के पद पर कर दी. इस फैसले का सीधा विरोध एडीजी (जैप) प्रिया दुबे ने किया है. उन्होंने साफ लिखा है कि यह आदेश न केवल नियमों के खिलाफ है, बल्कि इसका पालन करना भी संभव नहीं है.

नियम और परंपरा का उल्लंघन : एडीजी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण और प्रतिनियुक्ति के लिए 28 जनवरी 2025 को एक बोर्ड का गठन किया गया था. इस बोर्ड की अनुशंसा का अनुमोदन एडीजी जैप के स्तर पर किया जाना आवश्यक है. मगर इस बार जारी आदेश में न तो बोर्ड की अनुशंसा ली गई और न ही एडीजी का अनुमोदन. यही कारण है कि इसे नियम विरुद्ध बताया जा रहा है. एडीजी ने यह भी जोड़ा कि पुलिस मुख्यालय ने स्वयं अपने पूर्व के आदेशों का उल्लंघन किया है. आमतौर पर अपराध नियंत्रण के लिए आर्म्ड फोर्स के जवानों को थानों में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्त किया जाता है, लेकिन उन्हें स्थायी रूप से मुंशी के पद पर तैनात करने का कोई उदाहरण पहले किसी डीजीपी ने नहीं दिया.

एडीजी का रुख : अपने पत्र में प्रिया दुबे ने लिखा कि डीजीपी कार्यालय द्वारा जारी वर्तमान आदेश पूरी तरह से अनुचित है और स्थापित परंपराओं के खिलाफ है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि ऐसे आदेश का पालन करना संभव नहीं है. यदि मुख्यालय अपने निर्णय पर अड़ा रहता है, तो इससे पुलिसिंग की कार्यप्रणाली और अनुशासन दोनों प्रभावित होंगे.

पहले भी हुए विवादित आदेश : गौरतलब है कि इससे पहले भी पुलिस मुख्यालय ने 3 जुलाई और 23 जुलाई 2025 को सीआईडी डीजी स्तर से 89 महिला पुलिसकर्मियों की पोस्टिंग महिला थानों में की थी. इस प्रक्रिया में भी एडीजी जैप को कोई सूचना नहीं दी गई थी. लगातार हो रही ऐसी नियुक्तियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं.

आगे की स्थिति : फिलहाल, एडीजी जैप ने स्पष्ट कर दिया है कि आदेश का अनुपालन संभव नहीं है. अब देखना यह होगा कि डीजीपी कार्यालय इस विवाद को सुलझाने के लिए क्या कदम उठाता है. यदि आदेश वापस नहीं लिया गया, तो राज्य पुलिस के भीतर एक और बड़ा टकराव सामने आ सकता है.

एक नजर

राज्यपाल संतोष गंगवार को आईएचएम रांची ने भेंट की 'सेवोरिंग झारखंड' कॉफी टेबल बुक

रांची। होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) रांची के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने शेफ रजनीश सिंह व प्रवीण रमण के साथ राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की. इस अवसर पर डॉ. कुमार ने संस्थान द्वारा संकलित व प्रकाशित कॉफी टेबल बुक "सेवोरिंग झारखंडः ए कलिनरी जर्नी ऑफ इंडिजेनस फ्लेवर्स" राज्यपाल को भेंट की. यह पुस्तक झारखंड की समृद्ध पाक विरासत का शानदार संकलन है, जिसमें आदिवासी एवं पारंपरिक व्यंजनों के साथ राज्य की संस्कृति, खानपान, प्राकृतिक संपदा और जीवनशैली का सुंदर मेल प्रस्तुत किया गया है. इस पहल का उद्देश्य झारखंड की विशिष्ट पाक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना है. प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने राज्यपाल को बताया कि आईएचएम रांची आतिथ्य शिक्षा और होटल प्रबंधन क्षेत्र में छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण और 100% रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है, जिससे पर्यटन व होटल उद्योग को नई गति मिल रही है. राज्यपाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि "सेवोरिंग झारखंड" जैसी रचनाएं न केवल राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होंगी.

राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी और विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह सीएम हेमंत सोरेन से मिले

रांची। नवनियुक्त राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी और विकास आयुक्त सह अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अजय कुमार सिंह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात की. मालूम हो कि पिछले दिनों अलका तिवारी को राज्य सरकार ने राज्य निर्वाचन आयुक्त और अजय कुमार सिंह को विकास आयुक्त की नयी जिम्मेदारी सौंपी थी. इस नयी जिम्मेवारी के दोनों आलाधिकारी मुख्यमंत्री से मिल कर आभार प्रकट किया.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विशेष शाखा के हवलदार दिलीप तिर्की को सेवानिवृत्ति पर किया सम्मानित

रांची। कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में विशेष शाखा के हवलदार दिलीप तिर्की की सेवानिवृत्ति के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें सम्मानित किया. मुख्यमंत्री ने तिर्की को पुष्प गुच्छ, शॉल एवं छाता भेंट कर उनके समर्पण और निष्ठा से किए गए लंबे सेवाकाल की सराहना की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हवलदार दिलीप तिर्की का कार्यकाल अनुकरणीय रहा है. उन्होंने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से राज्य की सेवा की है. ऐसे कर्मठ और समर्पित कर्मियों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा. दिलीप तिर्की 30 सितंबर 2025 को सेवानिवृत्त हुए. लगभग 40 वर्षों की सेवा अवधि में उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और ईमानदारी से विभाग व राज्य की सेवा की.

नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज

पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी नगर विकास विभाग को सौंपी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट

रांची। राज्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पूर्व मुख्य सचिव अलका तिवारी की नियुक्ति के साथ ही पिछड़ा वर्ग आयोग ने नगर विकास एवं आवास विभाग को ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया से संबंधित अद्यतन रिपोर्ट सौंप दी है. आयोग ने संत जेवियर्स कॉलेज की टीम द्वारा तैयार रिपोर्ट की समीक्षा के बाद यह रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें बीसी-1 और बीसी-2 की कुल आबादी लगभग 48% बताई गई है. एसटी और एससी वर्गों को लेकर आयोग ने निर्णय का अधिकार सरकार पर छोड़ दिया है. साथ ही, रिपोर्ट में पहले की कुछ त्रुटियों को भी दुरुस्त किया गया है. इसकी पुष्टि आयोग के सदस्य नंद किशोर मेहता ने की है. इस घटनाक्रम के साथ ही राज्य सरकार ने नगर निकाय चुनावों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम और आगे बढ़ाया है.उल्लेखनीय है कि 14 अक्तूबर को झारखंड हाईकोर्ट में नगर निकाय चुनाव को लेकर दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई होनी है.

वरिष्ठ पत्रकार आनंद सिंह की पुस्तक 'समय के साथ' का लोकार्पण

कोई भी अखबार निरपेक्ष होकर कहीं विकास की दिशा तय नहीं कर सकता : सरयू राय

शुभम संदेश। जमशेदपुर/रांची

जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय, वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्रा, ब्रज भूषण सिंह, जय प्रकाश राय, राजेंद्र विद्यालय के उपाध्यक्ष एसकेसिंह और जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने वरिष्ठ पत्रकार आनंद सिंह की पुस्तक 'समय के साथ' का शुक्रवार को लोकार्पण किया. मौके पर हिंदी पत्रकारिता में विकासपरक रिपोर्टिंग का स्थान विषय पर संगोष्ठी भी आयोजित की गई. संगोष्ठी में विधायक सरयू राय ने कहा कि 12 या 14 पन्नों के अखबारों में कोई न कोई पन्ना ऐसा होता है, जिसमें विकासपरक खबरें होती हैं. समस्या और समाधान से संबंधित खबरों को भी उन्होंने विकासपरक रिपोर्टिंग का ही हिस्सा माना और बताया कि अगर हमें सूचना न मिले तो समस्या का समाधान कैसे हो, विकास कैसे हो. राय ने कहा कि अखबार में हर पाठक वर्ग के लिए कुछ न कुछ होता है. अखबार या पत्रिका के हर पन्ने में विकासपरक रिपोर्टिंग खोजना ठीक नहीं. लेकिन, आप जब अखबार को गौर से पढ़ेंगे तो आपको विकासपरक रिपोर्टिंग दिख जाएगी.

सरयू राय ने कहा कि पहले के दौर की चीजें अलग थीं. अब के दौर की चीजें अलग हैं. पहले समाचार संकलन का तरीका अलग था, पाठकों का खबरों को लेकर टेस्ट अलग था, तकनीकी अलग थी. अब सारी चीजें बदल गई हैं. जाहिर है, जब चीजें बदली हैं, तो इसका असर विकासपरक रिपोर्टिंग पर भी पड़ा है. पहले की तुलना में यह ज्यादा निखर कर सामने आई है. उन्होंने कहा कि कोई भी अखबार निरपेक्ष होकर कहीं की भी विकास की दिशा तय नहीं कर सकता. हां, अखबार विकास की दिशा की समीक्षा कर सकता है, मीमांसा कर सकता है. मौके पर संजय मिश्रा, ब्रज भूषण सिंह, जय प्रकाश राय जनता दूल (यूनाइटेड) के पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने आनंद सिंह को उनकी नई पुस्तक के लिए बधाई दी.

पदों के ओवरलोड से दबे बाबूलाल!

प्रदेश अध्यक्ष पद से चाहते हैं छुटकारा?

शुभम संदेश। रांची

झारखंड बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष, बीजेपी विधायक दल के नेता, और झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पदों के ओवरलोड से दबे हुए हैं. वे इस ओवरलोड से जल्द से जल्द छुटकारा चाहते हैं. यह बात उन्होंने खुद कही है. राज्यसभा सांसद और बीजेपी के प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू को झारखंड बीजेपी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए बाबूलाल मरांडी कहा कि आज झारखंड बीजेपी को कार्यकारी अध्यक्ष मिला है. जल्द ही पूर्णकालिक अध्यक्ष भी मिलेगा. क्या उनके पास पदों का ज्यादा लोड है. इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जाहिर है विधायक दल के नेता का दायित्व अपने आप में बड़ी जिम्मेदारी है.

17 फरवरी 2020 को बाबूलाल मरांडी ने 14 साल बाद घर वापसी की थी. इसी दिन उन्होंने रांची में अपनी पार्टी जेवीएम का बीजेपी में विलय कर दिया था. बीजेपी में शामिल होने के बाद उन्हें विधायक दल का नेता बनाया गया था. विधानसभा में भी बीजेपी ने उन्हें नेता प्रतिपक्ष के रूप में नामित किया था, लेकिन दलबदल कानून का हवाला देते हुए विधानसभा ने उन्हें नेता प्रतिपक्ष की मान्यता नहीं दी. इसी बीच झारखंड में होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव से पहले 4 जुलाई 2023 उन्हें बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया. बाबूलाल के नेतृत्व में बीजेपी ने 2024 में लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ा. विधानसभा चुनाव में बीजेपी हार गई. मरांडी नेता विधायक दल के नेता और फिर नेता प्रतिपक्ष बने. इस दौरान उनके पास प्रदेश अध्यक्ष का भी पद रहा.

बाबूलाल मरांडी के पास 2023 से प्रदेश अध्यक्ष का पद तो था ही, लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद मार्च 2025 में उनके पास तीन-तीन पद हो गये. तीनों ही पद बड़ी जिम्मेदारियों वाला है. बाबूलाल खुद चाहते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष वाला पद उनसे वापस ले लिया जाए.

झारखंड चैंबर के पदाधिकारियों ने उपायुक्त से की शिष्टाचार भेंट

पंडरा बाजार की जगह किसी वैकल्पिक स्थल को मतगणना केंद्र बनाने का आग्रह

शुभम संदेश। रांची

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शुक्रवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से शिष्टाचार भेंट की. उपायुक्त ने चैंबर के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया. मुलाकात के दौरान चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने आम चुनाव के दौरान पंडरा बाजार को मतगणना केंद्र बनाए जाने से व्यापारियों को होनेवाली कठिनाइयों की ओर ध्यान आकर्षित कराया. उन्होंने उच्च न्यायालय के निर्देशों के आलोक में पंडरा बाजार के स्थान पर किसी वैकल्पिक स्थल को मतगणना केंद्र बनाने का आग्रह किया, जिसपर उपायुक्त ने उचित पहल का भरोसा दिलाया. वार्ता के दौरान उपायुक्त ने व्यापार जगत से किसी भी परिस्थिति में बंदी का सहारा न लेने की अपील की. इस पर प्रतिनिधिमंडल ने आश्वस्त किया कि व्यापारी वर्ग कभी भी बंदी का समर्थक नहीं रहा है और इसे केवल अंतिम विवशता की स्थिति में ही अपनाना पड़ता है. फरवरी माह में प्रस्तावित इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर के आयोजन के लिए मोरहाबादी मैदान उपलब्ध कराने के चैंबर के आग्रह पर उपायुक्त ने इस पर भी सकारात्मक आश्वासन दिया. प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार और कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल शामिल थे.

मेक इन इंडिया की बड़ी छलांग

2025 तक बनेगी भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप : बाबूलाल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने 'मेक इन इंडिया' और स्वदेशी अभियान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर चिप्स आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी हैं. मोबाइल, लैपटॉप, कार, रॉकेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. मरांडी ने अपने ट्वीट में 2024 के वैश्विक आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस समय दुनिया की 21% सेमीकंडक्टर फैक्ट्रियां चीन में हैं और अनुमान है कि यह आंकड़ा 2030 तक 30% तक पहुंच सकता है. हालांकि, वैश्विक मांग में चीन की हिस्सेदारी केवल 5% है. इसका अर्थ है कि चीन आवश्यकता से अधिक उत्पादन कर, पूरी दुनिया को अपने उत्पादन पर निर्भर बना रहा है.

इस चुनौती के उत्तर में भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है. बाबूलाल मरांडी ने बताया कि गुजरात में स्थापित की जा रही टाटा-पीएसएमसी सेमीकंडक्टर फैक्ट्री 2025 के अंत तक भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप तैयार करेगी. यह परियोजना 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के अंतर्गत संचालित हो रही है, जिसमें केंद्र सरकार 50% तक वित्तीय सहयोग प्रदान कर रही है. साथ ही, गुजरात सरकार भी राज्य को सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित कर रही है.

मरांडी ने कहा कि सरकार और उद्योग जगत का यह सम्मिलित प्रयास भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है. यह न केवल विदेशी आयात पर निर्भरता घटाएगा, बल्कि भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में एक अहम भागीदारीबनाएगा.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शनिवार 04 अक्टूबर 2025 । आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 । रांची एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3, अंक : 175 । मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ढाक-ढोल की थाप से गूंजा धनबाद, सिंदूर खेला व प्रतिमा विसर्जन के साथ मां दुर्गा को दी गई विदाई

शुभम संदेश। रांची/धनबाद

विजयादशमी के अवसर पर शहर के विभिन्न पूजा पंडालों और मंदिरों में पारंपरिक सिंदूर खेला का आयोजन भक्तिभाव और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ. इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर शामिल हुईं. अनुष्ठान की शुरुआत मां दुर्गा की प्रतिमा को सिंदूर अर्पित कर की गई. इसके पश्चात विवाहित महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सौहार्द और खुशियों का आदान-प्रदान किया. मान्यता है कि इस परंपरा का पालन करने से परिवार में सुख-शांति, सौभाग्य और समृद्धि आती है. महिलाओं ने मां दुर्गा से अपने पति की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली की भी प्रार्थना की. पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर ढाक-ढोल की थाप और 'जय मां दुर्गा' के जयकारों से गूंजता रहा.

शहर के हीरापुर हरि मंदिर, दुर्गा मंदिर, नेपाली काली मंदिर, सरायढेला दुर्गा मंडप, बंगाली वेलफेयर सोसायटी (पार्क मार्केट), बंगाली कल्याण समिति (जिला परिषद परिसर), झरिया आमलापाड़ा समेत अनेक पूजा मंडपों में सुहागिन महिलाओं ने इस परंपरा को निभाया और एक-दूसरे को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं. सिंदूर खेला के बाद श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे, ढाक-ढोल और बांग्ला डीजे की थाप पर थिरकते हुए स्थानीय तालाबों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया. इस भावुक क्षण में श्रद्धालुओं ने ₹आस्छे बोछोर आबार होबे₹ (अगले वर्ष फिर आइए) का आह्वान करते हुए मां को विदाई दी. इस दौरान कई महिलाओं ने कहा कि सिंदूर खेला सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह सामाजिक मेलजोल और आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने का भी माध्यम है. उन्होंने कहा कि मां की विदाई भले ही भावुक करती है, लेकिन साथ ही अगले वर्ष पुनः उनके आगमन की आशा और उत्साह भी मन में जगाती है.

सिंदूर खेला और जयघोष के बीच हुआ मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन

शुभम संदेश। रांची/ जमशेदपुर

विजयदशमी के अगले दिन शुक्रवार को भी जिले में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रतिमा को नम आंखों से भक्ति के साथ विदा किया. महिलाओं ने पारंपरिक सिंदूर खेला का आयोजन कर मां से अगले वर्ष पुनः आगमन की प्रार्थना की. ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और जयकारों के बीच मां की प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया गया. शहर में विजयदशमी के एक दिन बाद भी दुर्गा पूजा की भक्ति और भावनाओं की लहर देखने को मिली. अनेक पूजा आयोजकों ने शुक्रवार को मां दुर्गा का विभिन्न नदी और तालाब में विसर्जित किया.

गुरुवार को आशियाना अनंतारा सोसाइटी के सदस्यों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा का डीमना लेक में विसर्जन किया. विसर्जन से पहले महिलाओं ने सिंदूर खेला कार्यक्रम में भाग लेते हुए एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सुख, सौभाग्य और परिवार की समृद्धि की कामना की. इसके बाद सभी श्रद्धालु 'अगले बरस तू जल्दी आ' के उद्घोष के साथ मां की प्रतिमा को सोसाइटी से डिमना झील तक ले गए. ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच जब मां की प्रतिमा विसर्जन स्थल पहुंची, तो वातावरण भक्ति और भावनाओं से भर गया. विसर्जन के दौरान कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं. मां की विदाई के बाद सोसाइटी परिसर में सभी ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया और अगले वर्ष पुनः मां के आगमन की आशा जताई.

आयोजन समिति के अध्यक्ष विकास सिंह ने बताया कि गुरुवार को मां और बेटी की विदाई करना शुभ नहीं माना जाता, इसलिए परंपरा के अनुसार शुक्रवार को विसर्जन किया गया. उन्होंने कहा कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से हर वर्ष यह आयोजन अधिक भव्य होता जा रहा है. विसर्जन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे जिनमें निशा सिंह, सुनंदा कुमार, पुनम सिंह, रेनू सिंह, प्रतिभा मिश्रा, पूजा सिंह, दीपा सिंह, चंचल कुमारी, सीमा प्रसाद, मोटीसी पॉल, अंजू गुप्ता, शोभा राय, सोना सिंह, गायत्री महतो सहित सैकड़ों लोग शामिल थे.

मॉर्निंग वॉक के दौरान नकाबपोश अपराधियों ने खिलाड़ी से छीनी चेन

जमशेदपुर। सोनारी क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान अपराधियों ने एक फुटबॉल खिलाड़ी को निशाना बनाया. दो नकाबपोश बाइक सवार युवकों ने पिस्टल की नोक पर उन्हें डरा-धमकाकर सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. पीड़ित खिलाड़ी रामदेव सिंह ने पुलिस को बताया कि रोजाना की तरह सुबह टहलने के लिए सोनारी लिंक रोड पर निकले थे. सुबह करीब 6 बजे बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे और पिस्टल दिखाकर धमकाया. अपराधियों ने उनके गले से सोने की चेन उतरवा कर ले लिया और भाग गये. प्रत्यक्षदर्शी एसएल दास ने बताया कि अपराधियों ने बेहद तेजी से वारदात को अंजाम दिया और चेन लेकर फरार हो गए. वे लोग भी लूट की घटना को समझ नहीं पाए. सूचना मिलते ही कदमा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया. पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी का दावा किया है.

आदित्य साहू बने झारखंड प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष

शुभम संदेश। रांची

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने राज्य सभा सांसद आदित्य साहू को झारखंड प्रदेश भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है. राज्यसभा आदित्य साहू को रविंद्र कुमार राय की जगह झारखंड भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है. भाजपा ने झारखंड में बड़ा संगठनात्मक बदलाव करते हुए राज्यसभा सांसद आदित्य साहू को प्रदेश भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है. प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पद पर आदित्य साहू की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है. उनकी नियुक्ति रवींद्र राय के स्थान पर की गई है. रवींद्र राय को विधानसभा चुनाव के समय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था. इस संबंध में शुक्रवार को राष्ट्रीय सचिव अरुण सिंह ने पत्र जारी कर दी है.

आदित्य साहू झारखंड विधानसभा विधानसभा चुनाव में कोल्हान प्रमंडल के प्रभारी बनाए गए थे. 2022 में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने इनको झारखंड से राज्यसभा के लिए नामित किया गया था. उसके बाद वह निर्विरोध सांसद चुने गए थे. इस नई जिम्मेदारी से पहले वे झारखंड प्रदेश भाजपा के महामंत्री के रूप में पार्टी के लिए काम कर चुके हैं. फिलहाल, कोडरमा के पूर्व सांसद डॉ. रविन्द्र कुमार रॉय झारखंड भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे. उन्हें यह जिम्मा विधानसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले दी गई थी.

रांची जिला के ओरमांझी निवासी आदित्य साहू का जीवन एक प्रोफेसर से लेकर एक सफल राजनेता तक का सफर दर्शाता है. उन्हें एक जमीनी नेता माना जाता है, जिनकी संगठन पर अच्छी पकड़ है और जो पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पित हैं. वर्तमान में वे राज्यसभा सांसद के रूप में झारखंड के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठा रहे हैं. आदित्य साहू ने वाणिज्य में मास्टर (एम.कॉम) तक की पढ़ाई की है. 2019 तक वे राम तहल चौधरी कॉलेज के प्रोफेसर थे. पिछले दो दो दशकों से वे भाजपा के सदस्य हैं. वह 2019 से राज्य भाजपा इकाई के नेता थे. 2022 में उन्हें राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुना गया.

आदित्य साहू का जन्म 1 जुलाई 1964 को झारखंड राज्य के रांची जिले के ओरमांझी के कुचू गांव में हुआ था. आदित्य साहू एक उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं. उन्होंने रांची विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई पूरी की है. राजनीति में आने से पहले वे रांची विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे.

आदित्य साहू का राजनीतिक जीवन छात्र राजनीति से शुरू हुआ. वे अपने छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक सक्रिय और प्रमुख कार्यकर्ता थे. यहीं से उन्होंने संगठन और नेतृत्व के गुण सीखे. आदित्य साहू ने लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी के संगठन के लिए काम किया. वे झारखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी रहे. इस भूमिका में उन्होंने राज्य में पार्टी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया. राजनीति में अपनी सक्रियता के दौरान, उन्हें झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था.

साल 2022 में भाजपा ने उन्हें झारखंड से राज्यसभा के लिए अपना उम्मीदवार बनाया. वे इस चुनाव में निर्विरोध चुने गए और संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) के सदस्य बने.

झारखंड : अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जिससे कई परिवारों में मातम पसर गया है. ये दुर्घटनाएं हजारीबाग, पलामू और कोडरमा जिले में हुई है.

हजारीबाग-बाइक सवार दो युवकों को वाहन ने मारी टक्कर: हजारीबाग के चरही थाना क्षेत्र स्थित चरही-घाटो रोड पर गुरुवार दोपहर एक भीषण हादसा हुआ. यहां एक वाहन ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान बहेरा के सोनरा टोला निवासी अभिषेक मुर्मू (21) और रांची निवासी उसके साले बंदी सोरेन के रूप में हुई है.

पलामू- एसयूवी से टक्कर में सरकारी कर्मचारी की मौत : पलामू जिले में हुई एक अन्य दुर्घटना में राज्य सरकार के एक कर्मचारी की जान चली गई. मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा गांव में उनकी बाइक की एक एसयूवी से आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान चैनपुर निवासी राकेश कुमार (40) के रूप में हुई है. वह चैनपुर अंचल में नाजिर थे.

दो बाइक सवारों की अलग-अलग हादसों में मौत

कोडरमा जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र में बुधवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो और बाइक सवारों की मौत हो गई. पहली दुर्घटना चंदवारा बाजार में काली मंडप के पास हुई. बाइक सवार सागर कुमार (18) अपने घर की ओर जा रहा था, तभी भारी बारिश के कारण उसने बाइक से नियंत्रण खो बैठा और फिसलकर सड़क पर गिर गया. दूसरी दुर्घटना रांची-पटना राजमार्ग पर उरवान मोड़ के पास हुई. यहां एक अन्य मोटरसाइकिल सवार दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान मदनगुंडी निवासी 45 वर्षीय वरुण पांडे के रूप में हुई है.

बक्शा नदी में बहा 30 वर्षीय युवक, तलाश जारी

चतरा। जहां एक ओर गुरुवार को पूरा देश विजयदशमी और दशहरा के उल्लास में डूबा था, वहीं चतरा के इटखोरी में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र में सनसनी और मायूसी फैला दी. इटखोरी थाना क्षेत्र की बक्शा नदी में नंगवा पुल के पास एक 30 वर्षीय युवक नदी के तेज बहाव में बह गया. लापता युवक की पहचान इटखोरी निवासी सोनू कुमार के रूप में हुई है. यह दुखद हादसा उस वक्त हुआ, जब सोनू कुमार पुल के पास बने स्पिलवे को पार करने की कोशिश कर रहे थे. इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे सीधे नदी की तेज धार में जा गिरे.घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और इटखोरी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे. पुलिस ने फौरन स्थानीय स्तर पर खोजबीन शुरू की, जिसके दौरान नदी से युवक की चप्पल बरामद हुई, लेकिन सोनू का अब तक कोई पता नहीं चल सका. लापता युवक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है, और उनके लिए दशहरा का पर्व गमगीन हो गया.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की बहु और पत्नी के साथ बदसुलूकी

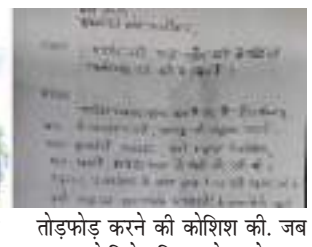

हजारीबाग। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की पुत्रवधू प्रीति किस्कू के साथ अभद्र व्यवहार व उनके चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. प्रीति किस्कू ने इस संबंध में मुफ्फसिल थाना में शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है. प्रीति ने अपने आवेदन में बताया है कि यह घटना तब हुई, जब वह अपनी ससुराल गिरिडीह से रांची लौट रही थीं. हजारीबाग के अमृत नगर के पास शाम गुरुवार शाम में अमृत नगर पूजा समिति के सदस्यों ने उनकी गाड़ी को जबरन रोक लिया. आरोप है कि समिति के सदस्यों ने उनके साथ गाली-गलौज की और गाड़ी में तोड़फोड़ करने की कोशिश की. जब चालक ने विरोध किया, तो उसके साथ मारपीट की गई, इससे वह घायल हो गया. जब प्रीति किस्कू ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उनके साथ भी बदसलूकी की गई और चालक को और अधिक पीटा गया. प्रीति ने अमृत नगर पूजा समिति के सदस्यों पर आरोप लगाते हुए पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर उचित कार्रवाई की मांग की है. इधर, मुफस्सिल थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें आवेदन मिला है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाला जाएगा और कानून तोड़ने वाले किसी भी दोषी व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी.

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

लातेहार। जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत डिग्री कॉलेज के पास एनएच 39 पर शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई. मृतक युवक की पहचान कमल कुजूर (30) के रूप में हुई है. कमल लातेहार जिले के बरवाडीह के रहने वाले थे. वह एक प्राइवेट स्कूल में पीटी टीचर के रूप में कार्यरत थे ,वहीं बरवाडीह में वह मुफ्त फिटनेस ट्रेनिंग सेंटर का संचालन भी करते थे.

बताया जाता है कि शुक्रवार को वह अपने मोटरसाइकिल से लातेहार की ओर आ रहे थे. इसी बीच डिग्री कॉलेज के निकट सामने से आ रहे पिकअप वाहन से उनके मोटरसाइकिल की सीधी टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए. स्थानीय पुलिस की मदद से उन्हें मनिका अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया. परंतु रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया.

इधर उनके निधन पर लोगों ने गहरी संवेदना प्रकट की है. बरवाडीह के सामाजिक कार्यकर्ता शशि शेखर ने बताया कि कमल कुजूर एक बेहतरीन खिलाड़ी भी थे. वह हॉकी और फुटबॉल दोनों खेलते थे. वही सेना अथवा सुरक्षा बल में बहाली की तैयारी करने वाले युवक- युवतियों को वह पूरी तरह निशुल्क प्रशिक्षण भी देते थे.

लोहरदगा में आदिवासी समाज का विरोध तेज, आक्रोश मार्च निकाल सौंपेंगे ज्ञापन

शुभम संदेश। लोहरदगा

लोहरदगा में कुड़मी, कुर्मी (महतो) समुदाय को आदिवासी सूची में शामिल किए जाने की मांग के खिलाफ लोहरदगा जिले में आदिवासी समाज का विरोध तेज़ हो गया है. इसी कड़ी में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने बैठक कर आगामी 6 अक्टूबर को आक्रोश मार्च निकालने और राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपने की रणनीति बनाई है. बैठक में शामिल आदिवासी समाज के लोगों ने स्पष्ट किया कि वे किसी भी सूरत में कुड़मी, कुर्मी (महतो) समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची में शामिल नहीं होने देंगे. उन्होंने कहा कि यह आदिवासी अस्मिता और अधिकारों के खिलाफ है और इस प्रयास का हर स्तर पर पुरजोर विरोध किया जाएगा. प्रदर्शन के तहत 6 अक्टूबर को हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग सड़कों पर उतरेंगे. शहर में आक्रोश मार्च निकाला जाएगा और उपायुक्त को राज्य सरकार के नाम एक ज्ञापन सौंपा जाएगा. आदिवासी संगठनों ने सभी समुदायजनों से बड़ी संख्या में शामिल होकर विरोध दर्ज कराने की अपील की है.

गुजरात में फंसे 13 मजदूरों की सुरक्षित वापसी

शुभम संदेश। जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड के मटिहाना पंचायत के 13 मजदूर, जो गुजरात के बेला स्थित एजिलिस विट्रिफाइड प्राइवेट लिमिटेड में काम कर रहे थे, शुक्रवार को सुरक्षित अपने घर लौट आए. उनकी सुरक्षित वापसी पूर्व विधायक एवं झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी की पहल और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के त्वरित हस्तक्षेप से संभव हो सकी.

जानकारी के अनुसार, ये मजदूर पिछले कई महीनों से गुजरात की कंपनी में कार्यरत थे, लेकिन वहां लगातार उनका उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा था. जब उन्होंने घर लौटने की इच्छा जताई तो प्रबंधन ने उन्हें रोकने का प्रयास किया. परेशान मजदूरों ने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिजनों ने कुणाल षाड़ंगी से मदद की गुहार लगाई. कुणाल षाड़ंगी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत ट्विटर के माध्यम से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अवगत कराया और मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया. मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लेते हुए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी को कार्रवाई के निर्देश दिए. इसके बाद गुजरात प्रशासन से समन्वय स्थापित कर मजदूरों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की गई. लगातार प्रयासों के बाद सभी 13 मजदूर शुक्रवार को सुरक्षित अपने घर लौट आए. उनके लौटने से परिवारों और गांव में खुशी का माहौल बन गया. मजदूरों से मुलाकात कर कुणाल षाड़ंगी ने उनकी पीड़ा सुनी और आश्वासन दिया कि वे मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाते रहेंगे. उन्होंने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है.

चाईबासा में महिला की गला रेतकर हत्या

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. दो दिन से लापता महिला का शव शुक्रवार को गांव के पास जंगल से बरामद हुआ. मृतका की पहचान किताहातु टोला लातार गांव निवासी सुखमति लोहार के रूप में की गई है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अपराधियों ने धारदार हथियार से उसका गला रेतकर हत्या की है. मिली जानकारी के अनुसार, सुखमति लोहार मंगलवार को किसी काम से घर से निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं. परिजनों ने जब उनकी खोजबीन शुरू की, तो शुक्रवार सुबह गांव के समीप जंगल में उनका शव खून से लथपथ हालत में मिला. शव देखकर ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. सूचना पाकर टोंटो थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेजा.

पूर्व सीएम रघुवर दास के भाई पर निर्दलीय प्रत्याशी के भाई से मारपीट और धमकी देने का आरोप

शुभम संदेश। जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है. गुरुवार की रात भुईयाडीह स्थित स्वर्णरेखा घाट पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के भाई मूलचंद साहू और निर्दलीय प्रत्याशी शिव शंकर सिंह के भाई राजेश सिंह उर्फ़ बम सिंह के बीच मारपीट हो गई. आरोप है कि मूलचंद साहू ने बम सिंह पर मुक्के से हमला किया और जातिसूचक एवं अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी.

घटना के बाद राजेश सिंह बम ने सीतारामडेरा थाना में मूलचंद साहू के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है. बम सिंह का कहना है कि वे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर घाट पहुंचे थे, जहां मूलचंद साहू दिखे. उन्होंने सिर्फ शिष्टाचारवश अभिवादन करने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान मूलचंद साहू ने उन पर हमला कर दिया.

बम सिंह के मुताबिक, हमले के दौरान मूलचंद साहू ने कहा कि तुम बिहारी लोग 25 साल से हमारे तलवे चाटते आए हो और आगे भी ऐसा ही करोगे. तुम्हारे भाई की हिम्मत कैसे हुई कि वह रघुवर दास और बहू पूर्णिमा साहू के खिलाफ चुनाव लड़े. उन्होंने धमकी भी दी कि आगे विरोध करने पर जान से मरवा देंगे. इस मामले में पुलिस ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है. सीतारामडेरा थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपों की जांच की जा रही है और सत्यापन के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी.

नम आंखों से दी गई मां दुर्गा को विदाई

विजयादशमी पर मोरहाबादी मैदान में पंजाबी-हिंदू बिरादरी दशहरा कमेटी और अरगोड़ा में श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति का रावण दहन कार्यक्रम

विजयादशमी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक : हेमंत

शुभम संदेश। रांची

विजयादशमी के पावन अवसर पर मोरहाबादी मैदान में पंजाबी-हिंदू बिरादरी दशहरा कमेटी एवं दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति, अरगोड़ा द्वारा भव्य दशहरा एवं रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा, विजयादशमी बुराई पर अच्छाई की, अन्याय पर न्याय की और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है. यह पर्व समाज को सही दिशा में प्रेरित करता है और हमारी संस्कृति एवं सभ्यता की पहचान है.

उन्होंने कहा कि खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि झारखंड की जनता अपनी संस्कृति और परंपरा से गहराई से जुड़ी हुई है. उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य की जनता आपसी भाईचारे और सामंजस्य के साथ झारखंड को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी. इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, विधायक सीपी सिंह, विधायक नवीन जायसवाल, राज्य सरकार के दर्जा प्राप्त मंत्री विनोद पांडे, जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, पंजाबी-हिंदू बिरादरी दशहरा कमेटी मोरहाबादी के अध्यक्ष सुधीर उग्गल, चेयरमैन कुणाल अजमानी, पूर्व अध्यक्ष राजेश खन्ना, दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति अरगोड़ा के अध्यक्ष पंकज कुमार साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे.

अग्रसेन पथ और हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में पंपाकुशी एकादशी पर भजन-कीर्तन का आयोजन

तुझको मनाएंगे भजन तेरा गाएंगे... तेरा हूं दिवाना दिलदार सांवरे...खड़ा हूं तेरी चौखट पर... शरण में ले लो अब प्यारे

शुभम संदेश। रांची

अग्रसेन पथ और हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में पंपाकुशी एकादशी पर्व श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया. ग्रसेन पथ स्थित मंदिर में प्रातः श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया गया. साथ ही मंदिर में विराजमान बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया. प्रातः 8 बजे श्रृंगार आरती के समय से ही प्रभु के दर्शन करने के लिए भक्तों की अपार भीड़ अनवरत लगी रही. लाल गुलाब, जूही, बेला, मोगरा रजनीगंधा व गेंदा के फूलों से श्री श्याम प्रभु का मनोहारी श्रृंगार किया गया.

रात्रि 9 बजे से श्याम प्रभु के जयकारों के बीच

अखंड पावन ज्योत प्रज्वलित की गई. भक्तगण मंगल दर्शन कर ज्योति आहुति प्रदान कर मनोवांछित फल मांग रहे थे. श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा गणेश वंदना के साथ संगीतमय संकीर्तन प्रारंभ किया गया. तुझको मनाएंगे भजन तेरा गाएंगे तेरा हूं दिवाना दिलदार सांवरेखड़ा हूं तेरी चौखट पर शरण में ले लो अब प्यारे किस्मत वाले को मिलता है श्याम तेरा दरबार जैसे भावपूर्ण भजनों ने पूरे वातावरण को श्याममय बना दिया.

इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल, मेवा व केसरिसा दूध व मगही पान का भोग अर्पित किया गया. रात बजे महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश सारस्वत , ओम जोशी , चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका , विवेक ढांढनीयां, बालकिशन परसरामपुरिया , नितेश केजरीवाल , जीतेश अग्रवाल , नितेश लाखोटिया , विकाश पाडिया का सहयोग रहा. शनिवार को द्वादशी के पावन अवसर पर शाम 6 बजे श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमा का भोग अर्पित किया जाएगा.

समर्पण शाखा का दीपोत्सव मेला आज से

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा का दीपोत्सव मेला शनिवार से राजधानी रांची के हरमू रोड स्थित दिगम्बर जैन भवन में लगेगा. मेले में डेकोरेटेड दिया, बंदनवार, भगवान की पोशाक, कुर्ती, बेडशीट, होम मेड आइटम सहित अन्य घरेलू उपयोगी की वस्तुओं के स्टॉल लगाए जाएंगे. मेले में शॉपिंग के अलावा फ़ूड स्टॉल और गेम्स भी रहेंगे. वहीं स्टाल की बुकिंग पूरी हो गई है. शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी रांचीवासियों से मेला घूमने और दीवाली की शॉपिंग करने का आग्रह किया है. उन्होंने बताया कि यहां एक छत के नीचे कई तरह के सामान देखने को मिलेंगे। मेले में मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता भी होगी. उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में जिन प्रतिभागियों को भाग लेना है वे संस्था की रंजू मालपानी और पुजा लाड़िया से संपर्क कर सकते हैं.

मेदिनीनगर में रावण दहनः अरूणा शंकर ने बताया समाज सुधार का संदेश

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

विजयादशमी के पावन अवसर पर स्थानीय शिवाजी मैदान में भव्य रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालु जुटे. श्री चंद्रशेखर आजाद क्लब द्वारा आयोजित इस आयोजन में मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरूणा शंकर मुख्य अतिथि थीं. इसके अलावा भाजपा महामंत्री मनोज सिंह, जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, रोटरी अध्यक्ष अनुग्रह नारायण शर्मा, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन अध्यक्ष अविनाश वर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर ने की, जबकि संचालन विजय ओझा ने किया.

प्रथम महापौर अरूणा शंकर ने अपने संबोधन में रावण दहन को केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि समाज में छुपे द्वेष, क्रोध, पाप, लालच और ईर्ष्या का नाश बताया. उन्होंने कहा कि रावण का वध हमारे अंदर के नकारात्मक भावों का अंत है, जो सामाजिक विकास के मार्ग में बाधक हैं. अरूणा शंकर ने एक मार्मिक कथा सुनाते हुए बताया कि कैसे मां सीता ने अशोक वाटिका में अपने रक्षा करने वाले भाई के प्रति विश्वास दिखाया, जो समाज में स्नेह, सुरक्षा और सम्मान का संदेश देता है.

कार्यक्रम में चंद्रशेखर आजाद क्लब के सदस्यों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. साथ ही, समाजसेवी वैद्यनाथ सिंह को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने निजी खर्च पर 34 लावारिस मृतकों का अंतिम संस्कार कराया है, जो मानवता का अनूठा उदाहरण है.

भजन गायन के दौरान उमाशंकर मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में सभी ने मिलकर रावण के पुतले को जलाकर नकारात्मकता के अंत और समाज में प्रेम, एकता तथा सद्भाव की कामना की.

इस आयोजन ने न केवल धार्मिक उत्सव का स्वरूप लिया, बल्कि सामाजिक सुधार और मानवता के संदेश को भी मजबूती प्रदान की. अरूणा शंकर के विचारों ने उपस्थित लोगों के दिलों में समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प जगा दिया. कार्यक्रम के अंत में सभी ने समाज के उत्थान और शांति की कामना करते हुए इस पर्व को यादगार बनाया.

सतबरवाः रावण दहन और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ दशहरा

सतबरवा। विजयदशमी का पर्व गुरुवार को सतबरवा क्षेत्र में हर्षोल्लास और पूर्ण शांति व्यवस्था के बीच मनाया गया. पोलपोल में आयोजित रामलीला में भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध का दर्शनीय मंचन हुआ. अंत में राम ने तीर चलाकर रावण का वध किया और पुतला जलाया गया. "जय श्रीराम" के जयकारों से वातावरण गूंज उठा. रावण दहन के बाद पोलपोल, झाबर, लहलहे, खामडीह, रजडेरवा, बारी और अन्य स्थानों से मां दुर्गा, भगवान गणेश, कार्तिक, लक्ष्मी व सरस्वती की प्रतिमाओं का भव्य जुलूस निकला. भक्ति गीतों और जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने नदी-तालाबों में विधिपूर्वक प्रतिमाओं का विसर्जन किया. सतबरवा मुख्यालय से डेढ़ दर्जन से अधिक प्रतिमाओं का जुलूस निकला. मेला टांड में जय मां काली संघ द्वारा छउ नृत्य का आयोजन हुआ, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया. रामघाट, दुलसुलमा, हलुमाड आदि स्थानों से निकले जुलूसों में युवा भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए. जुलूस विभिन्न मार्गों से होकर मेला टांड पहुंचा और मिलान के बाद क्रांति चौक, बस पड़ाव, रामघाट, ठाकुरबाड़ी, महावीर चौक होते हुए मस्जिद मुहल्ला पहुंचा. वहां आरती के बाद जुलूस संपन्न हुआ. अंत में सभी संघ एवं अखाड़ेदार नदी-तालाबों में प्रतिमा विसर्जन के लिए गए. पूरे आयोजन में पुलिस सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रही. थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने शांति पूर्ण पर्व सम्पन्न होने पर क्षेत्रवासियों को बधाई दी.

रावण दहन कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न

महुआडांड (लातेहार)। विजयदशमी के अवसर पर गुरुवार सुबह 7:30 बजे महुआडांड हिन्दू महासभा के तत्वावधान में स्थानीय बस स्टैंड पर रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पंडित सर्वेश पाठक के मंत्रोच्चारण के बीच महासभा अध्यक्ष मनोज जायसवाल, बीडीओ सह सीओ संतोष कुमार बैठा, थाना प्रभारी मनोज कुमार, महिला थाना प्रभारी सुशीला केशरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल सहित हिन्दू समुदाय के हजारों लोगों ने संयुक्त रूप से पूजन किया. तत्पश्चात अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने राकेट दाग कर रावण के पुतले का दहन किया. कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग मौजूद थे और सुरक्षा व्यवस्था महुआडांड थाना प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों द्वारा पूरी तरह मुस्तैद रखी गई. रावण दहन को सफल बनाने में हिन्दू महासभा के सदस्य और बजरंग दल के पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा. कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

एक नजर

पांडू में शांतिपूर्ण ढंग से हुआ दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन

पांडू (पलामू)। पांडू प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों की मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन मंगलवार को नम आंखों के साथ किया गया. विसर्जन जुलूस के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी रणवीर कुमार खुद मुरूमातु, कजरू कला, पांडू बाजार एवं तीसरी बार कला के पूजा पंडालों का निरीक्षण करते नजर आए. उन्होंने मुरूमातु से शुरू कर सभी पंडालों में जाकर लोगों से शांतिपूर्ण विसर्जन की अपील की. थाना प्रभारी विनोद कुमार राय ने बताया कि सभी पूजा पंडालों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी. पब्लिक का भी भरपूर सहयोग मिला, जिससे विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ.

कंडा गांधी आश्रम में मनाई गई महात्मा गांधी की जयंती, दिए गए सत्य-अहिंसा के संदेश

नावाबाजार/पलामू। प्रखंड के कंडा स्थित गांधी आश्रम में गांधी आश्रम सेवा समिति के तत्वावधान में महात्मा गांधी की 156वीं जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई. कार्यक्रम की शुरुआत गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण व प्रिय भजन "रघुपति राघव राजा राम" के संग हुई. मुख्य अतिथि नावाबाजार थाना प्रभारी संजय कुमार यादव और वरिष्ठ अतिथि मुखिया नरेंद्र सिंह उपस्थित थे. थाना प्रभारी श्री यादव ने कहा कि 2 अक्टूबर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री दोनों का जन्मदिवस है. गांधी जी के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर समाज में शांति और भाईचारा लाया जा सकता है. उन्होंने सोशल मीडिया के दौर में गांधी के विचारों को युवाओं के लिए प्रासंगिक बताया. मुखिया नरेंद्र सिंह ने गांधी जी के जीवन की सादगी, त्याग और सेवा भाव को आज के लिए अनुकरणीय बताया. पूर्व प्रमुख रविंद्र पासवान ने लोगों से गांधीजी के विचारों को अपनाने की अपील की.कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ.

महुआडांड़ में ईश्वरीय सृष्टि की जुबली मनी तुसगो पर्व धूमधाम से मनाया गया

महुआडांड़ (लातेहार)। संत जोसेफ चर्च में दो अक्टूबर को ईश्वरीय सृष्टि की जुबली और तुसगो पर्व बड़े उल्लास के साथ मनाया गया. यह पर्व नये अनाज के लिए ईश्वर को कृतज्ञता अर्पित करने का अवसर है. इस अवसर पर वाटिकन के प्रतिनिधि महाधर्माध्यक्ष लेओपोल्दो जिरेली सहित कई धर्माध्यक्ष, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे. बिशप थेओदोर मस्करेनहस ने उपदेश में तुसगो पर्व का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व समझाया. छेछाड़ी के हजारों विश्वासियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया. कार्यक्रम के सफल आयोजन में फादर सुरेश किड़ो, फादर दिलीप एक्का, कैथोलिक सभा अध्यक्ष फुलदेव खलखो और जुबली कमिटी सहित कई अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस पर्व ने विश्वास, कड़ी मेहनत और कृतज्ञता का संदेश दिया.

राज्यसभा सांसद आदित्य साहू बने प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष, अजय गुप्ता ने दी बधाई

हुसैनाबाद (पलामू)। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के राष्ट्रीय अपर महामंत्री डॉ. अजय गुप्ता ने राज्यसभा सांसद आदित्य साहू को झारखंड प्रदेश भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा समेत प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं का भी आभार व्यक्त किया. आदित्य साहू वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और भाजपा में निचले स्तर पर कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वाहन कर चुके हैं. डॉ. गुप्ता ने कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन कार्यों में तेजी आएगी. आदित्य साहू को डॉ. रविंद्र रॉय के स्थान पर यह जिम्मेदारी मिली है. इस निर्णय से भाजपा संगठन और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है. डॉ. अजय गुप्ता ने दूरभाष पर बधाई संदेश भी दिया.

बारियातू में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

बालूमाथ (लातेहार)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के दिशा-निर्देशों में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत बारियातू प्रखंड के राजगुरु, भाटचतरा समेत अन्य स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का निरीक्षण आयुष चिकित्सक सुरेंद्र कुमार ने किया. उन्होंने स्थानीय महिलाओं व बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक चिकित्सीय सलाह दी. सुरेंद्र कुमार ने चिकित्सा व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता तथा महिलाओं को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली. सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सहिया और स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत कर शिविर की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया और सुधार के सुझाव दिए. इस शिविर में महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, रक्तचाप, मधुमेह, रक्तहीनता व स्त्री रोग संबंधी परीक्षण किए गए. साथ ही पोषण, स्वच्छता और परिवार नियोजन पर भी जागरूकता बढ़ाई गई. राजगुरु और भाटचतरा की बड़ी संख्या में महिलाएं इस शिविर में शामिल हुईं और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया. यह पहल क्षेत्र में महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है.

विवाहिता ने की आत्महत्या, पांच पर नामजद प्राथमिकी

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र के अवसाने निवासी रूपा देवी (25) ने अपने ससुराल पाटन थाना क्षेत्र के किशनपुर सूठा गांव में आत्महत्या कर ली है. ससुरालवालों की प्रताड़ना से तंग आकर रूपा ने ससुराल में ही जहरीला पदार्थ खा लिया. गंभीर हालत में अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई. परिजनों ने ससुरालवालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है. रूपा को परिजनों द्वारा मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया था. हालांकि, रास्ते में तुंबागड़ा स्थित नवजीवन अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया. रूपा ने सूठा गांव निवासी सूरज कुमार चौधरी के साथ साल 2021 में लव मैरिज किया था. मृतका की मां तेतरी देवी ने पुलिस को दिए अपने फर्द बयान में आरोप लगाया है कि रूपा के ससुरालवाले छोटी-छोटी बातों पर उसे प्रताड़ित करते और मारपीट करते थे. इसी से परेशान होकर रूपा ने यह कदम उठाया है.

ब्रीफ न्यूज

सड़क हादसे में अंचल नाजिर की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र में सिंगरा खुर्द के पास एक गंभीर सड़क हादसे में चैनपुर अंचल के नाजिर राकेश कुमार की मौत हो गई. दशहरा के दिन गुरुवार को वे अपनी पत्नी के साथ बसना स्थित अपने गांव जा रहे थे, तभी नेशनल हाईवे पर एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में नाजिर और उनकी पत्नी गंभीर रूप से जख्मी हो गए. दोनों को तत्काल इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान नाजिर की मौत हो गई. उनकी पत्नी का इलाज जारी है. पुलिस ने इस घटना के बाद कार के ड्राइवर और मालिक को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच कर रही है. पुलिस ने मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है.

फर्जी पुलिस बनकर ज्वेलर्स से 5 लाख के जेवरात ठगे

हरिहरगंज/पलामू। एनएच-139 पर रक्सेल तेंदुआ गेट के पास दिनदहाड़े एक आभूषण कारोबारी से 5 लाख रुपये मूल्य के जेवरात की ठगी कर ली गई. पीड़ित अवधेश प्रसाद, अंबा बाजार (औरंगाबाद, बिहार) निवासी, ने हरिहरगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. अवधेश प्रसाद ने बताया कि वह स्कूटी से ढाब गांव आभूषण पहुंचा रहे थे, तभी बाइक सवार दो युवकों ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए स्कूटी रुकवाई और डिक्की जांचने के बहाने जेवरात से भरा थैला और एक सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गए. थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

राहगीरों से लूटपाट के पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा

- छतरपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बदमाशों पर शिकंजा

शुभम संदेश। छतरपुर/पलामू

छतरपुर थाना पुलिस ने राहगीरों से लूटपाट के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. आरोपियों में खेंद्रा गांव निवासी डब्लू साव उर्फ़ डब्लू कुमार साव, सोनवाटांड भव फैक्ट्री निवासी सुशील कुमार यादव उर्फ़ छोटू यादव, खजूरी नौडीहा निवासी रितेश कुमार पासवान, खाटिन गांव निवासी छोटू कुमार उर्फ़ बाबा और ओमप्रकाश कुमार शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, डब्लू साव पिछले साल रामानुगंज में हुए पांच करोड़ के सोना लूट कांड में भी शामिल था.

जबरदस्त साक्ष्य और बरामदगी : पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोटरसाइकिल, 16 मोबाइल फोन, एक लुमिनियस बैटरी, एक गैस सिलेंडर, एक देसी कट्टा और एक जिंदा गोली बरामद की है. छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से छतरपुर फोरलेन मार्ग पर राहगीरों से हथियार दिखाकर लूटपाट की कई घटनाएं सामने आई थीं.

शिकायत के बाद हुई गिरफ्तारी : एक अक्टूबर को आनंद कुमार ने पुलिस में आवेदन दिया कि 30 सितंबर की रात मेला देखकर लौटते समय मंदया ओवर ब्रिज के पास पांच युवकों ने बाइक रोककर पिस्तौल दिखाकर उसका मोबाइल लूट लिया था. शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित छापेमारी कर पांच आरोपियों को दबोचा.

आरोपियों ने किया जुर्म कबूल : गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे पिछले कई महीनों से रास्तों में आने-जाने वाले राहगीरों को हथियार दिखाकर लूटपाट कर रहे थे. छापेमारी दल में छतरपुर थाना प्रभारी के अलावा सब-इंस्पेक्टर सुशील उराव, अनिल रजक, इंद्रजीत राणा, राजीव कुमार और अन्य पुलिस जवान शामिल थे. पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है और अपराधियों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है.

11 महीने बाद सुलझी जैप जवान की हत्या की गुत्थी, आरोपी गिरफ्तार

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज थाना पुलिस ने 11 महीने बाद जैप जवान ईशाहक मुर्मू की हत्या का रहस्य सुलझा लिया है. मृतक का शव जैप 8 मुख्यालय के बाहर कार में पाया गया था. शुरू में पुलिस ने मौत को सामान्य माना था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट की पुष्टि के बाद मामला हत्या में तब्दील हो गया. जांच में आरोप लगा कि ईशाहक की हत्या उसके साथी जवान बबलू मुर्मू ने की है. बबलू को 13 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. बबलू ने बताया कि दोनों साथियों ने शराब पी और मटन खाया. ईशाहक बार-बार उसे 'ट्रैक सूट चोर' कहकर ताना मारता रहा. गुस्से में बबलू ने कार में रखे डंडे जैसे वस्तु से ईशाहक के सिर पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई. बाद में बबलू ने शव को कार में रखकर जैप मुख्यालय के बाहर छोड़ दिया. 3 नवंबर 2024 को राजकुमारी मुर्मू ने ड्यूटी के दौरान शव कार से बरामद कराया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

एसबीआई शाखा में सेंधमारी की कोशिश, पुलिस जांच में जुटी

मेदिनीनगर। बैरिया चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शाखा में अपराधियों ने सेंधमारी की कोशिश की, लेकिन वे कैश या अन्य सामान ले जाने में असफल रहे. घटना का पूरा वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया है. बैंक के पिछले हिस्से से अपराधी अंदर घुसे और सबसे पहले सिक्योरिटी सिस्टम को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की. इस दौरान शाखा से जुड़ी एटीएम का लिंक कट गया, जिससे बैंक अधिकारियों को घटना की जानकारी मिली और उन्होंने पुलिस को सूचना दी. टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. पुलिस ने स्निफर डॉग की मदद भी ली. जांच में पता चला कि अपराधियों ने गैस कटर का इस्तेमाल करके सेंधमारी और सिक्योरिटी सिस्टम को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की.

पलामू में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर पुलिस नाकामः पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने पलामू जिले में बढ़ते अपराध और पुलिस की नाकामी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि पुलिस अपराध रोकने में पूरी तरह विफल है और उसका ध्यान जनता की सुरक्षा के बजाय जमीन पर अवैध कब्जा दिलाने व अवैध बालू कारोबार को संरक्षण देने में लगा है. त्रिपाठी ने बताया कि वे लेस्लीगंज प्रखंड के सागबार पंचायत गए थे, जहां लाखो देवी की हत्या हुई थी. तीन माह पूर्व भी उसी टोले में हत्या हुई थी, लेकिन पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी. उन्होंने आरोप लगाया कि रात में दर्जनों ट्रैक्टरों से अवैध बालू की ढुलाई होती है, जिसके बदले थाना द्वारा 2000 रुपये प्रति ट्रैक्टर की उगाही की जाती है. यह पैसा उच्च अधिकारियों तक पहुंचता है, जबकि सरकार ने बालू निकासी पर प्रतिबंध लगाया है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पुलिस ने कार्यशैली नहीं सुधारी तो जन आंदोलन किया जाएगा. वे मुख्यमंत्री से मिलकर सबूतों सहित पूरे मामले की जानकारी देंगे. मौके पर जावेद खान समेत कई लोग मौजूद थे.

लातेहार में बाइक दुर्घटना में खेल शिक्षक कोमल टोप्पो का निधन

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के डिग्री कॉलेज के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में खेल शिक्षक कोमल टोप्पो की मौत हो गई. वह बरवाडीह प्रखंड के मोरवाईकला पंचायत के बढ़नियां गांव के निवासी थे और संत कालारेट स्कूल बरवाडीह में खेल शिक्षक के पद पर कार्यरत थे. घटना के समय कोमल अपनी बाइक से लातेहार की ओर आ रहे थे, जबकि पिकअप वाहन लातेहार से पलामू की ओर जा रहा था. मनिका डिग्री कॉलेज के पास दोनों वाहनों में जोरदार टक्कर हो गई. गंभीर रूप से घायल कोमल को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद रांची रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. डॉक्टर ने बताया कि उनके दाहिने हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं. पिकअप चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया. पुलिस ने पिकअप और बाइक जब्त कर लिया है. शव का पोस्टमार्टम लातेहार सदर अस्पताल में किया जा रहा है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. घटना से इलाके में शोक और हड़कंप मचा हुआ है.

शांति और उल्लास के साथ मना दशहरा, श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को दी भावभीनी विदाई

मेदिनीनगर। पलामू जिले में दशहरा पर्व शांति और सौहार्द्र के साथ मनाया गया. गुरुवार को श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को अश्रुपूर्ण विदाई दी. नवमी पर हवन और कन्या पूजन के बाद दशमी को प्रतिमा विसर्जन किया गया. बंगीय दुर्गा बाड़ी में महिलाओं ने पारंपरिक सिंदूर खेला में भाग लिया और ढाक की धुन पर झूमती रहीं. मौके पर पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने भी पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया. आभा मुखर्जी ने मां के विदा होने की पीड़ा और अगले वर्ष फिर आने की उम्मीद जताई. नवमी की रात पंडालों में भारी भीड़ रही, जिसे देखते हुए प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में बदलाव किया था और कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई थी. एसपी रीष्मा रमेशन स्वयं रात में शहर भ्रमण पर रहीं. प्रतिमा विसर्जन को लेकर प्रशासन सतर्क रहा. कोयल नदी सहित विभिन्न घाटों पर गोताखोरों की तैनाती और सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. कुछ स्थानों पर शुक्रवार को भी विसर्जन हुआ.

नम आंखों से माता दुर्गा को दी गई विदाई

लातेहार। शारदीय नवरात्र और दुर्गापूजा का दस दिवसीय धार्मिक उत्सव शुक्रवार को शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ. जिले के विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का ढोल-नगाड़े और जयकारों के साथ पारंपरिक विधि से विसर्जन किया गया. रुक-रुककर बारिश के बावजूद विसर्जन शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर महुआडांड़ के विभिन्न गांवों में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन

शुभम संदेश। महुआडांड़ (लातेहार)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी वर्ष के अवसर पर गुरुवार को महुआडांड़ प्रखंड के विभिन्न ग्रामों में ध्वजारोहण एवं शस्त्र पूजन का भव्य आयोजन किया गया. महुआडांड़ मंडल के महुआडांड़ स्थित दुर्गा बाड़ी में मुख्य कार्यक्रम संपन्न हुआ. इससे पहले महुआडांड़ मंडल के ग्राम चम्पा, रामपुर, चटकपुर मंडल के चटकपुर, हामी मंडल के ग्राम हामी, अक्सी मंडल के ग्राम सरनाडीह व बरदौनी और नेतरहाट मंडल के नेतरहाट में भी संघ के स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महुआडांड़ प्रखंड के संघ के खण्ड कार्यवाह देवानन्द प्रसाद, बजरंग दल के विभाग संयोजक सुरज साहू, संघ के सह खण्ड कार्यवाह रामप्रवेश प्रसाद, जिला संयोजक राजन साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल, वनवासी कल्याण केन्द्र के जिलाध्यक्ष अजय उरांव, संच प्रमुख संजय सिंह तथा पूर्व मंडल प्रमुख अमित जायसवाल का विशेष योगदान रहा.

महुआडांड़ प्रखंड में पहली बार सभी पांचों मंडलों के आठ स्थानों पर शस्त्र पूजन कराया गया, जिसे लेकर सनातन समाज के लोगों में भी भारी उत्साह देखने को मिला. सनातन आस्था के लोग भी बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में शामिल हुए और संघ के कार्यों की प्रशंसा की. आरएसएस के खण्ड कार्यवाह देवानन्द प्रसाद ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग जारी रखने का आग्रह किया. यह आयोजन संघ की एकता, समर्पण और संगठनात्मक शक्ति का परिचायक बना.

पत्नी की चाकू से वार कर हत्या, आरोपी पति फरार

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के रेगाई पंचायत के ग्राम केनाटोली में सुधीर उर्फ कुन्नू नागेशिया ने अपनी पत्नी की हत्या गुरुवार देर रात चाकू से पेट पर वार करके कर दी. घटना की जानकारी शुक्रवार को ग्रामीण और आसपास के लोगों को उस समय चली, जब वे महिला के बारे जानकारी ले रहे थे. ग्रामीण द्वारा थाने को सूचना देने पर थाना प्रभारी मनोज कुमार, महिला थाना प्रभारी सुशीला केशरी दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे.जहां शव को कब्जे में लेकर अरोपी की धड़पकड़ के लिए क्षेत्र में छापामारी कर रहे है. थाना प्रभारी ने बताया जांच करने के बाद ही हत्या के कारणों का खुलासा हो सकता है. जल्द ही अरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. ग्रामीणों ने बताया कि शव से गंध आ रही है. कयास लगाया जा रहा है कि घटना एक दो दिन पहले की है

श्रद्धालुओं ने नम आंखों और गगनभेदी जयकारों के बीच मां दुर्गा को दी विदाई

शुभम संदेश । कोडरमा

कोडरमा बाजार स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित राजा तालाब में नम आंखों के साथ विसर्जन किया गया. श्रद्धालुओं की भीड़ जुलूस में शामिल होकर मां की प्रतिमा को कोडरमा बाजार से जयनगर रोड, बरसोतियाबर, जलवाबाद, गिरिडीह रोड और सहाना रोड होते हुए राजा तालाब तक लेकर पहुंची.मंत्रोच्चारण और भक्तों के गगनभेदी "जय माता दी" के नारों के बीच प्रतिमा का विसर्जन हुआ. श्रद्धालुओं के चेहरे पर मां के बिछड़ने का दुःख और अगले वर्ष फिर मिलने की आशा साफ नजर आई. सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान पूरी व्यवस्था संभालते हुए विसर्जन यात्रा में मौजूद रहे.भक्तों ने एक स्वर में कहा, "मां अगले बरस तू जल्दी आना." इस मौके पर पूजा समिति के सदस्य और सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे.

नम आंखों के साथ मां दुर्गा को दी विदाई, शोभायात्रा के साथ विसर्जन संपन्न : मरकच्चो (कोडरमा) । प्रखंड के मरकच्चो, नावाडीह, देवीपुर, मुर्कमनाय, नवलशाही, खरखार समेत विभिन्न क्षेत्रों में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया. शनिवार को श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं को नम आंखों से विदाई दी. प्रतिमा विसर्जन से पूर्व पूजा पंडालों में विदाई आरती की गई और गरबा नृत्य की धुन गूंजती रही. इसके बाद शोभायात्रा निकालकर विभिन्न चौक-चौराहों से होते हुए तालाबों व जलाशयों में प्रतिमा विसर्जन किया गया. इस दौरान नवलशाही समेत अन्य स्थानों से सजीव शोभायात्राएं निकाली गईं, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए. मूर्ति विसर्जन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा. पूजा को सफल बनाने में किशोर यादव, प्रकाश राणा, शंकर साव, रामदेव साहू, वासुदेव राणा, बीरेंद्र यादव समेत कई लोगों की अहम भूमिका रही.

चौपारण (हजारीबाग) । नवरात्र और दशहरा के पावन अवसर पर ब्लॉक मोड़ स्थित दुर्गा मंदिर से माँ दुर्गा की प्रतिमा को नम आँखों और धूमधाम के साथ विदाई दी गई. भक्तों ने जयकारों के साथ नगर भ्रमण किया और पूरे क्षेत्र को भक्ति एवं उत्साह से भर दिया. विसर्जन यात्रा ब्लॉक मोड़ से शुरू होकर चतरा मोड़, चैथी मोड़, केंदुआ मोड़ होते हुए बालाबांध तालाब पर पहुंची, जहां मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिमा का विसर्जन किया गया. हजारों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल हुए और ढोल-नगाड़ों की गूंज से माहौल भक्तिमय रहा. पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके.

हजारीबाग : नरसिंह नगर दुर्गा पूजा समिति

शुभम संदेश । हजारीबाग

नरसिंह नगर दुर्गा पूजा समिति द्वारा इस वर्ष भी परंपरा के अनुसार दुर्गा पूजा बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई. दस दिनों तक चले इस पावन पर्व में पूरे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा. विजयादशमी के अवसर पर समिति की ओर से भव्य जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और बुजुर्गों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही. देर रात तक माता के भजनों पर सभी झूमते-गाते और नाचते रहे. जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन समिति के संरक्षक एवं झामुमो नेता रामा सोनी ने फीता काटकर किया. उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है. माता के इस दस दिवसीय उत्सव में पूरा इलाका एक परिवार की तरह जुड़कर भक्ति भाव से पूजा-अर्चना करता है. रामा सोनी ने सभी श्रद्धालुओं से भाईचारे और सद्भाव बनाए रखने की अपील की. शाम को रावण दहन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें रामा सोनी ने स्वयं रावण दहन कर बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया. इस दौरान जय श्रीराम और माता रानी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया. लोगों ने इस आयोजन को परंपरा और संस्कृति से युवाओं को जोड़ने वाला बताया.

पूरे आयोजन में भजन गायकों की प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर गईं. समिति के अध्यक्ष मिथिलेश दास, सचिव देवेंद्र महतो, कोषाध्यक्ष प्रकाश सोनी सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य अंगवस्त्र देकर सम्मानित किए गए. समिति ने प्रसाद और भोग के रूप में खिचड़ी का वितरण भी किया, जिससे भक्तगण प्रसन्न हुए. शुक्रवार को विधि विधान के साथ माँ दुर्गा का विसर्जन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए. नरसिंह नगर की दुर्गा पूजा अब क्षेत्र की पहचान बन चुकी है और हर वर्ष श्रद्धा व भक्ति के साथ आयोजन होता है.

काली मंदिर शिवपुरी से पारंपरिक रूप से हुई मां दुर्गा की विदाई निकाली गयी शोभायात्रा

हजारीबाग । शिवपुरी स्थित दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ से मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भव्य पारंपरिक शोभायात्रा के साथ मंगलवार को संपन्न हुआ. सुबह से ही मंदिर परिसर भक्तों से भर गया था. प्रतिमा को सजाए गए रथ पर स्थापित कर ढोल-नगाड़े, शंख और जयकारों के बीच यात्रा शुरू हुई. भक्तों ने ₹जय माता दी₹ और ₹मां दुर्गा की जय₹ के जयकारे लगाकर उत्साह बढ़ाया. शोभायात्रा झंडा चौक, काली बाड़ी रोड, अन्नदा चौक होते हुए बुढवा महादेव तालाब पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना के बाद आरती कर प्रतिमा का विसर्जन किया गया. इस दौरान सभी भक्त भावुक दिखे और नम आंखों से अगले वर्ष मां दुर्गा के पुनः आगमन की कामना की.

रामगढ़ के सिद्धू कान्हु मैदान में भारी बारिश के बावजूद उमड़ी भीड़

सांसद और विधायक ने रावण दहन समारोह में फूंके मेघनाद, कुंभकर्ण और रावण के पुतले

रामगढ़ । सिद्धू कान्हु मैदान में विजयदशमी के अवसर पर भव्य रावण दहन समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और विधायक रोशन लाल चौधरी ने मेघनाद, कुंभकर्ण और रावण के पुतलों को आग के हवाले किया. भारी बारिश के बाद भी करीब 50 हजार की भीड़ ने इस कार्यक्रम में भाग लिया. कार्यक्रम के दौरान लगभग एक घंटे तक शानदार आतिशबाजी का आनंद लिया गया और तीनों पुतलों के धू-धूकर जलते दृश्य को देखा गया. भीड़ ने जय श्री राम के नारे लगाकर उत्साह बढ़ाया.

सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने दशहरा पर्व पर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं और इसे हमारी संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक बताया. उन्होंने कहा कि विजयादशमी समाज को सही दिशा दिखाती है. वहीं, विधायक और समिति अध्यक्ष रोशन लाल चौधरी ने कहा कि खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इस आयोजन में शामिल हुए, जो हमारी संस्कृति के प्रति गहरे जुड़ाव को दर्शाता है. उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों को 51 किलो का माला पहनाकर सम्मानित किया गया. सार्वजनिक दशहरा एवं सूरज हॉल समिति के अध्यक्ष रोशन लाल चौधरी, सचिव महावीर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश गोयंनका, उपाध्यक्ष गंगा भगत, रविंद्र सिंह बिट्टी, और अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. धन्यवाद ज्ञापन एवं आय-व्यय विवरण सचिव महावीर अग्रवाल ने प्रस्तुत किया.

यह आयोजन रामगढ़ जिले का सबसे बड़ा और भव्य दशहरा समारोह माना गया, जिसमें सभी ने मिलकर सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश दिया.

उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले के ब्लड बैंक और डीईआईसी भवन का निरीक्षण किया

चतरा । उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले के निर्माणाधीन ब्लड बैंक एवं तैयार डीईआईसी भवन का स्थलीय निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने ब्लड बैंक के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और संवेदक को समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य से जुड़ी इन परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

उन्होंने संवेदक द्वारा बताई गई समस्याओं को भी सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समाधान हेतु निर्देश दिए. साथ ही चेतावनी दी कि समय पर कार्य पूरा न होने पर कार्रवाई की जाएगी. ब्लड बैंक के पूर्ण होने से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और मरीजों को रक्त की सुविधा समय पर मिलेगी. उपायुक्त ने डीईआईसी भवन का भी निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं एवं उपकरणों की जानकारी ली. कैंसर उपचार के लिए आवश्यक संसाधनों को लेकर सिविल सर्जन से चर्चा भी की गई.

बीडीओ के निधन पर प्रशासन ने दी श्रद्धांजलि

रामगढ़। सदर के प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत जेरोम लकड़ा का शुक्रवार को मेदांता हॉस्पिटल रांची में निधन हो गया. इसके बाद उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज मेदांता हॉस्पिटल पहुंचे और दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में जिला प्रशासन का पूर्ण सहयोग व्यक्त किया. साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को धैर्य की कामना की. उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी सहित अन्य अधिकारी भी श्रद्धांजलि देने वहां मौजूद थे.

प्रादेशिक वन विभाग का चेकनाका बना वसूली का अड्डा

चौपारण (हजारीबाग) । प्रखंड क्षेत्र में प्रादेशिक वन रेंज कार्यालय के पास स्थित चेकनाका दिन में पूरी तरह सन्नाटा रहता है. न तो कोई कर्मी होता है और न ही कोई जांच होती है. लेकिन जैसे ही रात होती है, वनकर्मी सक्रिय हो जाते हैं. गिट्टी, बालू और कोयला लदी गाड़ियों को रोककर जांच के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है. ग्रामीणों और राहगीरों का कहना है कि असली खेल रात में होता है और जांच सिर्फ दिखावा है.यह भ्रष्टाचार न केवल विभाग की छवि खराब करता है, बल्कि अवैध खनन और कोयला तस्करी को भी संरक्षण देता है. स्थानीय लोगों ने मांग की है कि चेकनाका पर 24 घंटे निगरानी और सीसीटीवी की व्यवस्था की जाए. साथ ही, वनकर्मियों की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए, नहीं तो यह चेकनाका भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों का केंद्र बना रहेगा.यह स्थिति विभागीय अफसरों की मिलीभगत की भी आशंका पैदा करती है.

दुःखद सीएचसी की लापरवाही पर उठे सवाल , परिजनों में भारी आक्रोश

इलाज के अभाव में बिरहोर महिला की हो गई मौत

एजेंसियां । चौपारण (कोडरमा)

प्रखंड क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चौपारण में इलाज के अभाव में बिरहोर समुदाय की महिला पार्वती देवी की मृत्यु हो गई. बीते बुधवार रात करीब 8:30 बजे दम तोड़ने वाली पार्वती कई दिनों से बीमार थी. परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में तैनात प्रभारी चिकित्सक डॉ. फरहाना महफूज अनुपस्थित थीं, जिसके कारण उचित इलाज नहीं हो सका. मुखिया प्रतिनिधि बिनोद कुमार सिंह के सहयोग से पार्वती को अस्पताल लाया गया था, लेकिन इलाज में लापरवाही के कारण उनकी मौत हो गई. यह पहली घटना नहीं है. पिछले माह भी बिरहोर समुदाय की 16 वर्षीय बच्ची इलाज के अभाव में जान गंवा चुकी है. वहीं, भगहर गांव में डायरिया फैलने की सूचना स्वास्थ्य विभाग तक नहीं पहुंची, जिससे एक मासूम की मौत हो गई. स्थानीय लोग और परिजन चौपारण अस्पताल की कुव्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं और उच्च स्तरीय जांच व सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ. फरहाना महफूज ने बताया कि महिला को सांस लेने में दिक्कत थी, इसलिए आयुष चिकित्सक को इलाज का निर्देश दिया गया.108 इमरजेंसी सेवा से भी संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कॉल नहीं लगा. सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी और प्रभारी की अनुपस्थिति पर जिला स्तर पर विचार होगा. पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि प्रभारी की गैरमौजूदगी में मरीजों का इलाज संभव नहीं है और स्वास्थ्य विभाग को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए. विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि बिरहोर महिला की मौत चिंता का विषय है. प्रभारी का मुख्यालय में रहना और उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग न होना गंभीर समस्या है, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना जरूरी है.

चंदवारा थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत, एक घायल हुआ

चंदवारा (कोडरमा) । चंदवारा थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम दो अलग-अलग जगहों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई. पहली घटना उरवां मोड़ पर हुई, जहां मदनगुंडी निवासी वरुण पांडेय (38 वर्ष) अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए. उन्हें स्थानीय लोगों ने चंदवारा पुलिस को सूचना दी और पेट्रोलिंग वाहन की मदद से सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.दूसरी दुर्घटना चंदवारा बाजार के काली मंडा के पास हुई. तेज रफ्तार बाइक सवार सागर कुमार (20 वर्ष) बाइक का नियंत्रण खो बैठा और लोहे के बंद गेट को तोड़ते हुए घर में जा घुसा. उसे घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई. इस हादसे में उसका एक साथी घायल हुआ है.दोनों घटनाओं से क्षेत्र में शोक का माहौल है और लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

जयनगर पुल के पास बाइक दुर्घटना, युवक गंभीर रूप से घायल

जयनगर (कोडरमा) । कोडरमा-कोवाड मुख्य मार्ग पर जयनगर पुल के समीप गुरुवार की रात एक बाइक दुर्घटना में 18 वर्षीय मनीष यादव गंभीर रूप से घायल हो गया. मनीष यादव, जो चलकुशा थाना क्षेत्र के ग्राम चलकुशा के निवासी हैं, सुबह अपने दोस्त के साथ तिलैया गए थे. शाम को लौटते समय घुमावदार सड़क पर बाइक अनियंत्रित होकर खेत में जा घुसी. हादसे में मनीष के सिर पर गंभीर चोट आई. स्थानीय ग्रामीणों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी. एसआई के.डी. प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा और घायल युवक को गश्ती वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयनगर ले जाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मनीष को सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया गया है. घटना से क्षेत्र में चिंता का माहौल है.

एक नजर

चौपारण ने खोया सपूत, भाकपा के वरिष्ठ नेता रामवतार भारती का असामयिक निधन

चौपारण । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पाण्डेबारा भारती होटल संचालक रामवतार भारती के असामयिक निधन से गहरा सदमा झेला है. उनका जीवन समाजसेवा और जनता के लिए संघर्ष का प्रतीक था. उनकी सरलता, न्यायप्रियता और गरीब-वंचितों के प्रति संवेदनशीलता उन्हें सभी वर्गों में लोकप्रिय बनाती थी. निधन की खबर से राजनीतिक और सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई. पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला, रामलखन सिंह, रामफल सिंह, मुनेश्वर यादव सहित कई गणमान्य लोगों ने अंतिम दर्शन कर परिजनों से संवेदना व्यक्त की. सभी ने रामवतार भारती को युगांतकारी नेता बताया और उनके आदर्शों को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा माना. उनका जीवन संघर्ष और समाजसेवा का मिसाल था.

झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष विकास यादव ने किया पंडालों का भ्रमण, दी दशहरा की शुभकामनाएं

चतरा । झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) लावालौंग प्रखंड उपाध्यक्ष विकास कुमार यादव ने लावालौंग एवं पांकी प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों और मेलों का भ्रमण किया. उन्होंने बताया कि उन्हें दोनों प्रखंडों के अनेक पूजा पंडालों में जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहां उन्होंने अपनी क्षमता अनुसार पूजा समितियों को सहयोग राशि प्रदान की, जो स्थानीय व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सहायक होगी. उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और मां से समाज में सुख, शांति, समृद्धि एवं भाईचारे की प्रार्थना की. उन्होंने कहा कि दशहरा अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर सदाचार, क्रोध पर दया और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का पर्व है. यह पर्व समाज को एकजुट करने और सकारात्मकता फैलाने का संदेश देता है. सभी क्षेत्रवासियों को उन्होंने दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि मां दुर्गा की कृपा सभी पर बनी रहे.

दुर्गापूजा लॉटरी में 31 विजेताओं ने पाया इनाम प्रथम पुरस्कार एक्टिवा स्कूटी लक्ष्मी देवी को

हजारीबाग । मटवारी स्थित शिवशक्ति दुर्गापूजा समिति ने इस वर्ष भी भव्य लॉटरी का आयोजन किया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. 2 अक्टूबर 2025 को निकाले गए लक्की ड्रॉ में कुल 31 विजेताओं का चयन हुआ. प्रथम पुरस्कार एक्टिवा स्कूटी लक्ष्मी देवी को मिली, जबकि द्वितीय पुरस्कार इलेक्ट्रिक स्कूटी हरी दयाल के नाम रहा. तृतीय पुरस्कार पंकज कुमार को वॉशिंग मशीन दी गई.इसके अलावा 28 अन्य विजेताओं को कूलर, साइकिल, पेडस्टल फैन, मिक्सर ग्राइंडर, स्मार्ट वॉच, गैस चूल्हा, प्रेशर कुकर, आयरन और ब्लूटूथ स्पीकर जैसे उपहार दिए गए. विजेताओं के चेहरे जीत की खुशी से चमक उठे और पंडाल में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका स्वागत हुआ. समिति ने जनता की बढ़ती भागीदारी को आयोजन की सफलता का मुख्य कारण बताया.

फुलवरिया में नवलशाही के व्यवसायी संतोष मेहता पर चली गोली, तीन संदिग्ध गिरफ्तार

मरकच्चो (कोडरमा) । नवलशाही थाना क्षेत्र के फुलवरिया में गुरुवार की रात व्यवसायी संतोष मेहता पर गोली चलाकर हमला किया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना करीब 8 बजे हुई, जब संतोष मेहता अपने सहयोगी महावीर कुमार के साथ गांव के पीछे बने चबूतरे पर थे. अचानक कुछ अज्ञात लोगों ने उनपर फायरिंग कर दी, जिससे गोली उनकी गर्दन में लगी.पीड़ित के पुत्र राजकुमार मेहता ने नवलशाही थाना में नौ लोगों के खिलाफ हत्या की नीयत से वारदात का आरोप लगाया है. घटना के बाद संतोष को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय क्लीनिक और फिर सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया. उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया.नवलशाही पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. ग्रामीण आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. फिलहाल संतोष मेहता खतरे से बाहर हैं.

केटीपीएस बांझेडीह अस्पताल में रक्तदान शिविर, 22 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

कोडरमा । सेवा सप्ताह पखवाड़ा के तहत केटीपीएस बांझेडीह अस्पताल में रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से शुक्रवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया. इस दौरान 22 यूनिट स्वैच्छिक रक्त संग्रहित किया गया. शिविर का उद्घाटन केटीपीएस के मुख्य अभियंता मनोज कुमार ठाकुर और रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष अजीत कुमार बरनवाल ने संयुक्त रूप से किया.मुख्य अभियंता ठाकुर ने रक्तदान को जीवनदान बताते हुए लोगों को प्रेरित किया और कहा कि रक्तदान से कई लोगों को जीवनदान मिलता है. उन्होंने कहा कि केटीपीएस में यह परंपरा जारी रखी जाएगी. अध्यक्ष बरनवाल ने भी इस पहल की प्रशंसा की और कहा कि रक्तदान से शरीर स्वस्थ रहता है और रक्तदाताओं में नई ऊर्जा आती है.इस अवसर पर केटीपीएस के कई अधिकारी एवं सदस्य, डीवीसी कामगार संघ के रामकृष्ण गोराय, जयराज टोप्पो, रेड क्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष मुन्ना सुल्तानिया सहित अन्य लोग मौजूद थे. शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

चौपारण में अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटरों का गोरख धंधा, भ्रूण हत्या को मिल रहा है खुला संरक्षण

चौपारण (हजारीबाग) । स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और प्रशासन की उदासीनता के कारण अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं. चोरदाहा, चतरा मोड़, ब्लॉक मोड़, केंदुआ मोड़, पाण्डेयबारा और सिंघरावां जैसे कई जगह बिना डॉक्टर, बिना लाइसेंस के ये सेंटर भ्रूण लिंग जांच जैसे अपराध को अंजाम दे रहे हैं, जो पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत गैरकानूनी है. सामुदायिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सुविधा न होने की वजह से मरीज इन अवैध सेंटरों पर भेजे जाते हैं. प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से न तो छापेमारी हो रही है और न ही कोई कड़ी कार्रवाई. स्थानीय लोग इन सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, नहीं तो चौपारण क्षेत्र भ्रूण हत्या का गढ़ बन जाएगा.

कांग्रेस कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई

हजारीबाग । जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती अहिंसा दिवस के रूप में मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने की. उन्होंने महात्मा गांधी को सत्य, अहिंसा और प्रेम का प्रतीक बताया और कहा कि उनकी कीर्ति आज भी अमर है. लाल बहादुर शास्त्री को 1965 के भारत-पाक युद्ध के नायक के रूप में याद किया गया.जयंती कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष विजय यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी अदिब रिजवी, जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान, नगर अध्यक्ष परवेज अहमद, सेवादल अध्यक्ष गुड्डू सिंह सहित कई कांग्रेसी उपस्थित थे.

गुमला, लोहरदगा सहित ग्रामीण क्षेत्र में रावण दहन कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

शुभम संदेश। गुमला

गुमला के अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में दशहरा के शुभ अवसर पर भव्य रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत मुख्य अतिथि थे. सांसद भगत ने अपने हाथों से रावण दहन कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे.

सांसद सुखदेव भगत ने उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. उन्होंने बताया कि भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध कर धर्म और न्याय की स्थापना की थी. सांसद ने कहा कि दशहरा हमें अहंकार, अन्याय और लोभ का अंत कर सत्य और धर्म की स्थापना का संकल्प लेने का संदेश देता है. उन्होंने कहा, "चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो, अंततः जीत हमेशा सत्य और धर्म की होती है." सांसद ने सभी को दशहरा की हार्दिक

शुभकामनाएं दीं.

कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व विधायक कमलेश उरांव, पुलिस कप्तान हरीश बिन जमा, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी आलोक कुमार साहू, दीप नारायण उरांव, संतोष कुमार गुप्ता गुड्डू समेत आयोजन समिति के कई पदाधिकारी मौजूद थे. कार्यक्रम शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ.

सोनाहातू और राहे में धूमधाम से रावण के पुतले का दहन

राहे/सोनाहातू । थाना क्षेत्र के बारेंदा सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति चट्टान टोली बारेंदा ने दुर्गा पूजा के बाद रविवार देर शाम भव्य रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया. आतिशबाजी से कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ. समिति 1988 से यह परंपरा निभा रही है. सोनाहातू-नीमडीह के बुडकुड़िया मेलाटांड़ में मुखिया विकास सिंह मुंडा समेत ग्रामीणों ने पांता नाच के साथ रावण दहन किया. दानाडीह क्रिकेट मैदान में व्यवसायिक संघ बाजारटांड़ ने भी रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया. राहे प्रखंड के राम जानकी मंदिर सेवा समिति कुबाडीह-मांझीडीह में हाई स्कूल मैदान में रावण दहन हुआ. भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, उप प्रमुख उमेश महतो सहित कई पंचायत प्रतिनिधि और लोग उपस्थित रहे. कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीण जुटे और उत्साह के साथ रावण दहन का आनंद लिया.

रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव संपन्न,बारिश के कारण पड़ी बाधा

गुमला । असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक रावण दहन गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ. यह परंपरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक मानी जाती है, जो महिषासुर वध की पौराणिक कथा से जुड़ी है. मां दुर्गा ने विभिन्न रूपों में अवतार लेकर मानव कल्याण और अत्याचार का अंत किया था. उसी प्रतीक रूप में रावण दहन किया जाता है. गुमला जिले में यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और अब इसे उत्सव के रूप में मनाया जाता है. परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, उर्मी, मुरकुंडा, करौंदी समेत कई ग्रामीण क्षेत्रों में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किए गए. हालांकि बारिश के कारण अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में रावण दहन में बाधा आई. उर्मी में रावण दहन से पहले एक घंटे तक रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने लोगों का मन मोह लिया. आतिशबाजी से आसमान रोशनी से जगमगा उठा, और लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाया.

टाटीसिलवे में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन

नामकुम । दशहरा समिति टाटीसिलवे के आयोजन में रावण दहन उत्सव उत्साह और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम का नेतृत्व शंकर शाहू ने किया, जबकि संचालन रासेश्वर मिश्रा और सुरेंद्र ठाकुर ने किया. मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा एवं कई गणमान्य लोग मौजूद थे. भारी बारिश ने समारोह में बाधा उत्पन्न की, जिससे रावण का पुतला भीग गया और जलाना कठिन हुआ. हालांकि, लोगों के उत्साह और प्रयास से अंततः रावण दहन सफल रहा. हजारों ग्रामीणों और नागरिकों ने बारिश के बीच भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

नवरात्रि पर चैतन्य देवियों की झांकी व महिषासुर वध का मनभावन नाट्य मंचन, नशामुक्ति का दिया संदेश

शुभम संदेश। गुमला

नवरात्रि के पावन अवसर पर शिव दर्शन भवन में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में प्रतापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा चैतन्य दुर्गा और महिषासुर वध की झांकी का मनभावन प्रस्तुति दी गई. आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था शिव दर्शन भवन की संचालिका बीके शांति दीदी के मार्गदर्शन में की गई. गुड़गांव से आए बीके रेमी बहन, बीके वैष्णवी बहन, बीके सुचिता बहन, बीके कुसुम बहन, बीके जीवंती बहन तथा बीके कृष्णा भाई ने अपनी उत्कृष्ट कला से दर्शकों का मन मोह लिया.

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओम प्रकाश पांडे ने नवरात्रि को शक्ति उपासना का पर्व बताते हुए कहा कि यह असत्य पर सत्य की जीत का संदेश देता है. वहीं, एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने समाज में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति पर

चिंता जताई और कहा कि नशा परिवार और बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बना रहा है. उन्होंने ऐसे आयोजनों को समाज को सही दिशा दिखाने वाला बताया.

संचालिका बीके शांति दीदी ने सभी का स्वागत करते हुए नवरात्रि को आत्मशक्ति जागरण का पर्व बताया. उन्होंने नशा मुक्ति के लिए उपस्थित सभी से सामूहिक संकल्प भी कराया. कार्यक्रम में कुंभकरण की झांकी के माध्यम से नशे से होने वाले दुष्प्रभावों को भी प्रभावी ढंग से दर्शाया गया और लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया.

यह आयोजन न केवल धार्मिक भावना को बढ़ावा देने वाला था, बल्कि समाज में नशा जैसी बुराई के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाला भी साबित हुआ. धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ इस कार्यक्रम ने समाज सुधार का संदेश भी दिया, जिससे सभी उपस्थित लोगों के मन में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ.

प्राचीन दुर्गा पूजा समिति सलगी की ओर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

शुभम संदेश। लोहरदगा

जिला के कुड़ू प्रखंड स्थित सलगी पंचायत के दुर्गा मंदिर प्रांगण में 2 अक्टूबर 2025 को प्राचीन दुर्गा पूजा समिति सलगी द्वारा भव्य सांस्कृतिक एवं क्षेत्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस आयोजन में मुख्य अतिथि रामा साहु एवं विशिष्ट अतिथि कल्याण विभाग के बड़ा बाबू दिनकर भगत और पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की धर्मपत्नी नीरू शांति भगत उपस्थित थे. पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत पट्टा और बैच पहनाकर किया.

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रामा साहु ने किया. उन्होंने दुर्गा मंदिर प्रांगण के सुंदरीकरण में सहयोग की घोषणा की और नवरात्र

के प्रारंभ से धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन की शुरुआत का वादा किया. बारिश के बावजूद लोगों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया. क्षेत्रीय कलाकारों ने नागपुरी संगीत एवं नृत्य से सभी का मनोरंजन किया. समिति के संरक्षक मनोहर मोदी ने अतिथियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया. रामचंद्र गिरी, साहिद अंसारी, पूर्व मुखिया सरस्वती देवी समेत कई ग्रामीण भी इस अवसर पर उपस्थित थे. यह आयोजन 1961 से निरंतर चलता आ रहा है और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करता है.

रातू में धूमधाम से संपन्न हुआ दुर्गा पूजा एवं दशहरा उत्सव

रातू । दुर्गा पूजा एवं दशहरा पूरे रातू और आसपास के क्षेत्रों में बड़े उत्साह एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ. थाना क्षेत्र के 17 स्थानों पर विधिवत पंडाल बनाकर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा अर्चना की गई. गुरुवार शाम 4 बजे रातू राजमहल में स्थापित प्रतिमा को महाराजा तालाब में भावभीनी श्रद्धा के साथ विसर्जित किया गया. शेष प्रतिमाओं का विसर्जन शुक्रवार को महाराजा तालाब एवं स्थानीय

जलाशयों में किया गया. सभी पंडालों से सुरक्षा व्यवस्था के साथ विसर्जन जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. इस प्रकार, दुर्गा पूजा का धार्मिक उत्सव शांति एवं अनुशासन के साथ सम्पन्न हुआ.

इटकी में प्रतिमा विसर्जन के साथ दुर्गा पूजा संपन्न पारंपरिक रीति से हुआ राजदरबार का आयोजन

इटकी । प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को प्रतिमा विसर्जन के साथ दस दिवसीय दुर्गा पूजन उत्सव का समापन हुआ. श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा कंधों पर उठाकर नया केसरी तालाब तक शोभायात्रा निकाली, जहां महाआरती के बाद विधिपूर्वक प्रतिमाएं विसर्जित की गईं. थाना प्रभारी मनीष कुमार सहित कई स्थानीय लोग इसमें शामिल हुए. विसर्जन के उपरांत जमींदार वंशज लाल रामेश्वरनाथ शाहदेव व लाल गौरवनाथ शाहदेव ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ राजदरबार और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया. वहीं दरहाटांड़ में भाजपा नेता सन्नी टोप्पो द्वारा रावण दहन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया.

तमाड़ में भक्ति और श्रद्धा के साथ दुर्गा पूजा संपन्न, ढोल-नगाड़ों के बीच हुआ प्रतिमा विसर्जन

तमाड़ । प्रखंड मुख्यालय सहित भुईयांडीह, बाबूरामडीह, सारजडीह, रांगामाटी, परासी, सालगाडीह आदि ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा पूजा भक्ति और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ. मां दुर्गा के जयकारों के साथ ढोल-नगाड़ों के बीच प्रतिमाओं का पारंपरिक तरीके से विसर्जन किया गया. वहीं दिउड़ी मंदिर प्रांगण में नवमी के दिन पारंपरिक रूप से भैंसे की बलि दी गई.

सोनाहातू में भक्ति के साथ हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

सोनाहातू। प्रखंड मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति और श्रद्धा के साथ दुर्गा पूजा संपन्न हुई. दानाडीह, जामुदाग, दुलमी, पंडाडीह, बारेडीह सहित दर्जनों गांवों में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया. पूजा समितियों ने शोभायात्रा निकालकर धूमधाम से विसर्जन किया.

सिंदूर खेला के बाद मां दुर्गा को दी गई भावभीनी विदाई

शुभम संदेश। राहे

विजयादशमी के अवसर पर राहे में बंगाली समुदाय की महिलाओं ने पारंपरिक सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को विदाई दी. महिलाओं ने मां की प्रतिमा पर सिंदूर अर्पित कर एक-दूसरे को सिंदूर लगाया. इसके बाद प्रतिमा का विसर्जन किया गया. नवमी पर बलि प्रथा के साथ पूजा संपन्न हुई. पूरे प्रखंड में देर शाम तक विसर्जन का दौर चला. सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी यशवंत सिंह सहित प्रशासनिक टीम मौजूद रही.

संघ के शताब्दी वर्ष पर विजयादशमी उत्सव में निकला पथ संचलन, देशभक्ति से सरोबार रहा क्षेत्र का माहौल

शुभम संदेश। नामकुम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रांची महानगर की आरा बस्ती, विक्रमादित्य नगर व टाटीसिलवे इकाई द्वारा संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में विजयादशमी उत्सव का आयोजन किया गया. इस अवसर पर भव्य पथ संचलन निकाला गया जिसमें स्वयंसेवकों ने कदम से कदम मिलाकर राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक मंटू रहे, जिन्होंने संघ की 100 वर्षों की यात्रा व पंच परिवर्तन की धारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला. अध्यक्षता राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा एवं

नगर संघचालक शंकर प्रसाद ने की. डॉ. वर्मा ने संघ की स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से युवाओं को परिचित कराया. कार्यक्रम में गौतम जी, आशुतोष द्विवेदी, रवींद्र तिवारी, आदित्य रंजन, बृजेश सिंह, प्रशांत जमुआर, प्रो. गोपाल पाठक सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे.

संघ शताब्दी वर्ष पर पिर्रा शिव मंदिर में विजयादशमी पर शस्त्र पूजन, स्वामी नंद बोले- राष्ट्र निर्माण में संघ की भूमिका अहम

रातू । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विजयादशमी के अवसर पर रातू नगर के पिर्रा स्थित शिव मंदिर परिसर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण, अमृत वचन और एकल गीत से हुआ. मुख्य वक्ता जिला बौद्धिक प्रमुख स्वामी नंद जी ने शक्ति पूजन को केंद्र में रखते हुए कहा कि संघ समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व को लेकर आज विश्व का सबसे बड़ा संगठन बन चुका है. उन्होंने कहा कि जातीय भेदभाव और अन्य कुरीतियों को समाप्त कर देशभक्ति का विस्तार ही आज की आवश्यकता है. कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह हरेश चंद्र एवं मुख्य शिक्षक राजकिशोर ने किया.

मोदी के जन्मोत्सव पर सेवा पखवाड़ा का समापन, पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित

नामकुम । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मोत्सव पर आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन शास्त्री जयंती एवं गांधी जयंती के अवसर पर चौहान मेंशन में पत्रकार सम्मान समारोह के साथ हुआ. कार्यक्रम का नेतृत्व राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार सिंह ने किया. मुख्य अतिथि पूर्व ग्रामीण जिलाध्यक्ष रणधीर चौधरी ने कहा कि पत्रकार देश के चौथे स्तंभ हैं और समाज की जरूरतों को आईने की तरह सामने रखते हैं. समारोह में पत्रकारों को अंगवस्त्र एवं कलम देकर सम्मानित किया गया. रणधीर चौधरी ने स्वच्छ पत्रकारिता को स्वच्छ शासन का आधार बताया. कार्यक्रम में लाल बहादुर शास्त्री और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी गई. सभी ने विजयादशमी पर आपसी भाईचारे और सदाचार बढ़ाने तथा बुराई के खिलाफ संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया.

एक नजर

गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की

गुमला । गांधी जयंती के अवसर पर गुरुवार को गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की. चेंबर अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सदस्यों ने गुमला इंडोर स्टेडियम स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. कार्यक्रम में गांधी जी के सिद्धांतों, विचारों और उनके सत्य व अहिंसा के मार्ग की चर्चा करते हुए उन्हें सच्चा राष्ट्र निर्माता बताया गया. इसके साथ ही शास्त्री जी के जन्मदिवस पर भी उन्हें याद किया गया. उनके ₹जय जवान, जय किसान₹ के नारे को आज भी प्रासंगिक बताते हुए सदस्यों ने उनके कृतित्व को नमन किया. शास्त्री जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उपस्थित सभी सदस्यों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए. इस अवसर पर उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल, सचिव प्रणय साहू, पीआरओ प्रतीक अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा, कार्यकारिणी सदस्य शंकर साहू समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे.

सताकी में गांधी व शास्त्री जयंती धूमधाम से मनाई गई, जीवन से प्रेरणा लेने पर दिया गया बल

राहे । प्रखंड के सताकी गांव में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम से मनाई गई. भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज की अगुवाई में दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. श्री धीरज ने गांधीजी के स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की सोच को आज भी प्रासंगिक बताया, वहीं शास्त्री जी की सादगी और नेतृत्व क्षमता को प्रेरणास्रोत बताया. कार्यक्रम में भाजपा मंडल कार्यकारी अध्यक्ष मेघनाथ महतो सहित कई गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे.

छोटानागपुरिया तेली समाज की मासिक बैठक 5 अक्टूबर को, सामाजिक मुद्दों पर होगी चर्चा

गुमला। छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज, गुमला जिला कमेटी की मासिक बैठक 5 अक्टूबर 2025 (रविवार) को दोपहर 12 बजे डीएसपी रोड स्थित रामकृष्ण ओहदार के आवास में आयोजित होगी. इसकी जानकारी समाज के जिला अध्यक्ष कलिंदर साहू ने दी. उन्होंने बताया कि बैठक में अनाथ, असहाय एवं गरीब परिवार की बालिकाओं के सामूहिक विवाह और शिक्षा सहायता हेतु लॉटरी ड्रॉ योजना की समीक्षा की जाएगी. साथ ही समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर भी चर्चा होगी. अध्यक्ष ने समाज के सभी जिला कार्यकारिणी सदस्यों, युवा समिति एवं महिला समिति के सदस्यों से समय पर बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है. बैठक को सफल बनाने के लिए सभी से सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है.

तमाड़ में गांधी व शास्त्री जयंती पर श्रद्धांजलि, सत्य-अहिंसा से प्रेरणा लेने का आह्वान

तमाड़ । चित्रांश परिवार द्वारा सिंह मोड़ में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई. उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई. वक्ताओं ने बापू के सत्य-अहिंसा और शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी व ₹जय जवान जय किसान₹ नारे से प्रेरणा लेने की बात कही. कार्यक्रम में यशवंत शरण, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, अमरेंद्र सहाय, विनय कुमार समेत कई गणमान्य उपस्थित थे.

विधिक सेवा आपके द्वार जागरूकता शिविर का आयोजन

रातू । झालसा एवं डालसा के संयुक्त प्रयास से हुरहुरी पंचायत सचिवालय में विधिक सेवा आपके द्वार जागरूकता कार्यक्रम के तहत विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, जॉब कार्ड, राशन कार्ड और अन्य लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी. पंकज कुमार शर्मा ने बाल विवाह, बाल तस्करी, दहेज प्रथा, पारिवारिक हिंसा और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सुविधाओं के बारे में बताया. कार्यक्रम में बाल श्रम, जमीन विवाद, स्पांसरशिप योजना और निशुल्क विधिक सहायता से भी अवगत कराया गया. लोगों की समस्याएं भी सुनी गईं. इस अवसर पर रातू प्रखंड की पीएलभी सुनीता देवी, अफरोज अंसारी, पूनम देवी, निशांत निश्चल, राजा वर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे.

गुमला में सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक और मवेशी की मौत, एक की हालत गंभीर

गुमला । गुमला-रांची नेशनल हाईवे पर लांजी के समीप एक तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार कर रहे मवेशी को टक्कर मार दी, जिससे बाइक चालक और मवेशी की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान खूंटी जिला के कर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवरी गांव निवासी 20 वर्षीय जोगिया लकड़ा के रूप में हुई है. उसके साथ बाइक पर सवार 19 वर्षीय अंशु कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया है. जानकारी के अनुसार, अंशु रायडीह प्रखंड के मांझा टोली में एक माह से मोटर ड्राइविंग सीख रहा था. दुर्गा पूजा की छुट्टी पर वह बुधवार अपराह्न 3 बजे अपने गांव लौटने के लिए बस स्टैंड जा रहा था, जहां पटेल चौक के पास उसकी मुलाकात जोगिया से हुई. दोनों एक ही गांव के निवासी थे. जोगिया के आग्रह पर अंशु उसके साथ बाइक से गांव रवाना हुआ. लांजी के पास मवेशी से टकराकर हादसा हो गया.

भालू के हमले से घायल किसान, आंख में थूक कर बचाई जान

गुमला । सिसई थाना क्षेत्र के असरो गांव निवासी 35 वर्षीय किसान निरु गोप पर शुक्रवार सुबह खेत में फसल देखने के दौरान दो जंगली भालुओं ने हमला कर दिया. भालू को देखकर किसान घबरा गया और भागने लगा, लेकिन पैर फिसलने से वह गिर पड़ा और उसका पैर टूट गया. भालू उस पर हमला करने ही वाले थे कि निरु ने साहस दिखाते हुए एक भालू की आंख में थूक मार दी. इसी बीच ग्रामीणों ने शोर मचाया, जिससे भालू भाग निकले और किसान की जान बच गई.

पैसे देने से पत्नी ने किया इंकार, युवक ने कर ली आत्महत्या

गुमला । पालकोट थाना क्षेत्र के तिलईडीह निवासी 35 वर्षीय सुमन लोहरा ने बुधवार को सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली. परिजन उसे तत्काल सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक विवाहित था उसके दो बेटी व एक बेटा है.

मंथन

जनता के भरोसे की कसौटी पर बिहार की वोटर लिस्ट

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अंतिम वोटर लिस्ट जारी कर दी है. इसमें 7.4 करोड़ मतदाता शामिल हैं. ड्राफ्ट रोल में 65 लाख नाम कटने से जो विवाद खड़ा हुआ था, उससे तुलना करें तो अंतिम सूची पर अब तक शांति दिख रही है. हालांकि, यह संतोषजनक है या नहीं, इसका अंदाजा तभी लगेगा जब लोग और राजनीतिक दल लिस्ट की जांच करेंगे. दरअसल, चुनावी प्रक्रिया में सबसे अहम है भरोसा. वोटर लिस्ट का बार-बार बढ़ना-घटना सामान्य बात है, लेकिन जिस तेजी और अधूरी तैयारी के साथ एसआईआर को लागू किया गया, उसने संदेह पैदा कर दिया. दस्तावेजों को लेकर अस्पष्टता, अफसरों की जवाबदेही की कमी और जनता की अफरातफरी ने इस प्रक्रिया को विवादों में ला दिया. यहां तक कि मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा. यह स्थिति लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है, जहां नागरिक को सहज भागीदारी का अवसर मिलना चाहिए, न कि असुरक्षा का अनुभव. चुनाव महज सरकार बदलने का नहीं, बल्कि जनता के मुद्दों को सामने लाने का भी अवसर होता है. इस प्रक्रिया से यह संदेश गया कि वोटर रिवीजन नागरिकता तय करने का माध्यम बन गया है, जबकि हकीकत में यह केवल निर्वाचन की शुद्धता सुनिश्चित करने की कवायद है. बिहार का अनुभव एक सबक की तरह है. आगे जब यह प्रक्रिया अन्य राज्यों में लागू हो, तो इसे पारदर्शिता, सहमति और पर्याप्त तैयारी के साथ अंजाम दिया जाए. लोकतंत्र में सबसे बड़ा मूल्य है जनता का विश्वास, और इसे बनाए रखना ही चुनाव आयोग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है.

नजरिया

भीड़तंत्र कानून हाथ में न ले ये प्रशासन की जिम्मेदारी है

हजारीबाग में दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई घटना केवल एक परिवार पर हमले की कहानी नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक और प्रशासनिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़ा करती है. विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी की पुत्रवधू और तैनात अधिकारी प्रीति किस्को के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार इस बात का संकेत है कि भीड़ का उन्माद कब, कहां और किसके खिलाफ फट पड़े, यह कोई नहीं जानता. वोट और सत्ता की राजनीति से इतर देखें तो यह घटना कानून-व्यवस्था की चुनौती को उजागर करती है. भीड़ द्वारा किसी वाहन को रोककर ड्राइवर को पीटना और महिला अधिकारी के साथ बदसलूकी करना किसी सभ्य समाज का संकेत नहीं हो सकता. पुलिस की निष्क्रियता और थाना प्रभारी का टिप्पणी से बचना भी यह दिखाता है कि संवेदनशील मामलों में प्रशासन अब भी जवाबदेही से कतराता है. सवाल यह है कि जब राज्य के नेता प्रतिपक्ष के परिवार तक सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोग किस भरोसे पर सड़कों पर निकलें? त्योहारों में उमंग के साथ शांति का संतुलन बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है. लेकिन यहां यह जिम्मेदारी बुरी तरह विफल होती दिखी. जरूरी है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए. साथ ही, त्योहारों और जुलूसों के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन और सुरक्षा इंतजाम को और पुख्ता करना होगा. यदि इस संदेश को दृढ़ता से लागू नहीं किया गया तो भीड़तंत्र, शासन और समाज दोनों के लिए खतरा बना रहेगा.

दशहरे का संदेश क्या गुम हो गया है?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय त्योहार जीवन के गहरे संदेशों और सामाजिक मूल्यों के वाहक होते हैं.

त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज सुधार का अवसर होते हैं. दशहरा हमें सिखाता है कि अच्छाई और नैतिकता की जीत केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी होनी चाहिए. यही विजयादशमी का असली संदेश भी हो सकता है.

भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि जीवन के गहरे संदेशों और सामाजिक मूल्यों का वाहक होते हैं. इनका उद्देश्य केवल आनंद लेना नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का मार्ग दिखाना भी है. इन्हीं में से एक है विजयादशमी या दशहरा-जो बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है. यह हमें यह याद दिलाता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः सत्य, धर्म और नैतिकता ही विजयी होती है. हर वर्ष देशभर में बड़े-बड़े मैदानों में रावण के विशाल पुतले बनाए जाते हैं. हजारों लोग उत्साह और हर्षोल्लास के साथ रावण दहन देखने पहुंचते हैं. आतिशबाजी के बीच जलते पुतले हमें क्षणिक आनंद देते हैं और हम यह मान लेते हैं कि बुराई का नाश हो गया. किंतु यहीं से प्रश्न उठता है—क्या सचमुच बुराई खत्म हो रही है? क्या दशहरे का संदेश हमारे जीवन में उतर पा रहा है या यह केवल एक दिखावे और मनोरंजन का पर्व बनकर रह गया है?

रावण दहन का प्रतीक हमें सिखाता है कि बुराई चाहे कितनी विद्वान या शक्तिशाली व्यक्ति में क्यों न हो, उसका पतन निश्चित है. रावण कोई साधारण शत्रु नहीं था-वह महाज्ञानी, शूरवीर और भगवान शिव का परम भक्त था. उसकी विद्वत्ता और शक्ति अपार थी. वह राजनीति और शासन कला में दक्ष था. किंतु सीता हरण जैसे एक अन्यायपूर्ण कृत्य ने उसे विनाश की ओर धकेल दिया. इस प्रसंग से यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि व्यक्ति की असाधारण क्षमताएं और उपलब्धियां भी तब व्यर्थ हो जाती हैं, जब उसके भीतर अहंकार, वासना और अन्याय का वास हो. रावण का पतन केवल राम की विजय नहीं थी, बल्कि यह भी दर्शाता था कि धर्म और नैतिकता के विरुद्ध जाने वाला, चाहे कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः पराजित होगा.

आज के समाज में भी रावण मौजूद हैं, किंतु उनका स्वरूप बदल गया है. अब वे दस सिर वाले पुतले के रूप में नहीं, बल्कि हर गली, मोहल्ले और संस्थान में छिपे हैं. भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, अपराध, बलात्कार, घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, नशाखोरी और अनैतिक व्यापार—ये सब आधुनिक रावण के ही रूप हैं. हर साल जब हम रावण का पुतला जलाते हैं, तो मानो यह सोचकर संतुष्ट हो जाते हैं कि बुराई का अंत हो गया. लेकिन वास्तविकता यह है कि अपराध बढ़ते जा रहे हैं, नैतिकता का स्तर गिरता जा रहा है और समाज का चरित्र कमजोर होता जा रहा है. ऐसे में दशहरे का पर्व केवल बाहरी प्रदर्शन बनकर रह गया है.

दशहरा हमें केवल बाहरी बुराइयों के खिलाफ लड़ने का नहीं, बल्कि अपने भीतर के दोषों को पहचानने का अवसर देता है. हमारे भीतर अहंकार, लोभ, कपट, द्वेष, झूठ और वासना जैसे दोष ही असली रावण हैं. जब तक हम इन्हें नहीं जलाएंगे, समाज में स्थायी सुधार संभव नहीं. दुर्भाग्य यह है कि आज हम पुतला जलाकर खुश हो जाते हैं, मगर अपने भीतर झांकने की हिम्मत नहीं जुटाते. सोशल मीडिया पर तस्वीरें डाल कर हम पर्व को सेलिब्रेट तो करते हैं, लेकिन आत्ममंथन से बचते हैं. परिणामस्वरूप बुराई का वास्तविक उन्मूलन नहीं हो पाता.

आज का समाज पहले से अधिक शिक्षित और तकनीकी रूप से उन्नत है, लेकिन अपराध और दुष्कर्म की घटनाएं भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही हैं. इसका सबसे गहरा असर बच्चों और युवाओं पर पड़ता है. अगर उन्हें बचपन से ही सही संस्कार और नैतिक शिक्षा न मिले, तो वे भी आधुनिक रावणों की भीड़ में शामिल हो सकते हैं. यह जिम्मेदारी माता-पिता, शिक्षकों और समाज के वरिष्ठ नागरिकों की है कि वे केवल रोजगार देने वाली शिक्षा पर ध्यान न दें, बल्कि चरित्र निर्माण को प्राथमिकता दें. स्कूल और कॉलेजों में नैतिक शिक्षा को मजबूती से पढ़ाया जाना चाहिए. समाज को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि युवा सिर्फ तकनीक और आधुनिकता से नहीं, बल्कि सदाचार और मानवीय मूल्यों से भी परिचित हों. यह मानना गलत होगा कि बुराइयों का अंत केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे किया जा सकता है. यदि समाज स्वयं जागरूक और जिम्मेदार न बने, तो कानून अकेले कुछ नहीं कर सकता. उदाहरण के तौर पर दहेज हत्या, रेप या भ्रूण हत्या जैसी घटनाएं सिर्फ कानूनी कड़ाई से नहीं रुकेंगी, बल्कि इनके खिलाफ समाज को मानसिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी खड़ा होना पड़ेगा. पुराना रावण अहंकार के कारण मरा था, लेकिन आज के रावण और खतरनाक हैं. वे कानून और व्यवस्था का उपयोग अपने स्वार्थ के लिए करते हैं. उनमें न धर्म का भय है, न ईमानदारी. यही कारण है कि आज समाज में विश्वास और मानवता का संकट गहराता जा रहा है.

दशहरे का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब हम प्रतीकात्मक पुतला दहन से आगे बढ़कर अपने जीवन और समाज की बुराइयों को खत्म करने का प्रयास करेंगे. यह पर्व हमें प्रेरित करता है कि हम व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर आत्ममंथन करें और दोषों का संहार करें. अहंकार, झूठ, भ्रष्टाचार, कपट और द्वेष को खत्म करना ही सच्चा रावण दहन है. जब हम अपने भीतर इन बुराइयों को पहचानकर समाप्त करेंगे, तभी समाज में स्थायी परिवर्तन आएगा.

त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज सुधार का अवसर होते हैं. दशहरा हमें यह सिखाता है कि अच्छाई और नैतिकता की जीत केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी होनी चाहिए. यदि हम चाहते हैं कि यह पर्व केवल मनोरंजन न रह जाए, तो हमें इसे सामाजिक और नैतिक सुधार का साधन बनाना होगा. व्यक्ति जब अपने भीतर सुधार करेगा, तो समाज स्वतः सुधरेगा. यही दशहरे का वास्तविक संदेश है-बुराई पर अच्छाई की विजय. लेकिन इसके लिए साहस, ईमानदारी और सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है. दशहरे का महत्व तभी साकार होगा, जब हर व्यक्ति अपने भीतर के रावण को मारे और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में सक्रिय योगदान दे. यही विजयादशमी का शाश्वत संदेश है. **(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं.)**

आज का इतिहास

1535 : अंग्रेजी में संपूर्ण बाइबल, जिसे माइल्स कोवरडेल ने तैयार किया, छपकर आई.
1957 : सोवियत संघ ने पहला उपग्रह स्पूतनिक एक, अंतरिक्ष में रवाना किया.
1965: बीबीसी ने एशियाई आप्रवासियों के लिए पहली सेवा शुरू करने की अपनी योजना का ऐलान किया.
1969 : चीन ने पश्चिमी क्षेत्र में हाइड्रोजन बम का परीक्षण करने का ऐलान किया.
1977 : विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र को हिंदी में संबोधित किया. इससे पहले इस विश्व मंच पर किसी ने हिंदी में भाषण नहीं दिया था.
1977 : भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार करने के 16 घंटे बाद रिहा किया गया.
1992 : इज़राइल का एक 747 बोइंग विमान नीदरलैंड के एम्स्टरडम के बाहरी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त.

चिंतन

कोई भी काम टीम के रूप में करिए, सफलता पाइए

अमर एक बड़ी कंपनी का ग्रुप लीडर था. उसे ऐसा लगा कि उसकी टीम में मतभेद हैं. इससे निबटने के लिए उसने एक तरकीब सोची. उसने एक मीटिंग बुलाई और टीम मंबर्स से कहा, संडे को आप सभी के लिए साइकिल रेस होगी. सब लोग सुबह सात बजे चौराहे पर इकठ्ठा हो जाइएगा. तय समय पर सभी अपनी-अपनी साइकलों पर इकठ्ठा हो गए. अमर ने सीटी बजाई और रेस शुरू हो गयी. बॉस को इम्प्रेस करने के लिए हर कोई रेस जीतना चाहता था. रेस शुरू होते ही अफरा-तफरी मच गयी कोई दाएं से निकल रहा था तो कोई बाएं से कई तो आगे निकलने की होड़ में दूसरों को गिराने से भी नहीं चूक रहे थे. इस हो-हल्ले में किसी ने अमर के निर्देशों का ध्यान ही नहीं रखा और भागने लगे. पांच मिनट बाद अमर ने फिर से सीटी बजाई और रेस ख़त्म कर दी. तभी सभी को रेस से पहले दिए निर्देशों का ध्यान आया. सब इधर-उधर भागने लगे. लेकिन अमर ने उन्हें रोकते हुए अपने पास आने का इशारा किया.सभी बॉस के सामने मुंह लटकाए खड़े थे और रेस पूरी ना कर पाने के कारण एक-दूसरे को दोष दे रहे थे. अमर ने अपनी टीम की ओर देखा और कहा- अरे क्या हुआ? इस टीम में तो एक से एक चैंपियन थे पर भला क्यों कोई भी व्यक्ति इस अनोखी साइकिल रेस को पूरा नहीं कर सका? अमर ने कहा- मैं बताता हूं क्या हुआ.दरअसल किसी ने भी अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान ही नही दिया. अगर आपने लक्ष्य पर ध्यान दिया होता तो आप सभी विजेता होते, क्योंकि सभी टॉरगेट अलग-अलग था. सभी को अलग-अलग गलियों में जाना था. आपस में कोई मुकाबला था ही नहीं. लेकिन आप लोग सिर्फ दूसरे को नीचा दिखाने में लगे रहे. आप सभी के अंदर वह अनोखी बात है. लेकिन आपसी तनाव के कारण न ही टीम का, न ही आप का विकास हो पा रहा. आने वाला कल आपके हाथ में है. हम या तो एक-दूसरे की ताकत बन कर एक-दूसरे को विकास के पथ पर ले जाएं या आपसी स्पर्धा के चक्कर में अपना और दूसरों का समय व्यर्थ करें. मेरा आप सबसे आग्रह है कि एक व्यक्तिगत की तरह नहीं बल्कि एक टीम की तरह काम करिए. याद रखिये इंडीविजुअल परफार्मर बनने से कहीं ज्यादा जरूरी एक टीम प्लेयर बनना है.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #BenefitsOfMeditation
2. #GandhiJayanti
3. #RSS100Years
4. #SanskarAurMoolya
5. Bal Vikas
6. #SwadeshiSankalp
7. महात्मा गांधी
8. Marga Darshan
9. Saint Gurmeet Ram Rahim
10. Aadi Ram Kabir

बहुरंग

अरशद वारसी की 'भागवत' का दमदार ट्रेलर रिलीज

कुछ दिन पहले अभिनेता जितेंद्र कुमार की आने वाली फिल्म 'भागवत' का टीज़र रिलीज़ हुआ था. इस टीज़र में जितेंद्र कुमार के अनदेखे लुक ने सबका ध्यान खींचा था. इसी तरह, अब 'भागवत' का बहुचर्चित ट्रेलर रिलीज़ हो गया है. इस ट्रेलर में 'पंचायत' के मासूम सेक्रेटरी का एक अनदेखा डरावना अवतार देखने को मिल रहा है. 'भागवत' के ट्रेलर में हम शुरुआत में देखते हैं कि अरशद वारसी इस शहर में एक आक्रामक पुलिस अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं. जिस जेल में वह तैनात हैं, वहां वह एक कैदी को इतनी बुरी तरह पीटते हैं कि उसकी वहीं मौत हो जाती है. तभी अरशद को शिकायत मिलती है कि उसकी बेटी गायब हो गई है. अरशद लड़की के पिता से वादा करते हैं कि वह 15 दिनों के अंदर उनकी बेटी को वापस ला देंगे. ट्रेलर में आगे जीतू की एंट्री होती है. मासूम सा दिखने वाला जीतू एक लड़की से प्यार करने लगता है और दोनों के बीच रोमांटिक सीन देखने को मिलते हैं. इसके बाद अरशद वारसी जीतू को गिरफ्तार कर लेते हैं. जीतू पर कई लड़कियों को अगवा करने का आरोप लगता है और मामला कोर्ट में पहुंच जाता है. इसके बाद जीतू बिना किसी वकील की मदद लिए खुद ही केस लड़ने का फैसला करता है. ट्रेलर में आगे कई ट्विस्ट और टर्न्स देखने को मिलते हैं. इसके अलावा, जीतू का लिपलॉक सीन भी देखने को मिलता है. जीतू के इस भयानक अवतार को देखकर हर कोई हैरान रह जाता है. साथ ही, अरशद वारसी और जीतू का एक्टिंग कॉम्बिनेशन भी देखने लायक है.

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी'

पहले दिन की कमाई 9.25 करोड़ हुई

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' दशहरा के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा-चैप्टर 1' से सीधी टक्कर ले रही है. धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है. रिलीज के पहले ही दिन की कमाई के ताज़ा आंकड़े अब सामने आ चुके हैं. सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार वरुण धवन और जाह्नवी कपूर स्टारर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' ने रिलीज़ के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 9.25 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं इसके साथ मुकाबला कर रही ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा–चैप्टर 1' ने 60 करोड़ रुपये का कारोबार करते हुए लगभग छह गुना ज्यादा कलेक्शन दर्ज किया. इसके बावजूद करीब 60 करोड़ रुपये के बजट में बनी वरुण-जाह्नवी की इस फिल्म का पहला दिन औसत से बेहतर माना जा रहा है. दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने ही फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है. 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के साथ सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ और मनीष पॉल भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं. फिल्म की कहानी सनी और तुलसी पर आधारित है, जिन्हें अपने-अपने रिश्तों में धोखा मिलता है. हालात ऐसे बनते हैं कि दोनों प्यार वापस पाने के लिए एक-दूसरे के साथ नकली रोमांस करने का फैसला करते हैं. कुल मिलाकर, यह फिल्म हल्की-फुल्की रोमांटिक और कॉमेडी एंटरटेनमेंट का तड़का परोसती है.

'कांतारा-चैप्टर 1' की रिलीज के बाद तीसरे पार्ट का हुआ ऐलान, 407.82 करोड़ हुआ कलेक्शन

अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कांतारा-चैप्टर 1' इस दशहरा 2 अक्टूबर' को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो चुकी है. फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त सराहना मिल रही है. भरे हुए थिएटर्स और सोशल मीडिया पर मिल रही पॉज़िटिव प्रतिक्रिया यह साबित करती है कि फिल्म ने दर्शकों के दिलों में एक बार फिर गहरी छाप छोड़ी है. सबसे बड़ी बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म के तीसरे भाग की भी आधिकारिक घोषणा कर दी है. इस खबर ने फैंस का उत्साह दोगुना कर दिया है. हालांकि अभी तक रिलीज़ डेट शेयर नहीं की गई है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऋषभ शेट्टी ने अपनी अगली फिल्म का नाम 'कांतारा: ए लीजेंड -चैप्टर 2' रखा है. जैसे 'कांतारा- चैप्टर 1' साल 2022 में रिलीज़ हुई 'कांतारा' का प्रीक्वल है, उसी तरह नया चैप्टर भी प्रीक्वल होगा, लेकिन यह सीधे तौर पर 'कांतारा- चैप्टर 1' का सीक्वल माना जाएगा. फिल्म के क्लाइमैक्स में एक बच्चे का अधूरा सवाल छोड़ दिया गया था और उसी से तीसरे भाग की नींव रखी गई है.

गौरतलब है कि 2022 में रिलीज़ हुई 'कांतारा' ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था, बल्कि इसे समीक्षकों की भी खूब प्रशंसा मिली थी.

महज़ 16 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 407.82 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. साथ ही, इसे 2 नेशनल अवॉर्ड्स भी मिले थे. एक सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (ऋषभ शेट्टी) और दूसरा सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए. अब 'कांतारा- चैप्टर 1' की सफलता और तीसरे भाग की आधिकारिक पुष्टि ने इस फ्रेंचाइज़ी को और भी मज़बूत कर दिया है. दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि ऋषभ शेट्टी अपने अगले अध्याय में किस तरह की अनकही गाथा लेकर आएंगे.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. शुभांक-3-5-7

वृष : अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा. बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी. सलाह उपयोगी सिद्घ होगी. विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी. आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. शुभांक-5-6-9

मिथुन : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. आलस्य का त्याग करें. कार्यसिद्घि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. शुभांक-2-6-8

कर्क : समय पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. पुराने मित्र से मिलन होगा. शुभांक-4-6-7

सिंह : पैतृक सम्पत्ति से लाभ. मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. शुभांक-3-5-8

कन्या : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. एकाकी वृत्ति त्यागें. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा. कार्य सफल होंगे. शुभांक-2-5-7

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. मनोरथ सिद्घि का योग है. सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा. प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-6-8-9

वृश्चिक :आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ होंगे. कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. माता पक्ष से विशेष लाभ. पुराने मित्र से मिलन होगा. आत्मचिंतन करें. शुभांक-4-6-8

धनु : कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी. किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा. कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा. मनोरथ सिद्घि का योग है. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभांक-1-4-8

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. मित्र से मिलन होगा. शुभांक-1-5-8

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. लाभ में आशातीत वृद्घि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं. "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी. निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा. इच्छित कार्य सफल होंगें. शुभांक-1-6-9

इस ट्रिक से करें कैट की तैयारी

एमबीए करने के लिए कई लोग आईआईएम जैसे संस्थान से पढ़ाई करना चाहते हैं। आईआईएम में एडमिशन लेना इतना आसान नहीं है। इसके लिए आपको कैट की तैयारी करनी होती है। कई लोग कैट का एग्जाम आसानी से क्लियर कर लेते हैं। वहीं कई लोग 2 साल तक तैयारी करते हैं लेकिन इसके बाद भी कैट के एग्जाम को क्लियर नहीं कर पाते हैं। चलिए जानते हैं कैसे आप आसानी से कर सकते हैं कैट की तैयारी।

क्या आईआईएम में एडमिशन लेना है आसान

आईआईएम से पढ़ने का सपना हर किसी का होता है। ऐसे में इस कॉलेज में एडमिशन लेना काफी छात्र चाहते हैं लेकिन हर किसी का एडमिशन इस कॉलेज में नहीं हो पाता है।

कैट का एग्जाम कब होता है

आईआईएम तक पहुंचने के लिए कैट का एग्जाम क्लियर करना पड़ता है। हर साल कैट की परीक्षा नवंबर महीने से दिसंबर महीने के बीच होती है। वहीं इसके ऑनलाइन फॉर्म अगस्त के आसपास उपलब्ध होते हैं।

एग्जाम पैटर्न

इस परीक्षा में आपसे ऑब्जेक्टिव तथा सब्जेक्टिव दोनों तरह के सवाल पूछे जाते हैं। यह परीक्षा के तीन भागों में बांटा जाता है और आपको हर एक भाग के लिए 60 मिनट का समय भी दिया जाता है। कुल मिलाकर आपको 180 मिनट मिलते हैं और आपको 180 मिनट में 100 सवालों के जवाब देने होते हैं।

कैट का एग्जाम के लिए कैसे तैयारी करें

कैट के एग्जाम को क्लियर करने के लिए आपको रोजाना छह से आठ घंटे पढ़ाई करनी होगी। अगर आप कैट के लिए अच्छे से पढ़ाई करते हैं तो आप महज 6 महीने में कैट एग्जाम को क्लियर कर सकते हैं। कैट की तैयारी के लिए आप कोचिंग भी कर सकते हैं।

विषय की पूरी जानकारी है जरूरी

आप जिस भी विषय की पढ़ाई कर रहे हो आपको उस विषय में अच्छी पकड़ रखनी होगी। पढ़ने के बाद उसी विषय से संबंधित ऑब्जेक्टिव टाइप के प्रश्नों का हल करें।

इंग्लिश पर दें ध्यान

आपको अपनी इंग्लिश पर भी ध्यान देना चाहिए। कैट के एग्जाम में थोड़ी टफ इंग्लिश पूछी जाती है इसलिए इंग्लिश की प्रैक्टिस अच्छे से करें। रोजाना इंग्लिश न्यूज पेपर पढ़ें और ज्यादा से ज्यादा अपनी वोकैबलरी पर काम करें।

शॉपिंग को बनाए अपना करियर ऑप्शन

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें शॉपिंग करना काफी अच्छा लगता है। जिसमें वे ढेर सारे पैसे खर्च कर देते हैं। हालांकि, ऐसे कई करियर ऑप्शन होते हैं, जो शॉपहॉलिक इंसान के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं।

करियर ऑप्शन चुनते समय यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी पसंद-नापसंद और स्वभाव को जरूर देखें। हर व्यक्ति अलग तरह का होता है और इसलिए अगर वह अपने अनुसार करियर ऑप्शन चुनता है तो वह सफलता के नए मुकाम हासिल करता है। मसलन, अगर आप शॉपहॉलिक है तो ऐसे में आप अपने काफी सारे पैसे सिर्फ और सिर्फ शॉपिंग में ही खर्च कर देते हैं। जिससे बाद में आपको दुख होता है, लेकिन फिर भी आप खुद को रोक नहीं पाते हैं।

ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपनी इसी आदत को अपना करियर ऑप्शन बना लें। जी हां, आज के समय में एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए भी करियर ऑप्शन की कोई कमी नहीं है। ऐसा व्यक्ति फैशन, ट्रेंड और रिटेल की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना सकता है।

इनसे ना केवल उन्हें शॉपिंग को एन्जॉय करने का मौका मिलता है, बल्कि इसके लिए वे अच्छे खासे पैसे भी कमाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं, जो एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए बेहतर ऑप्शन रहेंगे

फैशन बायर

एक शॉपहॉलिक व्यक्ति के लिए फैशन बायर बेहतरीन करियर ऑप्शन है। जो फैशन बायर होता है, वह रिटेल स्टोर्स के लिए कपड़े व एक्सेसरीज खरीदता है। इसके लिए जरूरी है कि वह लेटेस्ट फैशन ट्रेन्ड्स की जानकारी रखता हो। साथ ही साथ, सप्लायर्स से नेगोशिएट करने से लेकर सेल्स डाटा को एनालाइज कर सके। एक सक्सेसफुल फैशन बायर बनने के लिए आपको कस्टमर्स की पसंद-नापसंद का अंदाजा लगाना आना बेहद जरूरी है। अगर आप बतौर फैशन बायर अपना करियर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो ऐसे में आप फैशन मर्चेंडाइजिंग, बिजनेस या उससे संबंधित फील्ड में डिग्री हासिल करें।

पर्सनल शॉपर

अगर आपको फैशन की गहरी समझ है और आप लेटेस्ट ट्रेन्ड्स पर अपनी पैनी नजर रखते हैं तो ऐसे में पर्सनल शॉपर या स्टाइलिस्ट बनकर भी अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। ऐसे पर्सनल शॉपर अपने क्लाइंट के लिए कपड़ों से लेकर एक्सेसरीज तक के लिए शॉपिंग करता है। उसका काम अपने क्लाइंट की पसंद-नापसंद को समझते हुए उसके ओवरऑल स्टाइल को इंप्रूव करना होता है। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए किसी कोर्स को करने की खास जरूरत नहीं है, लेकिन फिर भी फैशन व स्टाइलिंग से जुड़ा कोर्स आपको पर्सनल स्टाइलिंग की बेहतर समझ देगा।

फैशन ब्लॉगर

फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर बनकर भी आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर स्पोन्सर्ड कंटेंट की मदद से काफी अच्छा पैसा कमा सकते हैं। वे लोगों को बेहतर तरीके से स्टाइल करने के टिप्स देते हैं और इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मदद लेते हैं। अगर आप बतौर फैशन ब्लॉगर या इन्फ्लुएंसर काम करना चाहते हैं तो सोशल मीडिया पर ब्लॉगिंग शुरू करें। इसमें आप हाई क्वालिटी कंटेंट पेश करें। जिससे लोग आपसे जुड़ने लगें और कई ब्रांड्स आपके साथ कोलेबोरेशन करना चाहें।

फैशन इवेंट को-ऑर्डिनेटर

एक शॉपहॉलिक व्यक्ति फैशन इवेंट को-ऑर्डिनेटर बनकर भी अपना करियर आगे बढ़ा सकता है। इनका मुख्य काम फैशन शो, प्रोडक्ट लॉन्च या अन्य फैशन से जुड़े इवेंट को प्लॉन व को-ऑर्डिनेट करना होता है। इस भूमिका में लॉजिस्टिक्स से लेकर मार्केटिंग तक कई चीजों को हैंडल करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट, मार्केटिंग से इससे जुड़े फील्ड में डिग्री हासिल करके आप इस फील्ड में अपना कदम रख सकते हैं।

स्टूडेंट्स की काफी मदद करते हैं फेलोशिप प्रोग्राम

आज जीवन में सफलता पानेवके लिए जरूरी है कि आप किताबी ज्ञान के साथ-साथ और भी पहलुओं को समझें। भारत में ढेर सारी फेलोशिप ऑफर की जाती है, जिनका आप हिस्सा बनकर खुद को अन्य लोगों से अलग दिखा सकते हो। अब सवाल यह है कि भारत में कौन-कौन सी फेलोशिप ऑफर की जाती है और उसका हिस्सा हम कैसे बन सकते हैं।

भारत समेत तमाम देशों में कई सारे फेलोशिप प्रोग्राम चलते हैं, जो स्टूडेंट्स की काफी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन फेलोशिप प्रोग्राम के बारे में विस्तार से।

प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप

प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के मकसद से शुरू की गई है। यह योजना उच्च शिक्षण संस्थानों को लक्षित करती है। यह फेलोशिप विशेष रूप से पीएचडी करने वालों के लिए तैयार की गई है। इस फेलोशिप के तहत उम्मीदवारों को 70 हजार तक की राशि दी जाती है।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन फेलोशिप

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन फेलोशिप सामाजिक परिवर्तन में योगदान देने के इच्छुक लोगों के लिए। 4 से 10 साल के कार्य अनुभव वाले लोगों के लिए डिज़ाइन इसे डिजाइन किया गया है। फेलोशिप प्रतिभागियों को सार्वजनिक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाती है।

इंडिया फेलो प्रोग्राम

इंडिया फेलो प्रोग्राम 18 महीने की अवधि की होती है और इस फेलोशिप में प्रतिभागियों को जमीनी स्तर पर सामाजिक चुनौतियों से जुड़ने के लिए तैयार करती है। किसी भी विषय से स्नातकों या जल्द ही स्नातक होने वाले लोगों के लिए खुला, यह कार्यक्रम व्यक्तियों को सामाजिक नेताओं में ढालता है, वास्तविक दुनिया के मुद्दों और समाधानों की गहरी समझ को बढ़ावा देता है।

एसबीआई फेलोशिप

एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने के राष्ट्र के आह्वान की प्रतिध्वनि है। यह फेलोशिप प्रतिभाशाली दिमागों को ग्रामीण समुदायों के साथ सहयोग करने और सतत विकास समाधान बनाने के लिए एक मंच प्रदान करती है। 13 महीने तक चलने वाला यह कार्यक्रम परिवर्तनकारी सीखने के अनुभवों को विकसित करता है, सहानुभूति को बढ़ावा देता है और ग्रामीण भारत की जटिलताओं को समझने वाले नेताओं का पोषण करता है।

अगर आपको बेकिंग करना काफी अच्छा लगता है और आपने इससे जुड़ा प्रोफेशनल कोर्स किया है तो अब आप कई जगहों पर काम के अवसर तलाश कर सकते हैं।

बेकिंग प्रोफेशनल के पास अवसरों की कमी नहीं

जब भी हम किसी खास अवसर को सेलिब्रेट करना चाहते हैं तो ऐसे में कुछ ना कुछ मीठा अवश्य खाते हैं। आज के समय में लोग इस तरह के अवसर पर केक काटते हैं या फिर पेस्ट्री आदि खाकर सेलिब्रेट करते हैं। जिसके लिए अक्सर पेस्ट्री शॉप का रुख करते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सिर्फ केक या पेस्ट्री खाना ही नहीं, बल्कि उन्हें बनाना भी काफी अच्छा लगता है। ऐसे में बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करते हैं। हो सकता है कि आपको यह लगता हो कि बेकिंग एंड पेस्ट्री कोर्स करके आप सिर्फ शॉप में ही काम कर सकते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। अगर आपने बेकिंग में प्रोफेशनल कोर्स किया है तो आपके पास अवसरों की कमी नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बेकिंग एंड पेस्ट्री कोर्स करने के बाद आप कहां-कहां अपना करियर देख सकते हैं-

बेकर

अगर आपने बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स किया है तो ऐसे में आप बतौर बेकर या पेस्ट्री शेफ के रूप में काम कर सकते हैं। आप बेकरी, स्वीट शॉप या फिर रेस्त्रां आदि में काम कर सकते हैं। आपकी जॉब रिस्पॉन्सिबिलिटीज में अलग-अलग तरह की ब्रेड, पेस्ट्री, केक और अन्य बेक किए गए सामान को तैयार करना और उसे पकाना शामिल हो सकता है।

केक डेकोरेटर

केक डेकोरेटर एक स्पेशलाइज्ड पर्सन होता है, जिसका मुख्य कारण केक आदि की डिजाइनिंग व डेकोरेशन के लिए यूनिक आइडियाज तैयार करना होता है। खासतौर से, विशेष अवसरों के लिए वे खास डिजाइन तैयार करते हैं। आप बतौर केक डेकोरेटर बेकरी या केक शॉप्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप अपना खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

चॉकलेटियर

बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद आप चॉकलेटियर बनकर भी अपना करियर देख सकते हैं। एक चॉकलेटियर का काम होता है कि वह कई अलग-अलग चॉकलेट प्रोडक्ट्स बनाते हैं। इसमें चॉकलेट के अलावा ट्रफल्स और अन्य कन्फेक्शन शामिल हैं। एक चॉकलेटियर चॉकलेट प्रोडक्ट्स को बनाने के साथ उन्हें डिजाइन करने और उन्हें डेकोरेट करने का काम भी करता है।

फूड स्टाइलिस्ट

बेकिंग और पेस्ट्री में ग्रेजुएशन करने के बाद आप बतौर फूड स्टाइलिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। यहां पर आप अपने बेकिंग स्किल्स को काम में ला सकते हैं। एक फूड स्टाइलिस्ट का काम फोटोग्राफर व डिजाइनर के साथ मिलकर काम करते हैं। उनका मुख्य काम एडवरटाइजमेंट, कुकबुक और मैगजीन के लिए फूड आइटम्स को और भी ज्यादा अपीलिंग बनाना होता है।

फूड ब्लॉगर

अगर आपको लिखना अच्छा लगता है और आप अपने लेखन में अपने बेकिंग स्किल्स को भी शामिल करना चाहते हैं तो ऐसे में फूड ब्लॉगर बनकर भी अपना करियर संवार सकते हैं। जब आप बेकिंग एंड पेस्ट्री में प्रोफेशनल कोर्स करते हैं तो आपका ज्ञान आपके लेखन को और भी अधिक बेहतर व गहन बनाता है। आप ब्लॉग से लेकर यूट्यूब या सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्मों पर आपकी बेक्ड आइटम्स की रेसिपी, ट्यूटोरियल व सीक्रेट्स आदि शेयर कर सकते हैं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

ब्राजील की दोहरी जीत,भारत को दो पदक

एजेंसियां । नई दिल्ली

ब्राज़ील की एंटोनिया कायला दा सिल्वा बारोस ने गुरुवार को 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 1500 मीटर टी20 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतते हुए नया विश्व रिकॉर्ड बनाया. उन्होंने 4 मिनट 19.22 सेकंड में दौड़ पूरी कर पोलैंड की दिग्गज एथलीट और छह बार की विश्व चैंपियन बारबरा बिएगानोव्स्का-जजाक को पछाड़ दिया.

बारोस की यह जीत और भी खास रही क्योंकि उन्होंने अंतिम लैप से पहले ही बढ़त बना ली थी. टोक्यो 2020 पैरा ओलंपिक खेलों में साथी ब्राज़ीलियाई एथलीट एडनेउसा डी जीसस सैंटोस डॉर्टा की गाइड रनर रह चुकीं बारोस ने इस उपलब्धि से अपने करियर में नया मुकाम हासिल किया. ब्राज़ील की एक और खिलाड़ी वाना ब्रिटो ओलिवेरा ने महिलाओं की शॉट पुट एफ32 स्पर्धा में भी विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता. इन सफलताओं के साथ ब्राज़ील ने 12 स्वर्ण, 16 रजत और 7 कांस्य पदक लेकर पदक तालिका में अपना दबदबा बनाए रखा. वहीं चीन (8-10-9) अब बाकी तीन दिनों में कड़ी चुनौती के सामने है. हालांकि व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो स्विट्ज़रलैंड की कैथरीन डेब्रुनर ने गुरुवार को महिलाओं की 100 मीटर टी53 में चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ अपना चौथा स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने अब तक 100 मीटर से लेकर 5000 मीटर तक सभी इवेंट्स में बाज़ी मारी है. भारत की ओर से पैरिस 2024 पैरा ओलंपिक चैंपियन धरमबीर नैण (36 वर्ष) और अतुल कौशिक (29 वर्ष) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतकर भारत के खाते में दो और पदक जोड़े. लेकिन लगातार दूसरे दिन स्वर्ण पदक से वंचित रहने के कारण मेज़बान भारत चौथे स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर चला गया है. अब तक भारत के पास 4 स्वर्ण, 5 रजत और 2 कांस्य पदक हैं. कोलंबिया की करेन टी पालोमेके एम ने महिलाओं की 200 मीटर टी38 स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर अपनी टीम को छठे स्थान पर पहुंचाया. इटली और स्विट्ज़रलैंड ने भी गुरुवार को अपने-अपने पांचवे स्वर्ण पदक जीते. धरमबीर नैन ने आख़िरी प्रयास में 29.71 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर बढ़त बनाई, लेकिन सर्बिया के अलेक्ज़ांडर रेडिसिक ने 30.36 मीटर थ्रो कर स्वर्ण छीन लिया. वहीं, पैरिस 2024 के रजत विजेता प्रणव सूरमा नौ खिलाड़ियों की प्रतियोगिता में पाँचवें स्थान पर रहे. अतुल कौशिक का कांस्य भी काफ़ी नाटकीय अंदाज़ में पक्का हुआ. उज़्बेकिस्तान के योरकिनबेक ओदिलव ने पाँचवे प्रयास में 45.05 मीटर फेंका और आख़िरी थ्रो सेक्टर से बाहर चला गया. इससे 29 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को राहत मिली कि कांस्य उनके नाम रहेगा.

दिन में भारत के दो खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गए. सुबह डिस्कस थ्रो एफ37 में हनी और शाम को 400 मीटर में दिलीप महादु गावित चौथे स्थान पर रहे. 22 वर्षीय गावित ने 48.61 सेकंड का समय निकाला लेकिन अंतिम 100 मीटर में अपनी गति बरकरार नहीं रख सके. बारिश के कारण पुरुषों की लॉन्ग जंप टी64 और शॉट पुट एफ46 फ़ाइनल को स्थगित करना पड़ा. हालांकि आयोजकों ने प्रयास कर डिस्कस थ्रो टी57 और क्लब थ्रो एफ51 फ़ाइनल को दोबारा शुरू कर पूरा कराया.

नामीबिया और जिम्बाब्वे ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसियां । हरारे

अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 टी20 क्रिकेट विश्व कप के लिए नामीबिया और जिम्बाब्वे ने अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है. गुरुवार को अफ्रीकी क्वालिफायर के सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करते हुए दोनों टीमों ने विश्व कप का टिकट कटा लिया.पहले सेमीफाइनल में नामीबिया ने तंजानिया को 63 रन से पराजित किया.

इस जीत के नायक रहे टीम के स्टार ऑलराउंडर जे.जे. स्मिट, जिन्होंने 43 गेंदों में नाबाद 61 रन की विस्फोटक पारी खेली. इसके अलावा उन्होंने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए चार ओवर में मात्र 16 रन देकर तीन विकेट झटके.वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में मेज़बान जिम्बाब्वे ने केन्या को सात विकेट से हराया.123 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रायन बेनेट ने सिर्फ 25 गेंदों में 51 रन की तूफ़ानी पारी खेलकर अपनी टीम को आसान जीत दिलाई. जिम्बाब्वे की यह जीत दर्शकों के बीच खासा उत्साह लेकर आई और घरेलू मैदान पर मिली सफलता ने खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ाया.इन दोनों जीतों के साथ नामीबिया और जिम्बाब्वे ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है. अब ये दोनों टीमें शनिवार को फाइनल में आमने-सामने होंगी, जहां अफ्रीकी क्वालिफायर की विजेता टीम का फैसला होगा.अब तक कुल 20 में से 17 टीमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं. शेष तीन स्थानों का निर्धारण एशिया-प्रशांत क्षेत्र के क्वालिफायर के जरिए होगा, जो अगले सप्ताह ओमान में शुरू होंगे.

विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप,मीराबाई चानू का जलवा

2025 में रजत पदक जीता, भारत को तीन साल बाद दिलाया गौरव

एजेंसियां । फ़ोर्डे

भारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर देश को तीन वर्षों बाद इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक दिलाया. उन्होंने कुल 199 किग्रा (84 किग्रा स्नैच + 115 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया.चानू ने स्नैच में 84 किग्रा उठाकर कांस्य पदक पक्का किया, हालांकि वह 87 किग्रा पर दो बार असफल रहीं. इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 109 किग्रा और 112 किग्रा सफल प्रयासों के बाद 115 किग्रा उठाया, जिससे रजत पदक सुनिश्चित हुआ. यह उनका 2022 के बाद पहला विश्व चैंपियनशिप पदक और पेरिस 2024 ओलंपिक में चौथे स्थान के बाद दूसरी बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि है.

इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक उत्तर कोरिया की री सॉन्ग-गुम ने अपने नाम किया. उन्होंने कुल 213 किग्रा (91 किग्रा स्नैच + 122 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर जीत दर्ज की, जिसमें एक नया क्लीन एंड जर्क विश्व रिकॉर्ड भी शामिल है. थाईलैंड की थान्याथोन सुखचारोएन ने 198 किग्रा भार के साथ कांस्य पदक जीता.मीराबाई चानू का विश्व चैंपियनशिप में यह तीसरा पदक है. उन्होंने 2017 में ऐनाहाइम में स्वर्ण (194 किग्रा) जीता था और भारत की पहली महिला विश्व चैंपियन बनी थीं.2022 में उन्होंने रजत पदक जीता, जबकि 2023 में चोट के चलते प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था.इस रजत के साथ भारत के वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप में कुल पदक 18 हो गए हैं3 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्यजिनमें सभी पदक महिलाओं द्वारा जीते गए हैं.चानू ने पिछले महीने अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर 2026 ग्लास्गो खेलों के लिए सीधी क्वालिफिकेशन भी हासिल की थी.

महिला वर्ल्ड कप 2025 में 'आजाद कश्मीर' विवाद : सना मीर ने दी सफाई

एजेंसियां । नयी दिल्ली

- सना मीर ने इस मामले पर सोशल मीडिया के जरिए सफाई दी है. उन्होंने कहा कि उनका बयान बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया और उनका उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था. सना मीर ने कहा कि उन्होंने अपने बयान में राजनीति को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की, बल्कि केवल तथ्यात्मक जानकारी दी

महिला वर्ल्ड कप 2025 के एक मैच में पाकिस्तान की पूर्व कप्तान और कमेंटेटर सना मीर द्वारा 'आजाद कश्मीर' का उल्लेख करने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था. यह विवाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच हुए मैच के दौरान उठा, जब सना मीर ने पाकिस्तानी खिलाड़ी नतालिया परवेज के बारे में बात करते हुए कहा था कि वह 'आजाद कश्मीर' से आती हैं. इस कमेंट्री को भारत में सोशल मीडिया पर तीव्र आलोचना का सामना करना पड़ा और कई लोगों ने सना मीर को ट्रोल किया, साथ ही कमेंट्री पैनल से हटाने की भी मांग की गई.

सना मीर ने इस मामले पर सोशल मीडिया के जरिए सफाई दी है. उन्होंने कहा कि उनका बयान बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया और उनका उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था. सना मीर ने कहा कि उन्होंने अपने बयान में राजनीति को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की, बल्कि केवल तथ्यात्मक जानकारी दी. उनका कहना था कि कमेंट्री के दौरान खिलाड़ी के होम टाउन का उल्लेख करना आम बात है ताकि दर्शकों को यह समझाया जा सके कि खिलाड़ी ने अपने क्रिकेट करियर के लिए किन परिस्थितियों का सामना किया है.

सना मीर ने बताया, "मैंने नतालिया परवेज के बारे में इसलिए बताया क्योंकि वह 'आजाद कश्मीर' से हैं और क्रिकेट के लिए उन्हें लाहौर आना पड़ता था. मैंने दो अन्य खिलाड़ियों के बारे में भी इसी तरह की जानकारी दी थी जो अन्य क्षेत्रों से आते हैं. मेरा आग्रह है कि इस बात को राजनीतिक मुद्दा न बनाया जाए. यह केवल कमेंट्री का हिस्सा था."

यह विवाद सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ और कई भारतीय क्रिकेट प्रेमियों ने इस पर प्रतिक्रिया दी. हालांकि सना मीर की सफाई के बाद कुछ लोगों ने उनकी बात को समझा, वहीं विवाद अभी भी खत्म नहीं हुआ है. इस घटना ने एक बार फिर खेल के मंच पर राजनीति की पड़ताल और विवादों की चुनौतियों को उजागर किया है.

सना मीर के बयान से यह भी साफ है कि कमेंट्री करते समय खिलाड़ियों की पृष्ठभूमि और उनकी कठिनाइयों को दर्शाने का प्रयास होता है, न कि किसी राजनीतिक एजेंडा को बढ़ावा देना. इस मामले ने दर्शाया कि खेल और राजनीति के बीच की सीमा कितनी नाजुक हो सकती है, खासकर ऐसे क्षेत्रीय विवादों के संदर्भ में.

इस विवाद के बाद उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में कमेंटेटर्स और खिलाड़ियों को अपने शब्दों के प्रति और भी सावधानी बरतनी होगी ताकि खेल को राजनीति से अलग रखा जा सके और सकारात्मक माहौल बना रहे.

रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ तीसरे दिन 224 रनों की बढ़त

नागपुर । इरानी कप 2025 के मुकाबले के तीसरे दिन विदर्भ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रेस्ट ऑफ इंडिया पर 224 रनों की मजबूत बढ़त बना ली. रेस्ट ऑफ इंडिया की पहली पारी 214 रनों पर समाप्त हुई, जिसमें कप्तान रजत पाटीदार ने 66 रन बनाए. तेज गेंदबाज आदित्य ठाकरे ने 4 विकेट लेकर विदर्भ को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई. विदर्भ की पहली पारी 342 रनों की रही. दूसरी पारी में विदर्भ के सलामी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की. अथर्व तायडे ने 20 रन बनाए, जबकि अमन मोहकड़े ने 37 रन की पारी खेली. दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद ध्रुव शॉरी और डैनिश मालेवार नाबाद हैं. विदर्भ का स्कोर 96/2 है. दिन की शुरुआत रेस्ट ऑफ इंडिया के 142/5 से हुई थी, लेकिन ठाकरे और यश ठाकुर ने क्रमशः विकेट लिए. यश ठाकुर ने भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए 66 रन देकर 3 विकेट लिए. विदर्भ की टीम अब कुल 224 रनों की बढ़त के साथ मुकाबले में मजबूत स्थिति में है. यह प्रदर्शन टीम के जीत की उम्मीदों को मजबूत करता दिख रहा है.

भारत ने अहमदाबाद टेस्ट के दूसरे दिन के खेल में बनाई 286 रन की बढ़त

जुरेल व जडेजा ने संभाली पारी

एजेंसियां । अहमदाबाद

भारत और वेस्टइंडीज के बीच चल रही दो टेस्ट मैच की सीरीज के पहले मैच का दूसरा दिन भारतीय टीम के लिए शानदार रहा. नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में भारत ने पहली पारी में 5 विकेट खोकर 448 रन बनाए हैं और वेस्टइंडीज पर 286 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है.

भारतीय टीम के लिए केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने शतकों की शानदार पारियां खेली. केएल राहुल 90 के आसपास आउट हुए, जबकि ध्रुव जुरेल ने टी ब्रेक के बाद 190 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. राहुल के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने मैदान संभाला और दोनों ने मिलकर 206 रन की अहम साझेदारी की. जुरेल और जडेजा क्रीज पर अभी भी मौजूद हैं और टीम को मजबूत स्थिति में लेकर जा रहे हैं. दिन का दूसरा विकेट शुभमन गिल का था, जिन्होंने 50 रन बनाए. इसके पहले यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन के रूप में दो विकेट वेस्टइंडीज को मिले. वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रन पर समाप्त हुई थी. मोहम्मद सिराज ने इस पारी में सर्वाधिक 4 विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह ने 3 और कुलदीप यादव ने 2 विकेट हासिल किए. भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को कम स्कोर पर ऑलआउट किया.भारत की इस मजबूत स्थिति के कारण अब वह दूसरे दिन भी खेल में अपनी पकड़ और मजबूत कर सकती है. जुरेल और जडेजा की धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी से टीम को अच्छा स्कोर बनाने में मदद मिली है. अहमदाबाद का ये मैदान फिलहाल भारतीय टीम के लिए खुशियों की वजह बना हुआ है. दर्शक भी पूरे जोश के साथ मैच का आनंद ले रहे हैं और भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन को सराह रहे हैं. अब देखना होगा कि भारतीय गेंदबाज किस तरह से अपनी बढ़त को बरकरार रखते हैं और वेस्टइंडीज की वापसी को रोकते हैं.

सीनियर महिला हॉकी अंतर-विभागीय चैंपियनशिप फाइनल में रेलवे और इंडियन ऑयल आमने-सामने

एजेंसियां । नई दिल्ली

दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में जारी 5वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है. गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की महिला टीमों ने जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह पक्की कर ली. पहले सेमीफाइनलमें रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को 3-1 से हराया. रेलवे की ओर से लालरेम्सियामी ने 7वें मिनट में पहला गोल किया, जिसके बाद नवनीत कौर ने 39वें और अनुभवी वंदना कटारिया ने 50वें मिनट में गोल दागकर टीम की बढ़त को मजबूत किया. स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से गारलंका वरहालम्मा ने 53वें मिनट में एकमात्र गोल किया, लेकिन वह टीम को वापसी नहीं दिला सकीं. दूसरे सेमीफाइनलमें इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड - विमेंस ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस (CBDT) को एकतरफा मुकाबले में 8-0 से मात दी. इंडियन ऑयल के लिए राजविंदर कौर ने दो गोल (12', 43') किए, जबकि कप्तान उडिता (40'), मुमताज खान (49'), शर्मिला देवी (52'), ज्योति (56'), सीमा (58') और सुमन देवी टीएच (60') ने एक-एक गोल कर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की. इस जीत के साथ रेलवे और इंडियन ऑयलकी टीमें शनिवार दोपहर 12 बजेहोने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी, जहां खिताबी भिड़ंत देखने को मिलेगी. इससे पहलेशनिवार सुबह 10 बजेतीसरे स्थान के लिए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस की टीमें भिड़ेंगी.

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप: अमेरिका की एरेल मिडलटन ने याओ जुआन को हराकर रचा इतिहास

एजेंसियां । नई दिल्ली

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला. अमेरिका की 17 वर्षीय युवा एथलीट एरेल मिडलटन ने महिलाओं की शॉटपुट F64 स्पर्धा में अनुभवी चीनी स्टार याओ जुआन को कड़े मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया.

प्रतियोगिता की शुरुआत से ही मिडलटन आत्मविश्वास से भरी नजर आईं. उन्होंने पहले राउंड में 12.38 मीटर का थ्रो कर लीड ले ली. याओ जुआन ने दूसरे प्रयास में 12.42 मीटर और फिर तीसरे प्रयास में 12.82 मीटर फेंककर वापसी की और ऐसा लगा कि अनुभव जीत जाएगा. लेकिन मिडलटन ने चौथे प्रयास में 12.95 मीटर का थ्रो कर सबको चौंका दिया और पोल पोजिशन हासिल कर ली.

44 वर्षीय याओ जुआन, जो छह पैरालंपिक स्वर्ण और 10 विश्व खिताब जीत चुकी हैं, ने दबाव में आखिरी दो प्रयासों में दो फाउल किए. उनका आखिरी सफल थ्रो 12.52 मीटर का रहा, जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा.

एरेल मिडलटन की इस ऐतिहासिक जीत ने न सिर्फ अमेरिका को स्वर्ण दिलाया, बल्कि देश को कुल 4 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंचा दिया, जिससे भारत एक पायदान नीचे आठवें स्थान पर चला गया. भारत की ओर से अब पांचवें स्वर्ण पदक की उम्मीदें धाविका सिमरन पर टिकी हैं. उन्होंने 100 मीटर टी12 सेमीफाइनल में 12.08 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्पेन की नागोर गार्सिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई. सिमरन के साथ उनके गाइड उमर सैफी थे. ब्राज़ील 12 स्वर्ण, 18 रजत और 7 कांस्य पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि चीन और पोलैंड के बीच दूसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला जारी है.

रोमांच राशिद की घातक गेंदबाजी पर भारी पड़ी बांग्लादेश की मजबूत शुरुआत

चार विकेट से जीता पहला टी20 मैच

एजेंसियां । शारजाह

बांग्लादेश ने गुरुवार देर रात खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 4 विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त बना ली. मैच में अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट चटकाए, लेकिन उनकी कोशिश टीम को जीत नहीं दिला सकी.

अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 151 रन बनाए. टीम की ओर से रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने सबसे ज़्यादा 40 रन बनाए जबकि मोहम्मद नबी ने 23 गेंदों पर तेज़तर्रार 38 रन जोड़े. अंत में शरफुद्दीन अशरफ के योगदान से स्कोर 150 के पार पहुंच सका. बांग्लादेश की ओर से रिशत हुसैन ने 2 विकेट लेकर किफायती गेंदबाज़ी की.

152 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम ने धीमी लेकिन स्थिर शुरुआत की. पहले तीन ओवर में केवल 14 रन बने, लेकिन इसके बाद तंजीद हसन तमीम और परवेज हुसैन इमरान ने आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाज़ी की और पावरप्ले में 50 रन जोड़ दिए. दोनों बल्लेबाज़ों ने अर्धशतक जड़ा और 10 ओवर में बिना विकेट गंवाए स्कोर को 95 तक पहुंचा दिया.

ऐसा लग रहा था कि बांग्लादेश आसानी से जीत हासिल कर लेगा, लेकिन फरीद अहमद और राशिद खान ने अफगानिस्तान की वापसी कराई. राशिद ने एक ही ओवर में तंजीद और सैफ हसन को आउट किया और फिर अपने आखिरी ओवर में दो और विकेट लेकर मैच को रोमांचक बना दिया. एक समय बांग्लादेश 109/0 से गिरकर 118/6 हो गया था. लेकिन फिर नुरुल हसन और रिशत हुसैन ने संयम से बल्लेबाज़ी की. नुरुल ने 19वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई.

संक्षिप्त स्कोरकार्ड

अफगानिस्तानः 151/9 (गुरबाज़ 40, नबी 38; रिशत 2/33)

बांग्लादेशः 153/6, 18.4 ओवर (परवेज 54, तंजीद 51; राशिद 4/18)

भारतीय ए महिला हॉकी टीम चीन दौरे के लिए तैयार, मनीषा चौहान को सौंपी गई कप्तानी

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय ए महिला हॉकी टीम 13 से 21 अक्टूबर तक चीन के डालियान में होने वाली पांच मैचों की सीरीज़ के लिए पूरी तरह तैयार है. इस दौरान टीम चीन की लियाओनिंग टीम के खिलाफ खेलेगी, जिससे युवा भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनुभव हासिल करने का सुनहरा अवसर मिलेगा. यह दौरा भारतीय महिला हॉकी कार्यक्रम के भविष्य की नींव मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है. पांचों मुकाबले डालियान स्थितलियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटरमें खेले जाएंगे. मैच 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को निर्धारित किए गए हैं. इस दौरे का मुख्य उद्देश्य उभरती हुई खिलाड़ियों को नए और चुनौतीपूर्ण माहौल में खेलने का अनुभव देना है, ताकि वे भविष्य में सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए तैयार हो सकें. टीम की कप्तानी अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान को सौंपी गई है, जो अपने सशक्त डिफेंस और नेतृत्व क्षमता के लिए जानी जाती हैं. वहीं टीम की कोचिंग की ज़िम्मेदारी भारतीय महिला हॉकी टीम के एनालिटिकल कोचडेव स्मोलेनर्स निभाएंगे. कोच डेव स्मोलेनर्स ने टीम को लेकर कहा, "हमने एक युवा और संतुलित टीम चुनी है, जिसमें काफी संभावनाएं हैं. यह दौरा खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने, सीखने और बड़े मंच के लिए तैयार होने का शानदार अवसर है. मुझे यकीन है कि ये खिलाड़ी पूरे समर्पण और टीम भावना के साथ खेलेंगी."

भारत ए महिला हॉकी टीम (19 सदस्यीय) – चीन दौरे के लिए:

गोलकीपर: बंसरी सोलंकी, माधुरी किंडो

डिफेंडर: मनीषा चौहान (कप्तान), अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छेत्री, महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग

मिडफील्डर: सुजाता कुजुर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजुर, पूजा यादव, बलजीत कौर, दिपि मोनिका टोप्पो.

फॉरवर्ड: अलबेला रानी टोप्पो, ऋतिका सिंह, अन्नु, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपदकर व सेलेस्टिना होरो.

न्यूज अपडेट

बेगूसराय में 13 साल की किशोरी के साथ दुष्कर्म के बाद कर दी हत्या

बेगूसराय। बेगूसराय जिले में लगभग 13 वर्षीय किशोरी के साथ बलात्कार के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. किशोरी का शव पूर्व मंत्री मंजू वर्मा के नवनिर्मित व्यवसायिक परिसर के पीछे चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के अर्जुन टोल बरकुरबा में पानी में तैरता हुआ पाया गया. शव अर्धनग्न अवस्था में था. जानकारी के अनुसार, यह घटना थाना क्षेत्र के श्रीपुर पंचायत अंतर्गत अर्जुन टोल गांव की है. मृतक किशोरी की पहचान इसी पंचायत के बढ़कुरवा निवासी के रूप में हुई है. घटना की जानकारी फैलते ही आसपास के इलाके से सैंकड़ों लोग इकट्ठा हो गए. मंझौल एसडीपीओ नवीन कुमार और थानाध्यक्ष सुबोध कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए. स्थानीय लोग फॉरेंसिक जांच टीम और डॉग स्क्वायड बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं और जांच पूरी होने तक शव को पोखर से निकालने नहीं दे रहे हैं.

दुर्गा पूजा पंडाल में घुसी स्कॉर्पियो पुजारी की मौत, चार अन्य घायल

पूर्णिया। पूर्णिया में दुर्गा पूजा विसर्जन की पूर्व संध्या पर एक भयानक हादसा हुआ. गुरुवार की शाम बायसी थाना क्षेत्र की मीनापुर पंचायत के बैरिया सरबजिया गांव स्थित दुर्गा मंदिर पंडाल में खुशियों का माहौल अचानक मातम में बदल गया, जब एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सीधे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ में जा घुसी. स्थानीय लोगों के अनुसार, विसर्जन से पहले पूजा-अर्चना के कारण पंडाल में अत्यधिक भीड़ थी. इसी दौरान बेकाबू स्कॉर्पियो ने पांच लोगों को कुचलते हुए जोरदार टक्कर मारी और अंततः पास के खेत में जाकर पलट गई. हादसे के बाद पूजा पंडाल में चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई. लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे. इस भीषण दुर्घटना में मंदिर के पुजारी भागवत महलदार (60 वर्ष) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. मृतक पुजारी बैरिया सरबजिया टोला के ही निवासी थे. वहीं, चार अन्य श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेजा गया है.

पटना में पिता व दो बेटों की संदिग्ध मौत

पटना। पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सिगोड़ी थाना क्षेत्र के करहरा गांव में एक ही परिवार के पिता व दो पुत्रों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि तीनों की मौत जहरीला खाना खाने की वजह से हुई है. घटना की जानकारी मिलते ही सिगोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है. बताया जाता है कि गुरुवार की रात तीनों लोग दुर्गा पूजा के मेला में घूमने के बाद घर लौटे थे. रात में भोजन करने के बाद सभी सो गए. देर रात अचानक तीनों को पेट दर्द की शिकायत हुई. हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. मरने वालों की पहचान गया जिले मंझार गांव निवासी नीरज साव (35 वर्ष) और उनके दो पुत्र निर्मल कुमार (8 वर्ष) व निर्भय कुमार (4 वर्ष) के रूप में हुई है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 25 लाख महिलाओं के खाते में भेजे दस-दस हजार रुपये, कहा-

आपलोगों का रोजगार अगर सफल हुआ, तो दो लाख रुपये देंगे

शुभम संदेश। पटना

तमुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1, अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की 25 लाख लाभुक महिलाओं को 10 हजार रुपये प्रति लाभुक की दर से 2500 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया.

उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' का शुभारंभ 26 सितम्बर 2025 को किया गया था और उस दिन 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के अंतर्गत राज्य की 75 लाख महिला लाभुकों को 10 हजार प्रति लाभुक की दर से 7500 करोड़ की राशि डी०बी०टी० के माध्यम से हस्तांतरित की गयी थी.

यानि अब तक कुल 1 करोड़ लाभुक महिलाओं के खाते में अब तक 10 हजार करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जा चुकी है. आज एक करोड़वीं लाभार्थी अंजु कुमारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर अपना अनुभव साझा किया तथा प्रसन्नता व्यक्त की.

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' का मुख्य लक्ष्य राज्य के सभी परिवारों की एक महिला को उनकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता देना है. इसके तहत आर्थिक सहायता के रूप में 10000 रु० की प्रारंभिक राशि दी जा रही है.

महिलाओं द्वारा रोजगार शुरू करने के बाद आकलन कर 2 लाख रु० तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जाएगी.

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस योजना के क्रियान्वयन से महिलाओं की स्थिति और ज्यादा मजबूत होगी, वे आत्म निर्भर बनेंगी. स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता पर केंद्रित इस योजना के माध्यम से राज्य एवं देश के आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा.

पूर्णिया में वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आने से चार युवकों की मौत

शुभम संदेश । कटिहार

पूर्णिया जिले के जवनपुर गुमटी के समीप शुक्रवार की सुबह करीब 5 बजे कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर दशहरा मेला देखकर लौट रहे युवक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए, इनमें से 4 युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हैं. स्थानीय कसबा थाना पुलिस के अनुसार मृतक और घायल युवकों की पहचान पूर्णिया जिले के बनमनखी प्रखंड के चांदपुर भंगहा निवासी के रूप में हुई है. सभी पूर्णिया में स्थित एक मखाना फैक्ट्री में काम करते थे. पुलिस को घटनास्थल से एक मोबाइल भी मिला है.

कसबा थाना तथा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारियों ने बताया कि सभी युवक दशहरा मेला देखने कसबा आए हुए थे और माला देखकर लौटते समय वे ट्रेन की चपेट में आ गए. रेल पुलिस थाना ने बताया कि घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दे दी गई है. पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया जाएगा.

ट्रेन हादसे के मृतकों की पहचान : जिगर कुमार, उम्र 14 वर्ष, पिता राजेश ऋषिसिंटू कुमार, उम्र 13 वर्ष, पिता अनमोल ऋषिकुलदीप कुमार, उम्र 14 वर्ष पिता हरिनंदन ऋषिसुंदर कुमार, उम्र 14 वर्ष, पिता ब्रह्मदेव ऋषि. पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हुए युवकों का इलाज पूर्णिया जीएमसीएच में चल रहा है, जिनकी हालत चिंताजनक है. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने या भागने का कोई मौका नहीं मिला.

लापरवाही, अनुशासनहीनता के आरोप में 7 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों का वेतन रोका

छपरा। दशहरा पर्व 2025 के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण एवं शांति व्यवस्था स्थापित करने हेतु पुलिस पदाधिकारी, बलों की प्रतिनियुक्ति की गयी थी. उक्त प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी, बलों की उपस्थिति की जांच हेतु अनुमंडलवार पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है. अनुमंडल सदर-01 के जांच पुलिस पदाधिकारी द्वारा दिनांक 01.10.25 को पुलिस पदाधिकारी, बल की उपस्थिति के संदर्भ में जांच प्रतिवेदन समर्पित किया गया. जिसके अवलोकनोपरांत पाया गया कि निम्नांकित स्थल पर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी, बल अनाधिकृत रूप से अपने कर्तव्य से अनुपस्थित पाये गये.

ऑपरेशन सतर्क के तहत लावारिस बंदूक और कारतूस बरामद किए गए

शुभम संदेश। भागलपुर

त्योहारों के इस मौसम को देखते हुए, मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन सतर्क के तहत मंडल क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को रोकने और रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सघन जांच एवं निगरानी अभियान चलाए जा रहे हैं. ये अभियान मनीष कुमार गुप्ता मंडल रेल प्रबंधक मालदा के मार्गदर्शन एवं एके. कुल्लू मंडल सुरक्षा आयुक्त, मालदा के पर्यवेक्षण में संचालित किए गए.

इस अभियान के तहत को ट्रेन संख्या 13409 मालदा टाउन–किउल इंटरसिटी एक्सप्रेस की नियमित जांच के दौरान, जब ट्रेन मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन पर पहुंची, आरपीएफ स्टाफ द्वारा साधारण डिब्बे में एक संदिग्ध धूसर रंग का लावारिस बैग पाया गया. पूछताछ के बावजूद किसी यात्री ने बैग का दावा नहीं किया. बैग को सावधानीपूर्वक उतारकर आगे की जांच के लिए मिर्जाचौकी आरपीएफ कैंप लाया गया. गहन तलाशी में बैग के अंदर से एक दो नली वाली बंदूक (तीन हिस्सों में मोड़ी हुई एवं ऊनी कपड़े में लिपटी) तथा पाँच जिंदा कारतूस बरामद हुए. इस संबंध में आरपीएफ पोस्ट साहिबगंज को तत्काल सूचना दी गई. टीम मौके पर पहुंची और सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं. बरामद हथियार और कारतूस को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी साहिबगंज को सौंप दिया गया.

6 टुकड़ों में मिला दरभंगा के जेवर व्यवसायी का शव

दरभंगा। दरभंगा के सदर थाना क्षेत्र के एनएच-27 पर रानीपुर के पास बुधवार की शाम एक आभूषण व्यवसायी का शव सड़क किनारे छह टुकड़ों में बरामद होने से सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के हसनचौक निवासी स्वर्ण व्यवसायी मनीष गुप्ता के रूप में हुई है. शव बरामदगी की सूचना पर आक्रोशित व्यापारियों ने दरभंगा–मधुबनी फोरलेन (NH-27) को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया. व्यवसायी की मौत को लेकर पुलिस और परिजनों के बयान अलग-अलग हैं. पुलिस शुरुआती जांच में इसे हिट एंड रन मान रही है, जबकि परिजन और स्थानीय लोग इसे सुनियोजित हत्या बता रहे हैं. परिजनों के अनुसार मनीष गुप्ता बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे दुकान से घर लौटने के लिए निकले थे.

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट, कई जिलों में बारिश की संभावना

पटना। भारतीय मौसम विभाग, पटना केंद्र ने तात्कालिक मौसम चेतावनी जारी की है. जारी अलर्ट के अनुसार अगले दो से तीन घंटों के भीतर बिहार के कई जिलों में हल्की से मध्यम स्तर की गरज-चमक और बारिश होने की संभावना जताई गई है. इस दौरान तेज हवा 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा चलने की भी आशंका है.मौसम विभाग द्वारा जारी येलो अलर्ट में कहा गया है कि पटना, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद और गया जिलों में मौसम का असर देखने को मिल सकता है. मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि लोग खराब मौसम के दौरान घरों में सुरक्षित रहें. बिजली के खंभों, पेड़ों या खुले स्थानों पर खड़े न हों.

जमुई में 19.73 करोड़ की लागत से बनेगा अटल कला भवन : सम्राट चौधरी

पटना। बिहार के जमुई जिला मुख्यालय में अटल कला भवन का निर्माण कराया जाएगा. इस परियोजना के निर्माण के लिए कुल 19 करोड़ 73 लाख 26 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है. राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी.

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बयान जारी कर बताया कि अटल कला भवन बनने से जमुई जिले को सांस्कृतिक दृष्टि से एक नया आयाम मिलेगा. यह भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा और स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक उच्चस्तरीय केंद्र बनेगा. इसके बनने से स्थानीय प्रतिभाओं को जहां मंच मिलेगा, वहीं बिहार की कला व संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा.

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ कला संस्कृति को भी बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है. इसी कड़ी में जमुई में अटल कला भवन का निर्माण कराया जा रहा है.

कारोबार

भारत को 'सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि' के लिए आईएसएसए पुरस्कार

नई दिल्ली। भारत को 'सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि' के लिए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया है. केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मलेशिया के कुआलालंपुर में आईएसएसए विश्व सामाजिक सुरक्षा फोरम में यह पुरस्कार प्राप्त किया. डॉ. मांडविया ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद अपने संबोधन में देश के मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर प्रकाश डाला, जो सामाजिक सुरक्षा लाभों की अंतिम छोर तक कुशल पहुंच सुनिश्चित करता है. उन्होंने ई-श्रम पोर्टल का उल्लेख कर कहा कि देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का दुनिया में सबसे तेज विस्तार हुआ है, जो 2015 में 19 फीसदी से बढ़कर 2025 में 64.3 फीसदी हो गया है, जो 94 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को कवर कर रहा है. उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज में वृद्धि के बाद भारत ने आईएसएसए महासभा में 30 सीटों के साथ सर्वोच्च वोट शेयर हासिल किया है. मंडाविया ने कहा कि यह पुरस्कार समारोह डब्ल्यूएसएसएफ का एक प्रमुख वैश्विक सम्मेलन था, जिसमें 163 देशों के 1,200 से अधिक सामाजिक सुरक्षा नीति निर्माताओं और पेशेवरों ने भाग लिया. अपनी स्थापना के बाद से इस पुरस्कार का पांचवां प्राप्तकर्ता होने के बाद भारत सामाजिक सुरक्षा कवरेज के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है. आईएसएसए ने सरकार की परिवर्तनकारी ई-श्रम पोर्टल पहल की सराहना की है, जिसके तहत चार वर्षों में 30 करोड़ से ज्यादा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का पंजीकरण हुआ है. ये पुरस्कार वैश्विक स्तर पर सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों में देश की असाधारण प्रगति को मान्यता देता है.

बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

मजबूत शुरुआत के बावजूद कंपनी जिनकुशल इंडस्ट्रीज ने किया निराश

एजेंसी । नई दिल्ली

कंस्ट्रक्शन मशीनरी का निर्यात करने वाली कंपनी जिनकुशल इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की. हालांकि लिस्टिंग के बाद कुछ देर तक उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कंपनी के शेयर गिर कर लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 121 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 126.95 रुपये के स्तर तक पहुंचे, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने पर कंपनी के शेयर गिरकर 118.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गए. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 1.86 प्रतिशत का नुकसान हो गया.

जिनकुशल इंडस्ट्रीज का 116.15 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 65.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 35.70 गुना सब्सक्राइब हुआ था. वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 146.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 47.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 86,40,000 नए शेयर जारी किए गए हैं. इसके अलावा 9,59,548 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं. आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक जिनकुशल इंडस्ट्रीज का राजस्व वित्त वर्ष 2024-25 में 59 प्रतिशत बढ़कर 385.81 करोड़ रुपये हो गया. इसके एक साल पहले 2023-24 में ये 242.80 करोड़ रुपये था. इसी तरह 2024-25 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 19.14 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 18.64 करोड़ रुपये था. कर्ज की बात करें तो वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी पर 54.82 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो इससे एक साल पहले 2023-24 में 46.04 करोड़ रुपये के स्तर पर था.

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच व्यापार एवं ऊर्जा असंतुलन भी चुनौती: सीतारमण

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि ऐसे समय में जब विश्व की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रही है, तब भारत की बाहरी झटकों को झेलने की क्षमता मजबूत है. उन्होंने कहा कि देश को केवल वैश्विक अनिश्चितताओं से नहीं, बल्कि व्यापार एवं ऊर्जा असंतुलन से भी निपटना है. वित्त मंत्री ने यहां आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच टैरिफ वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार दे रहे हैं, जबकि भारत 8 फीसदी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि की आकांक्षा रखता है. उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में अवसर दिखने लगे हैं; पूंजीगत व्यय के लिए सरकार की प्रतिबद्धता कायम है. भारत में निजी क्षेत्र के निवेश के लिए अवसर दिखने लगे हैं, खासकर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं में रुचि बढ़ रही है. उन्होंने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हमें 8 फीसदी जीडीपी वृद्धि दर हासिल करनी होगी. वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भरता के जरिए विकसित भारत बनने का मतलब यह नहीं है कि हम एक बंद अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं. हम अभूतपूर्व वैश्विक अस्थिरता के दौर में हैं. हालांकि, भारत में बाहरी झटकों को झेलने की मजबूत क्षमता है.

पीएलआई योजना के लिए आवेदन की तिथि 31 दिसंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कपड़ा उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत नए आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी है.कपड़ा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सरकार ने पीएलआई योजना के तहत वस्त्र उद्योग के लिए आवेदन जमा करने की समय-सीमा बढ़ा दी है. पीएलआई योजना के लिए आवेदन 31 दिसंबर, 2025 तक खुले रहेंगे. अगस्त, 2025 से शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया में मानव निर्मित रेशे (एमएमएफ) परिधान, एमएमएफ फैब्रिक्स और तकनीकी वस्त्र निर्माण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होने के बाद, समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है. इसके लिए इच्छुक आवेदक अपने प्रस्ताव आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल: https://pli.texmin.gov.in/ के जरिए प्रस्तुत कर सकते हैं.मंत्रालय ने पीएलआई योजना के तहत मानव निर्मित फाइबर परिधान, एमएमएफ फैब्रिक्स और टेक्निकल टेक्सटाइल सहित क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आवेदन मिलने के बाद यह निर्णय लिया गया है.

बीएसई पर इसकी लिस्टिंग शुक्रवार को 10.88 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 550 रुपये के स्तर पर हुई

स्टॉक मार्केट में ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी की मजबूत शुरुआत

एजेंसी। नई दिल्ली

बायोफ्यूल बनाने वाली कंपनी ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 496 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. शुक्रवार को बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 10.88 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 550 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 545.40 रुपये के स्तर पर हुई. हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में थोड़ी गिरावट भी गई. दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 532.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे.

ट्रूऑल्ट बायोएनर्जी का 839.28 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 75.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 165.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था. वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 103.04 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 11.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 750 करोड़ रुपये के 1,51,20,967 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं. इसके साथ ही 89.28 करोड़ रुपये के 18 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं. आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने एथेनॉल प्लांट में मल्टी फीड स्टॉक ऑपरेशंस सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की आय 2023-24 की आय 1,280.19 करोड़ रुपये की तुलना में 54 प्रतिशत बढ़ कर 1,968.53 करोड़ रुपये हो गई. इसी तरह कंपनी का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 361 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 146.64 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 31.81 करोड़ रुपये था. इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में ईबीआईटीडीए (अनिंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 309.14 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 188.09 करोड़ रुपये था. कंपनी पर कुल कर्ज की बात करें तो इसमें कमी आई है. वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में कंपनी पर 1,684.68 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो 2024-25 में घट कर 1,549.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

भ्रामक विज्ञापन देने पर दृष्टि आईएएस पर पांच लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2022 के परिणामों के संबंध में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए दृष्टि आईएएस (वीडीके एडुवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सीसीपीए ने यूपीएससी 2022 के परीक्षा परिणाम को लेकर भ्रामक विज्ञापनों के लिए दृष्टि आईएएस कोंचिंग पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. ये जुर्माना दृष्टि आईएएस ने अपने विज्ञापन में सफल उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों के साथ यूपीएससी सिविल सेवा 2022 में 216+ चयन का प्रमुखता से दावा किया था. उसके सही नहीं पाए जाने पर यह जुर्माना लगाया गया है.

फ्लैट लिस्टिंग के बाद ईयरकार्ट के शेयरों में तेजी, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी। नई दिल्ली

हियरिंग ऐड्स और रिलेटेड एक्सेसरीज बनाने वाली कंपनी ईयरकार्ट लिमिटेड ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में सांकेतिक बढ़त के साथ एंट्री की हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण आईपीओ निवेशक फायदे में आ गए. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 0.37 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 135.50 रुपये के स्तर पर हुई. हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही 142.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.37 प्रतिशत का मुनाफा हो गया.

ईयरकार्ट लिमिटेड का 49.26 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.28 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.35 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 31,30,000 नए शेयर जारी किए गए हैं. इसके अलावा 3,34,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं.

कैलिफोर्निया के एल सेगुंडो में शेवरॉन रिफाइनरी से आग की लपटें उठती हुई.

न्यूज अपडेट

पेशावर में बड़ा हमला, बम विस्फोट में नौ लोगों की मौत, चार घायल

करांची । पाकिस्तान में एक बार फिर बड़ा हमला हुआ है. पाकिस्तान के पेशावर में एक भीषण बम विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई है और चार पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं. घायलों की हालत गंभीर है. पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पेशावर कैपिटल सिटी के पुलिस अधिकारी मियां सईद के कार्यालय की तरफ से घटना की पुष्टि की गई है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हमले का निशाना पुलिस अधिकारी थे. पेशावर पुलिस ने बताया कि, 'शुरुआती जांच से पता चला है कि जिस जगह विस्फोट हुआ, वहां से पुलिस का एक वाहन गुजर रहा था. वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मसूद बंगश ने कहा कि सुरक्षा बल मौके पर जांच कर रहे हैं और सबूत जुटा रहे हैं.

इस्राइली नौसेना ने गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश की, कई गिरफ्तार

नयी दिल्ली । इस्राइली नौसेना ने भूमध्य सागर में गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे 450 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया. इनमें यूरोपीय सांसद भी शामिल हैं. यह 'ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला' के माध्यम से फलस्तीनी लोगों की मदद करने आ रहे थे. बीते दो साल में अब तक के सबसे बड़े प्रयास के तौर पर उभरे इस फ्लोटिला को प्रतीकात्मक मानवीय सहायता और इस्राइल की मुखालफत के तौर पर भी देखा जा रहा है. इस्राइल ने इसे रोकने के बाद अशदोद बंदरगाह पर 600 पुलिसकर्मियों को तैनात कर कार्यकर्ताओं की पहचान और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की. यह कार्रवाई यहूदी धर्म के सबसे पवित्र दिन योम किप्पुर पर हुई. इस घटना के बाद दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन भी हुए.

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, भक्ति का दिखा माहौल

ढाका । नवरात्र का पर्व भारत में हर्षोल्लास के साथ विजयदशमी के दिन पूरा हुआ. पड़ोसी मुल्क-बांग्लादेश में भी पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ. श्रद्धालुओं ने पूरे देश में देवी की मूर्तियों को नदियों में विसर्जित किया. ढाका में हजारों लोग बुरीगंगा नदी पर एकत्र हुए और मंत्रोच्चार व पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ देवी को विदाई दी. इस वर्ष 33,355 पूजा मंडप स्थापित किए गए, जिनमें से 258 ढाका में थे. अंतरिम सरकार ने पूजा के लिए 5 करोड़ टका का अनुदान दिया. हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने सुरक्षा में सहयोग के लिए सेना का आभार जताया, हालांकि 64 जिलों में से 14 में कुछ बाधाओं की खबरें भी सामने आईं.

आयरलैंड : भारतीय दूतावास ने धूमधाम से मनाई गांधी जयंती

नयी दिल्ली । आयरलैंड की राजधानी डबलिन स्थित भारतीय दूतावास में महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मनाई गई. इस अवसर पर भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्र ने कहा कि भारतीय समाज में फैलती बहुआयामी असहिष्णुता और बढ़ते विद्वेषपूर्ण राजनीतिक ध्रुवीकरण को शांत करने के लिए गांधी जी के तीन अराजनीतिक विचार अत्यन्त प्रासंगिक हैं. विरोधियों और आलोचकों के साथ सम्मानजनक संवाद : गांधी को जनता की बेहद सराहना मिलती थी क्योंकि उन्होंने आलोचकों के साथ बातचीत और बहस में हमेशा उचित सम्मान और शिष्टता का परिचय दिया.

बलूचिस्तान के शेरानी में सात बलूच लड़ाके मार गिराए गए, मचा हड़कंप

क्वेटा । पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को यहां दावा कि सुरक्षाबलों ने बलोचिस्तान के शेरानी ज़िले में एक खुफिया अभियान के दौरान सात बलोच लड़ाकों को मार गिराया. समाचारपत्र डान ने सेना की मीडिया मामलों की शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के हवाले से यह खबर दी. सेना के मुताबिक एक अक्तूबर को सुरक्षाबलों ने शेरानी में उग्रवादी संगठन फितना अल ख़वारिज से जुड़े लड़ाकों की कथित मौजूदगी का पता चलने पर एक अभियान चलाया जिसमे उग्रवादियों के ठिकानों पर प्रभावी ढंग से हमला किया गया. हमले के दौरान भीषण गोलीबारी के बाद सात लड़ाकों के मारे जाने की खबर है. सेना ने इस संगठन के तार भारत से जुड़े होने का आरोप लगाया और बलोचिस्तान में जारी संघर्ष को भारत प्रायोजित करार दिया.

इंडोनेशिया में इमारत हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हुई

जकार्ता । इंडोनेशिया में पूर्वी जावा द्वीप में एक छात्रावास की इमारत ढह जाने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है जबकि बचावकर्मी अभी भी मलबे में फंसे छात्रों की तलाश में जुटे हुए हैं. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बचावकर्मियों द्वारा मलबे से और शव बरामद किए के कारण अब तक नौ छात्रों की मौत की पुष्टि हुई है जबकि कई लोग अब भी लापता बताए गए हैं. यह दुर्घटना सोमवार को हुई थी. इस बीच मलबे में कई छात्र फंसे हुए हैं जिन्हें बचाने के लिए बचाव दल दिन-रात काम कर रहे हैं. मलबे में फंसे लोगों में से अधिकांश छात्र हैं. स्थानीय प्रशासन ने बचाव अभियान को तेज करने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाए हैं. इस बीच सरकार ने प्रभावित क्षेत्र में सहायता प्रदान करने की घोषणा की है.

एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों का मामला

क्यूआर कोड वाला साइन बोर्ड लगाएगा

नयी दिल्ली । राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक नई पहल की घोषणा की है. इसके तहत एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों पर परियोजना-विशेष जानकारी वाले साइन बोर्ड लगाएगा, जिन पर क्यूआर कोड उपलब्ध होंगे. एनएचएआई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इन क्यूआर कोड साइन बोर्डों के माध्यम से यात्रियों को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या, परियोजना की लंबाई, निर्माण/रखरखाव अवधि, राजमार्ग पेट्रोल, टोल मैनेजर, परियोजना प्रबंधक, रेजिडेंट इंजीनियर, एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालय और आपातकालीन हेल्पलाइन 1033 सहित सभी महत्वपूर्ण जानकारियां तुरंत मिलेंगी. साथ ही नजदीकी अस्पताल, पेट्रोल पंप, शौचालय, पुलिस स्टेशन, रेस्तरां, टोल प्लाजा की दूरी, ट्रक ले-बाय, पंक्चर रिपेयर शॉप, वाहन सेवा केंद्र और ई-चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी. बेहतर दृश्यता और सुविधा के लिए ये क्यूआर कोड आधारित बोर्ड राजमार्ग के विश्राम स्थलों, टोल प्लाजा, ट्रक ले-बाय, राजमार्ग के आरंभ और अंत बिंदुओं पर लगाए जाएंगे. एनएचएआई ने कहा कि यह पहल न केवल यात्रियों को त्वरित और पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराएगी.

कैबिनेट कीबैठक : दिवाली से पहले नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़ा, 1 जुलाई से प्रभावी

संवाददाता । पटना

चुनाव के आदर्श आचार संहिता लगने के पहले नीतीश सरकार के कैबिनेट की अहम बैठक संपन्न हो गई. मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक में कुल 129 प्रस्ताव पर लगी मुहर लगी है. कैबिनेट की यह बैठक चुनाव की अंतिम बैठक माना जा रहा है. चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने राज्य सरकार के कर्मियों को बड़ा तोहफा दिया. सरकारी कर्मियों के महंगाई भत्ता में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई. सप्तम वेतनमान की तहत वेतन उठाए जाने वाला कर्मियों की का महंगाई भत्ता पहले 55% था जिसे बढ़ाकर 58% कर दिया गया है. यह 1 जुलाई 2025 से प्रभाव में रहेगा . शुक्रवार को कैबिनेट में इसके मुहर लग गई है. वहीं भागलपुर में ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा निर्माण के लिए 931 कर भूमि अधिग्रहण करने के लिए 472 करोड़ 72 लाख रुपये तो सहरसा हवाई अड्डा के रनवे विस्तार के लिए अतिरिक्त करीब 12 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने के लिए 147 करोड़ 76 लाख 56 हजार 180 रुपए की कैबिनेट में मंजूरी मिली है.

मोकामा बनेगा पर्यटक स्थल : पटना जिले के मोकामा शहर में सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटकीय सुविधा को विकसित करने के लिए पथ निर्माण विभाग की 10 एकड़ 11 डिसमिस भूमि को पर्यटन विभाग को निशुल्क हस्तांतरित करने की स्वीकृति भी कैबिनेट में मिली है.

बिहार चुनाव 2025 : जदयू में टिकट के लिए दावेदारी शुरू

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की. उनसे मिलने के लिए बिहार के कोने-कोने से नेता-कार्यकर्ता सीएम आवास पहुंचे थे. मिलने वालों में महिलाएं भी शामिल थीं. इन लोगों ने पार्टी कार्यालय में चुनाव लड़ने के लिए अपना बायोडेटा दिया था. इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय से इन्हें फोन कर मिलने के लिए बुलाया गया था. बारी-बारी से नीतीश कुमार इन नेताओं-कार्यकर्ताओं से मिले. मुलाकात कर बाहर आए नेताओं-कार्यकर्ताओं का कहना था कि नीतीश कुमार ने उन लोगों का बायोडाटा लिया है. वे लोग चुनाव लड़ना चाहते हैं. उम्मीद है पार्टी टिकट देगी. कहा कि वे लोग वर्षों से पार्टी की सेवा कर रहे हैं. नीतीश जमीनी हालात का भी फीडबैक ले रहे हैं. यह बहुत बड़ी बात है कि बिहार के मुख्यमंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद जमीनी नेताओं-कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं. यही इस पार्टी में पारदर्शिता है जो अन्य पार्टियों में नहीं है. यह बात इस पार्टी को अन्य पार्टियों से अलग बनाती है.

नीतीश कुमार बोले-विचार किया जाएगा

एक कार्यकर्ता ने कहा, हम लोगों ने यह भी सुझाव दिया है कि जमीनी नेताओं को टिकट दिया जाए जो जनता के बीच में रहते हैं. सीएम नीतीश ने कहा कि विचार किया जाएगा. कैमरे पर जेडीयू के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने अपना नाम तो बताया ही साथ ही सीट का भी जिक्र किया कि वे कहां से चुनाव लड़ना चाहते हैं. बायोडेटा भी दिखाया. नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा के हरनौत से भी कई कार्यकर्ता पहुंचे थे.

बिहार चुनाव पर आयोग का सख्त पहरा पर्यवेक्षकों की बैठक में अहम निर्देश जारी

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने पर्यवेक्षकों के साथ एक अहम बैठक की. यह बैठक दिल्ली के द्वारका स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में आयोजित की गयी. इस बैठक

में मुख्य चुनाव आयुक्त और आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने देशभर से नियुक्त किए गए केंद्रीय पर्यवेक्षकों को संबोधित किया. बैठक में आयोग ने स्पष्ट किया कि बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों के उपचुनाव पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ संपन्न होने चाहिए. आयोग की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया कि मतगणना केंद्रों की सुरक्षा और भीतर आने-जाने वालों की निगरानी के लिए सख्त व्यवस्था की जाएगी और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश मिलेगा.

सीसीटीवी कैमरों से बूथ कैंप की निगरानी : मुख्य चुनाव आयुक्त ने बैठक में पर्यवेक्षकों को मतदान और मतगणना की प्रक्रिया पर सख्त नजर रखने व किसी भी अनियमितता की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए. इसके साथ ही, सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी करने और मीडिया कर्मियों के लिए निर्धारित मानक के अनुसार प्रवेश देने की व्यवस्था की गई है.

प्रशांत ने तैयार की प्रत्याशियों की लिस्ट नौ अक्टूबर को जारी होगी पहली सूची

पटना । 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी प्रदेश की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेग. पार्टी की ओर से ना सिर्फ इसकी जोरशोर से तैयारी हो रही है बल्कि प्रत्याशियों की पहली लिस्ट भी प्रशांत किशोर ने तैयार कर ली है. जन सुराज

की ओर से जानकारी दी गई है कि प्रत्याशियों की पहली सूची 9 अक्टूबर को जारी होगी. पहली लिस्ट में देखना होगा कि कितनी सीटों पर जन सुराज पार्टी अपने प्रत्याशियों का ऐलान करती है. प्रशांत किशोर ने लिस्ट में किस आधार पर कहां से किसे टिकट दिया है यह देखने वाली बात होगी. प्रशांत किशोर पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं. उन्होंने यहां तक कह दिया है कि अगर 125-130 सीट भी आई तो यह उनके लिए हार होगी. दूसरी ओर पहली लिस्ट जारी होने के बाद जब प्रत्याशियों के नाम सामने आएंगे तो ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या किसी वैसे उम्मीदवार को जन सुराज ने टिकट दिया है जो पहले से किसी बड़ी पार्टी में रहा है? बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह सहित कई बड़े चेहरों ने जन सुराज का दामन थामा है. ऐसे में माना जा रहा है कि दमदार चेहरों पर प्रशांत किशोर की पार्टी दांव लगा सकती है.

मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व का मामला

एक नर बाघ और दो मादा शावकों की मौत

एजेंसी । मंडला

मध्य प्रदेश के मंडला जिला स्थित प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में जंगल सफारी शुरू होने के दूसरे दिन ही दो अलग-अलग स्थानों पर तीन बाघों की मौत हो गई. इनमें एक वयस्क बाघ और दो मादा शावक हैं. गुरुवार की शाम एक वयस्क बाघ का शव मुक्की रेंज के मवाला में और लगभग दो महीने की दो मादा शावकों के शव कान्हा रेंज की मुंडीदादर बीट में मिले हैं. रिजर्व प्रबंधन ने फिलहाल घटना की वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष बताया है और मामले की जांच की बात कही है. दरअसल, बारिश के दौरान प्रजनन काल में तीन महीने के लिए प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व में पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया जाता है. एक अक्टूबर से सभी टाइगर रिजर्व को पर्यटकों को लिए पुनः खोला गया है. इसके बाद सभी टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई है. इसी बीच दो अक्टूबर की शाम होते-होते तीन बांघों की मौत हो गई. मरने वालों में दो मादा बाघ शावक की उम्र एक-से दो महीने और वयस्क नर बाघ की उम्र 10 वर्ष बताई गई है.

आज 62 हजार करोड़ की युवा-केंद्रित योजनाओं का पीएम मोदी करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 62 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित योजनाओं और पहलों का शुभारंभ करेंगे. इस अवसर पर वे राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधीन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के 46 अखिल भारतीय टॉपरों को सम्मानित भी करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाली केंद्र प्रायोजित योजना 'पीएम-सेतु' (प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन) का शुभारंभ करेंगे. इसके तहत देशभर के 1 हजार सरकारी आईटीआई को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर अपग्रेड किया जाएगा. इस मॉडल में 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल होंगे, जिनसे उन्नत बुनियादी ढांचा, आधुनिक ट्रेड, डिजिटल लर्निंग सिस्टम और इनक्यूबेशन सुविधाएं उपलब्ध होंगी.

अमृतसर में पुलिस ने दो हैंड ग्रेनेड के साथ एक संदिग्ध को पकड़ा

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने दीपावली से पहले एक बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए दो हैंड ग्रेनेड के साथ एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है. आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है. पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तरनतारन निवासी रविंदर सिंह उर्फ रवि को गिरफ्तार किया. पुलिस ने उसके पास से दो हथगोले (हैंड ग्रेन्ड) बरामद किए हैं. प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपित पाकिस्तानी आईएसआई एजेंटों के संपर्क में था और उसने सीमा पार से यह खेप प्राप्त की थी. आरोपित के पुराने संबंधों को तलाशा जा रहा है. उसकी निशानदेही पर अन्य बरामदगी तथा गिरफ्तारियां होने की संभावना है.

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान अगले सप्ताह भारत के दौरे पर आएंगे

काबुल । अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुक्ताकी 9 से 16 अक्टूबर तक की अपनी विदेश यात्रा के पहले चरण में भारत के दौरे पर जाएंगे.एक मीडिया रिपोर्ट में अफगान सरकार के अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि विदेश मंत्री मुक्ताकी 9 से 16 अक्टूबर तक विदेश यात्रा पर रहेंगे. अपनी यात्रा के प्रथम चरण में वह 9 से 10 अक्टूबर तक नई दिल्ली जाएंगे. उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच विकास साझीदारी को मजबूत करना है. अफगानिस्तान में भारत के निवेश से निर्मित संसद भवन, बांध एवं सड़कों सहित करीब तीन अरब डॉलर की वृहद परियोजनाएं चल रही हैं. उनकी यात्रा के दौरान इससे जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है.उल्लेखनीय है कि अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने और पिछली अफगान सरकार के पतन के बाद से मुत्ताकी अफगानिस्तान के विदेश मंत्री हैं.

शास्त्रीय संगीत के पुरोधा पं. छन्नूलाल मिश्र पंचतत्व में विलीन, छाया मातम

वाराणसी । भारतीय शास्त्रीय संगीत के पुरोधा, पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का पार्थिव शरीर गुरुवार देर शाम मोक्षनगरी काशी के मणिकर्णिका घाट पर पंचतत्व में विलीन हो गया. उनके पोते राहुल मिश्र ने उन्हें मुखाग्नि दी. अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ. इस दौरान भारी संख्या में घाट पर मौजूद संगीत प्रेमियों, शिष्यों और विशिष्ट जनों ने उन्हें अंतिम विदाई दी. गुरुवार तड़के करीब साढ़े चार बजे मीरजापुर स्थित अपनी बेटी प्रो. नम्रता मिश्र के आवास पर पंडित जी का निधन हुआ था, जहां वह पिछले तीन वर्षों से निवासरत थे. उनका पार्थिव शरीर दोपहर बाद वाराणसी स्थित बड़ी गैबी स्थित उनके आवास पर लाया गया, जहां उन्हें अंतिम दर्शन के लिए आमजन के साथ ही कई विशिष्ट जनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की.

फरीदाबाद में डेयरी संचालक ने तीन बेटियों को फंदे पर लटकाया, खुद भी आत्महत्या की

एजेंसी । फरीदाबाद

हरियाणा के फरीदाबाद के नेकपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक डेयरी संचालक कर्मवीर (32) ने अपनी तीन नाबालिग बेटियों के साथ फंदे पर लटकर आत्महत्या कर ली. पशुबाड़े में छत से फंदे पर लटके चारों को एक परिवारिक सदस्य ने देखा और शोर मचाया. ग्रामीणों ने तुरंत फंदे से उतारा, लेकिन कर्मवीर और बड़ी बेटी छवि (12) की मौत हो चुकी थी. निशु (8) और सृष्टि (6) को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. धौज थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा.पुलिस ने स्थानीय लोगों से मामले की जानकारी ली तो बताया गया कि कर्मवीर का अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के साथ पिछले डेढ़ साल से विवाद चल रहा था. इसी वजह से पति-पत्नी अलग रहने लगे थे.बताया जा रहा है कि करीब 7 दिन पहले भी झगड़ा हुआ था, जिसके बाद से कर्मवीर काफी परेशान रहने लगा. वह डेरी चलाकर बच्चों की पढ़ाई और परिवार का पालन-पोषण करता था. डेयरी संचालक कर्मवीर ने सुसाइड से पहले वीडियो भी बनाया. पुलिस वीडियो की जांच कर रही है. साथ ही मृतक के पत्नी और अन्य परिजनों से जानकारी जुटा रही है.

राहत : पिछले दिनों हुई हिंसा के बाद लद्दाख में हालात सुधरे, स्कूल खुले...

कुछ पाबंदियों से मिली राहत, इंटरनेट अब भी बंद

एजेंसी । नयी दिल्ली

लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की. इस बीच, हाल ही में हुई हिंसा के बाद बंद किए गए सभी सरकारी और निजी स्कूल (कक्षा 8 तक) को नौ दिनों के बाद दोबारा खोल दिया गया. अधिकारियों ने बताया कि हालात में सुधार के चलते अधिकांश पाबंदियां धीरे-धीरे हटा दी गई हैं. हालांकि, 5 या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक और मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अभी भी निलंबित हैं.

24 सितंबर को लेह में भड़की हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाया गया था, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे. प्रशासन ने धीरे-धीरे कर्फ्यू में ढील दी, पहले दो-दो घंटे के स्लॉट में, फिर 30 सितंबर को 7 घंटे और बाद में 1 अक्तूबर से पूरे दिन की ढील दी गई. हालांकि मोबाइल इंटरनेट सेवा अब भी बंद है और धारा 144 (एक स्थान पर 5 या उससे अधिक लोगों के जुटने पर रोक) भी लागू है. पुलिस ने बताया कि हिंसा के बाद हिरासत में लिए गए 50 से अधिक लोगों में से 26 को जमानत पर रिहा कर दिया गया है. कारगिल बार एसोसिएशन ने हिंसा में मारे गए लोगों के समर्थन में तीसरे दिन भी न्यायिक कार्य से दूरी बनाई रखी और 6 अक्तूबर तक हड़ताल जारी रखने की घोषणा की. लेह के जिला उपायुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 24 सितंबर से बंद पड़े कक्षा 8 तक के सभी स्कूल शुक्रवार से फिर से खोले गए.

बम से उड़ाने की धमकी के बाद चेन्नई में हाई अलर्ट

चेन्नई । तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब पुलिस को बम की धमकी वाले एक के बाद एक कई ईमेल भेजे गए, जिसके बाद शहर के कई हाई-प्रोफाइल ठिकानों पर तलाशी ली गई, जिनमें मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, राज्यपाल आर.एन. रवि, अभिनेत्री त्रिशा, अभिनेता से नेता बने विजय, एस.वी. शेखर और बीजेपी के राज्य मुख्यालय कमलालयम के आवास शामिल हैं. तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बम की धमकियों की एक श्रृंखला ने हड़कंप मचा दिया. पुलिस को सूचना मिली कि मशहूर अभिनेत्री त्रिशा के घर पर बम रखा गया है. तेनमपेट स्थित उनके घर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वॉड की मदद से गहन जांच की, लेकिन वहां से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला.

हमास को ट्रंप शांति योजना पर राजी करने में जुटा मिस्र

एजेंसी । पेरिस

मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाटी ने गुरुवार को कहा कि काहिरा, कतर और तुर्की के साथ मिलकर हमास को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना स्वीकार करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमास ने इस योजना को ठुकराया, तो संघर्ष और अधिक बढ़ जाएगा. पेरिस स्थित फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस में बोलते हुए अब्देलाटी ने कहा, हमें किसी भी पक्ष को यह बहाना नहीं देना चाहिए कि वे हमास को गाजा में नागरिकों की बर्बर हत्याओं का आधार बनाएं. यह सिर्फ 07 अक्टूबर की घटना तक सीमित नहीं है. अब यह बदले से आगे निकलकर जातीय सफाए और नरसंहार का रूप ले चुका है. अब बहुत हो चुका. उन्होंने कहा कि स्पष्ट है, हमास को हथियार डालने होंगे और इजराइल को कोई ऐसा बहाना नहीं मिलना चाहिए जिससे वह अपना आक्रामक अभियान जारी रखे.

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइल की कार्रवाई में अब तक गाजा में 66,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं. व्हाइट हाउस ने इस हफ्ते की शुरुआत में 20 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें तत्काल युद्धविराम, हमास द्वारा बंधकों की रिहाई के बदले इजराइल में कैद फिलिस्तीनियों की अदला-बदली, गाजा से चरणबद्ध इजराइली वापसी आदि प्रावधान इसमें शामिल है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.